प्रभु यीशु मसीह हमारे मध्य रहा

यीशु मसीह कौन थे ?
उन्होने क्या किया ?
इस सुन्दर किताब
को पढो और
इसे जानो।

30 ए. डी. में रोमी साम्राज्य 780 वर्ष पुराना था। भूमध्यसागर के चारो ओर के देश जैसे स्पेन और गलतिया से लेकर मिस्र और सीरिया तक इस में शामिल थे।

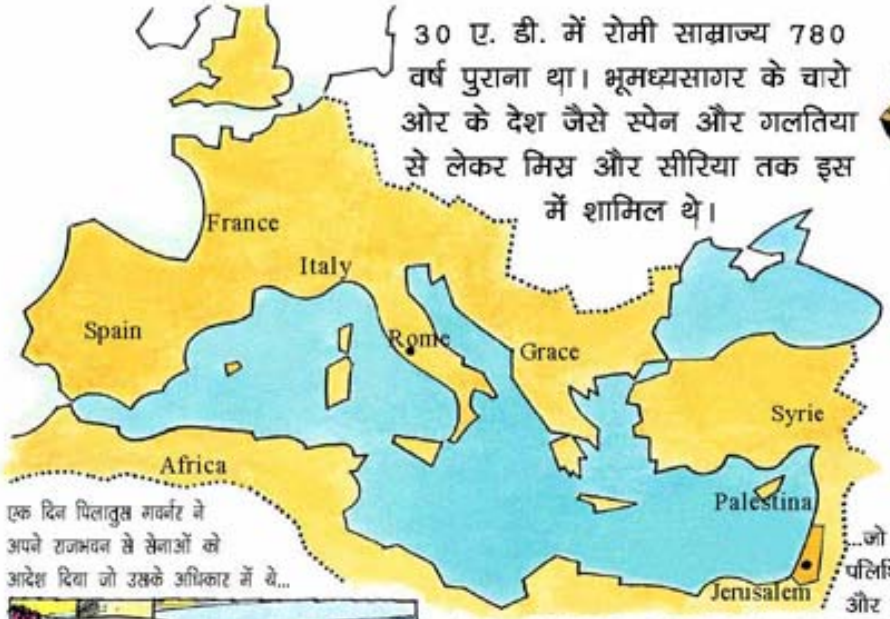

एक दिन पिलातुस गवर्नर ने अपने राजभवन से सेनाओं को आदेश दिया जो उसके अधिकार में थे...

...जो यरूशलेम में स्थित था, और जो पलिश्तिन देश में यहूदा की राजधानी थी और रोमी प्रान्त सीरिया के अधीन था।

इन यहूदियों के लिए इसका अर्थ उनके पवित्र शहर को अपवित्र करना हुआ। हमारे देवताओं का कोई भी चित्र रखना मना है। हमारे रोमी सम्राज्य से संम्बन्धित सभी चिन्हों को परमेश्वर की निन्दा माना जाता है।

इसलिए उन्होंने सम्राट तिबिरियास को शिकायत की ... और वे मुकद्मा जीत गये।

वे हठी लोग हैं, उन पर शासन नहीं किया जा सकता। गवर्नर के रूप में यहाँ यरूशलेम में मेरी नियुक्ति सम्पूर्ण साम्राज्य से अत्यन्त ही अरूचिकर है।

सब्त के दिन उन्हें काम करना नहीं होता, और चुने हुए लोग होने का बहाना के अन्तर्गत उन्हें इस बात का भी अधिकार प्राप्त है, कि वे अपने मन्दिर में गैर-यहूदी लोगों को प्रवेश करने न दें।

यह बात ठीक है। सम्पूर्ण साम्राज्य में केवल यहूदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें हमारे देवताओं की उपासना करने की आवश्यकता नहीं होती।

ओह, यरूशलेम का यह मन्दिर! कैसा कुस्वप्न! जब 2000,000 तीर्थ यात्री यहूदियों के पर्व पर आते हैं, उस समय प्रत्येक को सावधान रहना चाहिये। तुम्हें इस विषय में मालूम होने से पहले वे गड़बड़ी मचा सकते और दंगा आरम्भ कर सकते हैं।

अंटोनिआ के गढ़ से हम उनकी गतिविधियों पर दृष्टि रख रहे हैं और समय पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोक सकते हैं।

ठीक है, कप्तान। यरदन नदी की स्थिति पर कड़ी दृष्टि रखो और मुझे सूचित करते रहो...।

मैं स्वयं वहाँ जा रहा हूँ। मुझे मालूम है कि यहूदी अधिकारी लोग भी उस यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय सन्देह कर रहे हैं, वे अपनी ओर से छानबीन करने का विचार कर रहे हैं...।

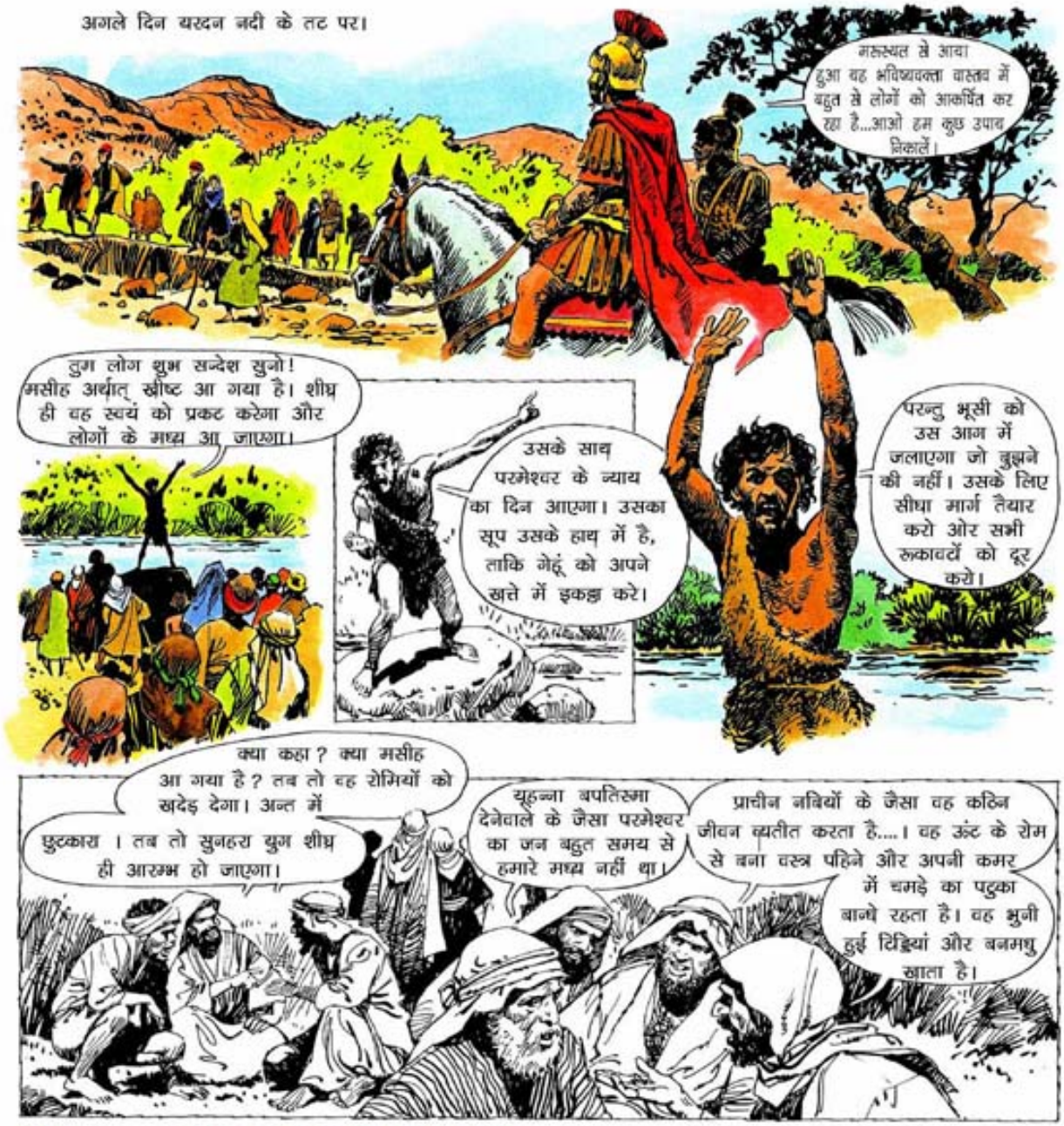

मत्ती 3:1–17

उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा। कि मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। यह वही है जिस की चर्चा यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा की गई कि जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है, कि प्रभु का मार्ग तैयार करो, उस की सड़कें सीधी करो। यह यूहन्ना ऊंट के रोम का वस्त्र पहिने था, और अपनी कमर में चमड़े का पटुका बान्धे हुए था, और उसका भोजन टिड्डियां और बनमधु था। तब यरूशलेम के और सारे यहूदिया के, और यरदन के आस पास के सारे देश के लोग उसके पास निकल आए। और अपने अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उस से बपतिस्मा लिया। जब उस ने बहुतेरे फरीसियों और सदूकियों को बपतिस्मा के लिए अपने पास आते देखा, तो उन से कहा, कि हे सांप के बच्चों, तुम्हें किस ने जता दिया, कि आनेवाले क्रोध से भागो? सो मन फिराव के योग्य फल लाओ। और अपने अपने मन में यह न सोचो, कि हमारा

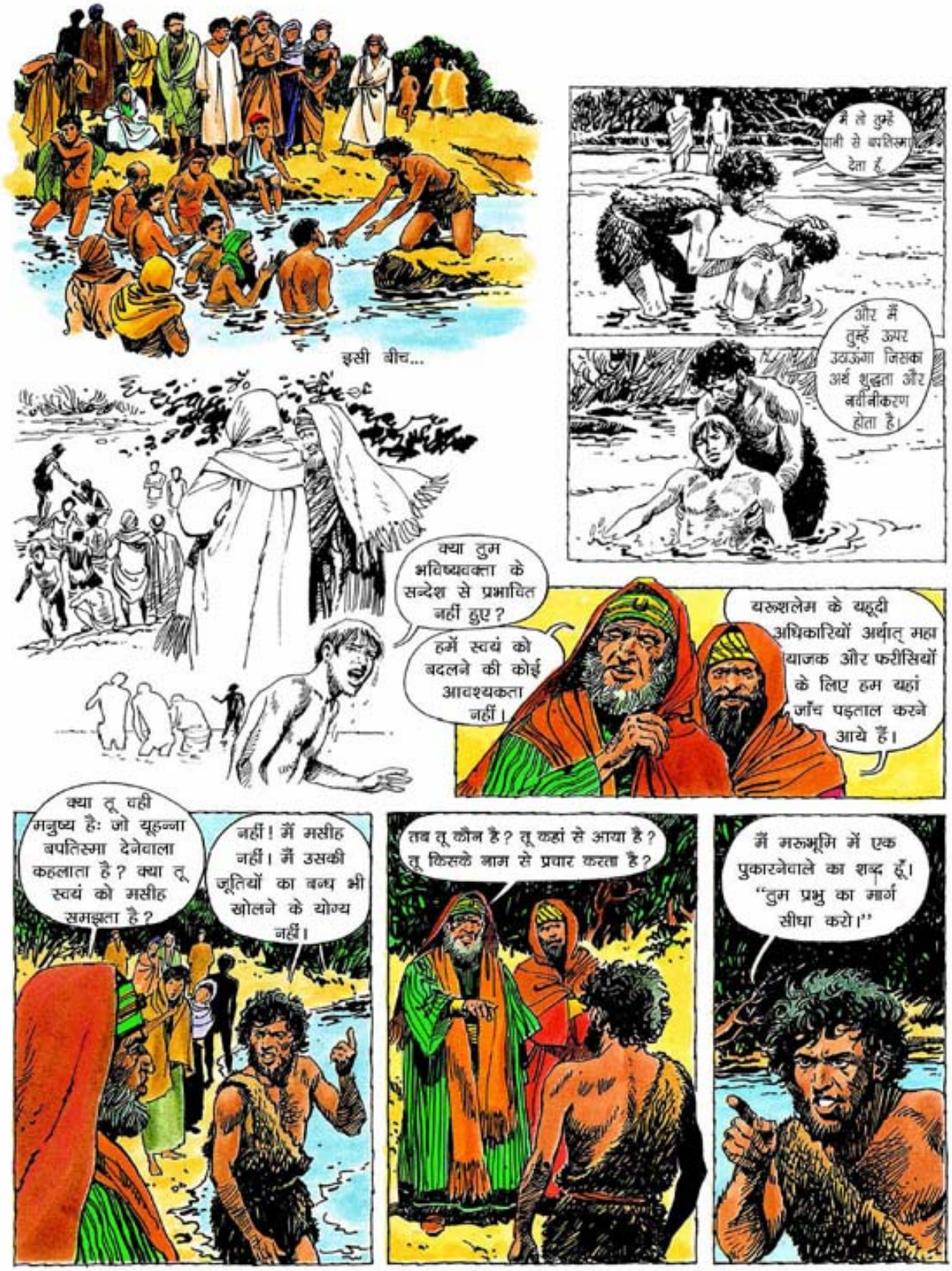
इसी बीच...
मैं तो तुम्हें पानी से बपतिस्मा देता हूँ,
और मैं तुम्हें ऊपर उठाऊंगा जिसका अर्थ शुद्धता और नवीनीकरण होता है।
क्या तुम भविष्यवक्ता के सन्देश से प्रभावित नहीं हुए?
हमें स्वयं को बदलने की कोई आवश्यकता नहीं।
यरूशलेम के यहूदी अधिकारियों अर्थात् महा याजक और फरीसियों के लिए हम यहां जाँच पड़ताल करने आये हैं।
क्या तू वही मनुष्य है: जो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहलाता है? क्या तू स्वयं को मसीह समझता है?
नहीं! मैं मसीह नहीं। मैं उसकी जूतियों का बन्ध भी खोलने के योग्य नहीं।
तब तू कौन है? तू कहां से आया है? तू किसके नाम से प्रचार करता है?
मैं मरुभूमि में एक पुकारनेवाले का शब्द हूँ। "तुम प्रभु का मार्ग सीधा करो।"

पिता इब्राहीम है; क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि परमेश्वर इन पत्थरों से इब्राहीम के लिए सन्तान उत्पन्न कर सकता है। और अब कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा हुआ है, इसलिए जो जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है। मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूं, परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है; वह मुझ से शक्तिशाली, है, मैं उस की जूती उठाने के योग्य नहीं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूप उस के हाथ में है, और वह अपना खलिहान अच्छी रीति से साफ करेगा, और अपने गेहूँ को तो खत्ते में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को उस आग में जलाएगा जो बुझने की नहीं।

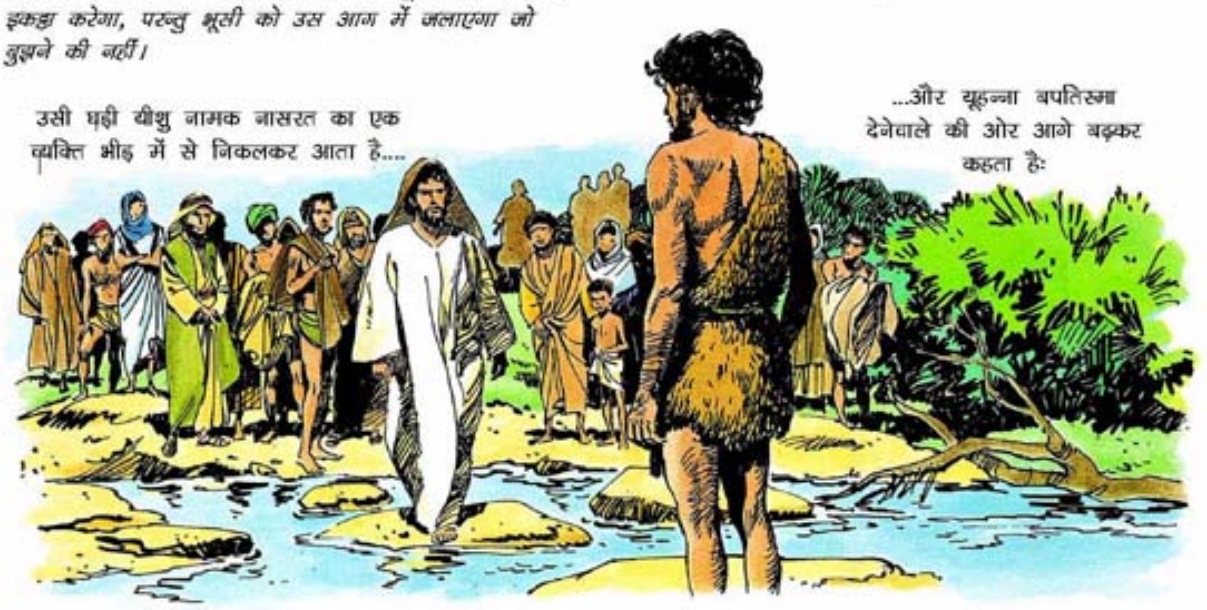

उस समय यीशु गलील से यरदन के किनारे पर यूहन्ना के पास उस से बपतिस्मा लेने आया। परन्तु यूहन्ना यह कहकर उसे रोकने लगा, कि मुझे तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और तू मेरे पास आया है? यीशु ने उस को यह उत्तर दिया, कि अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें

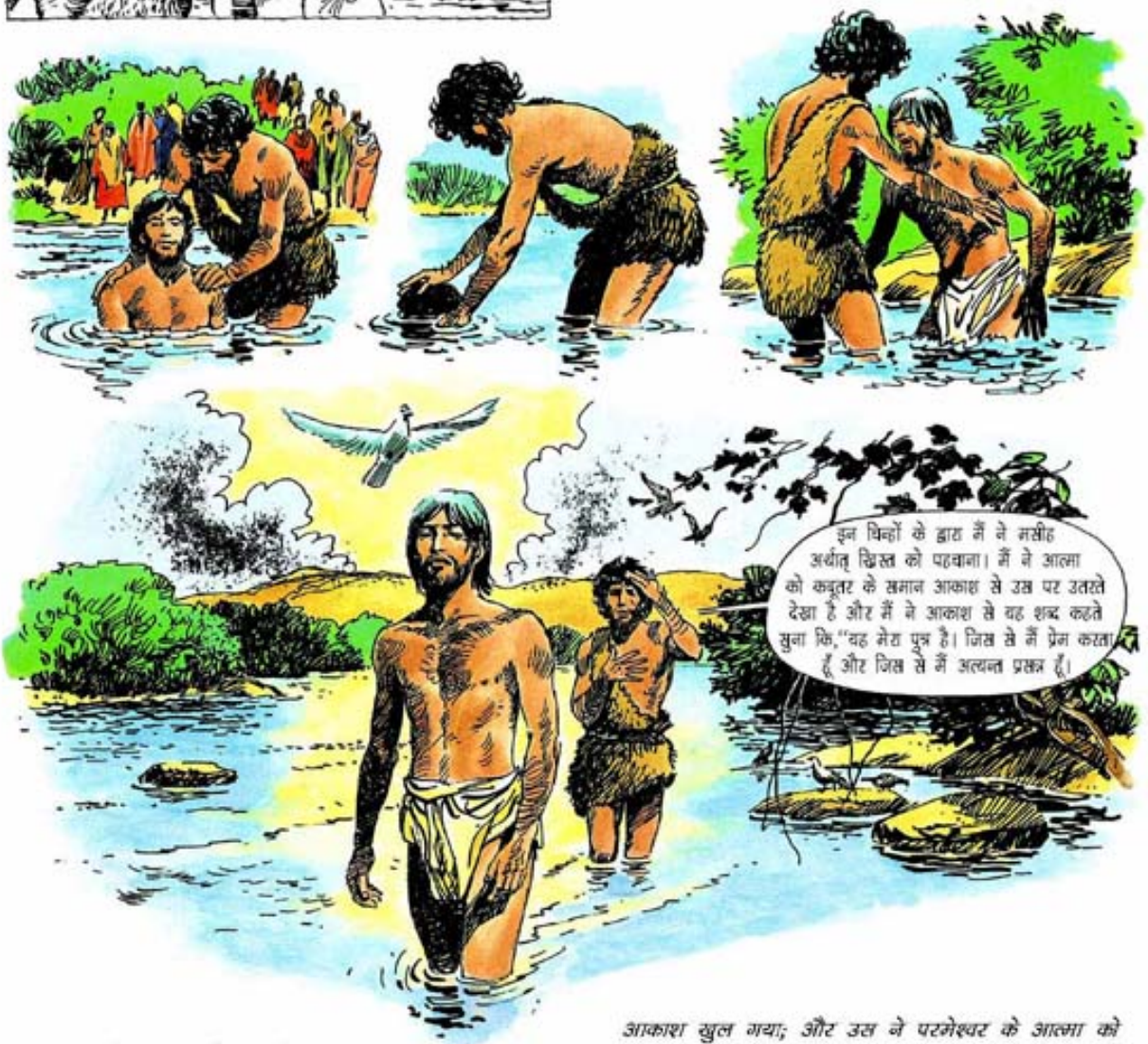

इसी रीति से सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है, तब उस ने उस की बात मान ली। और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और देखो, उसके लिए आकाश खुल गया; और उस ने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाईं उतरते और उसके ऊपर आते देखा। और देखो, यह आकाशवाणी हुई, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं।

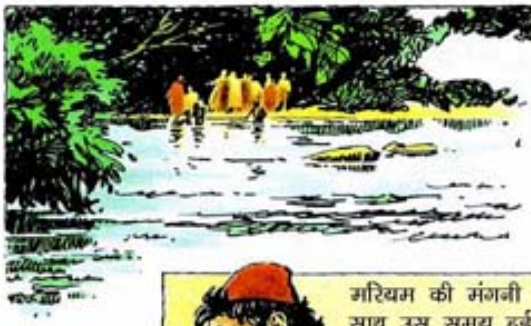

30 वर्ष की आयु में यीशु को यरदन नदी में बपतिस्मा दिया गया था। वह कौन था? वह नासरत के बढ़ई यूसुफ का पुत्र कहलाता था। उसकी माता का नाम मरियम था, जो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की माँ की कुटुम्बिनी थी। उसके जन्म से सम्बन्धित अलौकिक घटनाओं के विषय कुछ अद्भुत बातें उसके माता पिता कहते थे।

एक सब्त के दिन मरियम के माता-पिता आराधनालय से वापस लौटे।

लूका 1:26-38

छठवें महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत गलील के नासरत नगर में एक कुंवारी के पास भेजा गया। जिस की मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के घराने के एक पुरुष से हुई थीः उस कुंवारी का नाम मरियम था। और स्वर्गदूत ने उसके पास भीतर आकर कहा; आनन्द और जय तेरी हो, जिस पर ईश्वर का अनुग्रह हुआ है, प्रभु तेरे साथ है। वह उस वचन से बहुत घबरा गई, और सोचने लगी, कि यह किस प्रकार का अभिवादन है? स्वर्गदूत ने उस से कहा, हे मरियम; भयभीत न हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है। और देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा; तू उसका नाम यीशु रखना। वह महान होगा; और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उस को देगा। और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा। मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, यह क्योंकर होगा? मैं तो पुरुष को जानती ही नहीं। स्वर्गदूत ने उस को उत्तर दिया, कि पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ तुझ पर छाया करेगी, इसलिए वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।

कुछ दिनों के बाद...

इसके बाद शीघ्र ही मरियम यहूदा के मार्ग पर हो लेती है।

और देख, तेरी कुटुम्बिनी इलीशिबा के भी बुढ़ापे में पुत्र होनेवाला है, यह उसका, जो बांझ कहलाती थी छठवां महीना है। क्योंकि जो वचन परमेश्वर की ओर से होता है वह प्रभावरहित नहीं होता। मरियम ने कहा, देख, मैं प्रभु की दासी हूँ, मुझे तेरे वचन के अनुसार हो: तब स्वर्गदूत उसके पास से चला गया।

लूका 1:39–64

उन दिनों में मरियम उठकर शीघ्र ही पहाड़ी देश में यहूदा के एक नगर को गई। और जकरयाह के घर में जाकर इलीशिबा को नमस्कार किया। ज्योंही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला, और इलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गई। और उस ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, तू स्त्रियों में धन्य है, और तेरे पेट का फल धन्य है। और यह अनुग्रह मुझे कहां से हुआ, कि मेरे प्रभु की माता मेरे पास आई? और देख, ज्योंही तेरे नमस्कार का शब्द मेरे कानों में पड़ा, त्योंही बच्चा मेरे पेट में आनन्द से उछल पड़ा। और धन्य है, वह जिस ने विश्वास किया कि जो बातें प्रभु की ओर से उस से कही गई, वे पूरी होंगी। तब मरियम ने कहा मेरा प्राण प्रभु की बड़ाई करता है। और मेरी आत्मा मेरे उद्धार करनेवाले परमेश्वर से

जिब्राइल स्वर्गदूत ने मेरे पति को बताया है कि हमें एक पुत्र होगा और उसका नाम हम यूहन्ना रखेंगे
उसका कार्य आनेवाले मसीह के लिए मार्ग तैयार करना होगा....
हे मेरे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना तुझे स्वीकार हो।
यह क्या हो रहा है? परमेश्वर अपने स्वर्गदूत को मुझे कुछ बताने के लिए मेरे पास भेज रहा है....।
परन्तु जकरयाह ने सन्देह किया। "मैं अति वृद्ध हूँ... ऐसा होना असम्भव होगा।"
तब परमेश्वर के स्वर्गदूत ने प्रमाण के लिए उसे एक चिन्ह दिया, उसी समय से जकरयाह गूंगा है।

तीन माह तक एलीशिबा के साथ रहकर मरियम अपने घर नासरत वापस लौट आई। जब समय पूरा हुआ तो एलीशिबा ने एक बालक को जन्म दिया। आठवें दिन वे बच्चे का खतना कराने लाए। इस अवसर पर बच्चे का नाम रखा जाता है।

आनन्दित हुई। क्योंकि उस ने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि की है, इसलिए देखो, अब से सब युग युग के लोग मुझे धन्य कहेंगे। क्योंकि उस शक्तिमान ने मेरे लिये बड़े बड़े काम किए हैं, और उसका नाम पवित्र है। और उस की दया उन पर, जो उस से डरते हैं, पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है। उस ने अपना भुजबल दिखाया, और जो अपने आप को बड़ा समझते थे, उन्हें तितर-बितर किया। उस ने बलवानों को सिंहासनों से गिरा दिया; और दीनों को ऊंचा किया। उस ने भूखों को अच्छी वस्तुओं से तृप्त किया, और धनवानों को खाली हाथ निकाल

दिया। उस ने अपने सेवक इसाएल को सम्भाल लिया। कि अपनी उस दया को स्मरण करे, जो इब्राहीम और उसके वंश पर सदा रहेगी, जैसा उस ने हमारे बाप-दादों से कहा था। मरियम लगभग तीन महीने उसके साथ रहकर अपने घर लौट गई। तब इलीशिबा के जनने का समय पूरा हुआ, और वह पुत्र जनी। उसके पड़ोसियों और कुटुम्बियों ने यह सुन कर, कि प्रभु ने उस पर बड़ी दया की है, उसके साथ आनन्दित हुए। और ऐसा हुआ कि आठवें दिन वे बालक का खतना करने आए और उसका नाम उसके पिता के नाम पर जकरयाह रखने लगे। और उस की माता ने उत्तर दिया कि नहीं; वरन उसका नाम यूहन्ना रखा जाए। और उन्हों ने उस से कहा, तेरे कुटुम्ब में किसी

मरियम के नासरत लौटने के कई महीनों के बाद...

का यह नाम नहीं! तब उन्हों ने उसके पिता से संकेत करके पूछा। कि तू उसका नाम क्या रखना चाहता है? और उस ने लिखने की पट्टी मंगाकर लिख दिया, कि उसका नाम यूहन्ना है: और सभी ने अचम्भा किया। तब उसका मुंह और जीभ तुरन्त खुल गई; और वह बोलने और परमेश्वर का धन्यवाद करने लगा।

मत्ती 1:18–25

अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब उस की माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उन के इकट्ठे होने से पहिले वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई। सो उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की। जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा, हे यूसुफ दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहां ले आने से

उसके बाद शीघ्र ही, यूसुफ और मरियम का विवाह हो गया...।

मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उन के पापों से उद्धार करेगा।

यह सब कुछ इसलिये हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो। कि, देखो एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिस का अर्थ यह है "परमेश्वर हमारे साथ"। सो यूसुफ नींद से जागकर प्रभु के दूत की आज्ञा अनुसार अपनी पत्नी को अपने यहां ले आया। और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह उसके पास न गया: और उस ने उसका नाम यीशु रखा।

लूका 2:1–20

उन दिनों में औगूस्तुस कैसर की ओर से आज्ञा निकली, कि सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं। यह पहली नाम लिखाई उस समय हुई, जब क्विरिनियुस सूरिया का हाकिम था। और सब लोग नाम लिखवाने के लिये अपने अपने नगर को गए। सो यूसुफ भी इसलिये कि वह दाऊद के घराने और वंश का था गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया कि अपनी मंगेतर मरियम के साथ जो गर्भवती थी नाम लिखवाए। उन के वहां रहते हुए उसके जनने के दिन पूरे हुए। और वह अपना पहिलौठा पुत्र जनी और उसे कपड़े में लपेटकर चरनी में

रिश्तेदारों के घर पर....

मेरे भाइयो, परमेश्वर आप लोगों को आशिष दे।

यूसुफ, तुम्हारा यहाँ स्वागत है, स्वागत।

क्या मैं अपनी पत्नी मरियम का परिचय करा दूँ? वह शीघ्र ही बच्चा जननेवाली है। उसके लिए हमें कमरा कहां मिलेगा?

मुझे क्षमा करें। हमारे घर में तो बहुत ही अधिक लोग हैं। तुम्हारे लिए हमारे पास कोई स्थान नहीं।

यूसुफ, मेरी सलाह मानोः गोशाला में चले जाओ। पशुओं के बीच तुम गर्म भी रहोगे।

यह एक अच्छी सलाह है। वहां का वातावरण भी शान्त होगा।

उस रात को मरियम ने अपने पहिलौठे पुत्र को जन्म दिया...।

मरियम ने बच्चे को कपड़े में लपेटकर चरनी में रख दिया...

रखा; क्योंकि उन के लिये सराय में जगह न थी। और उस देश में कितने गड़ेरिये थे, जो रात को मैदान में रहकर अपने झुण्ड का पहरा देते थे। और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा हुआ; और प्रभु का तेज उन के चारों ओर चमका, और वे बहुत डर गए। तब स्वर्गदूत ने उन से कहा, मत डरो; क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिए होगा। कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है। और इस का

बैतलहम के मैदान में, गड़ेरिये रात को अपने झुण्ड की रखवाली कर रहे थे...

तुम्हारे लिए आनन्द का सुसमाचार है। तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्त्ता ने जन्म लिया है! बैतलहम की एक चरनी में तुम उसे पाओगे।

आओ हम चलकर देखें।

रात के समय वह नया तारा दाऊद के शहर बैतलहम की एक चरनी में पैदा हुआ है। ठीक ऐसे समय पर जब सम्पूर्ण परिवार यहाँ है।

वह एक चिह्न है। भविष्य में यह हमारे लोगों का गड़ेरिया होगा अर्थात् प्रतिज्ञा किया हुआ मसीह।

परमेश्वर हमारे पास आता है। सम्पूर्ण आकाश ज्योति से भर गया है। मैं गीत सुन रहा हूँ, कि आकाश में परमेश्वर की महिमा हो।

निश्चय, यही वह चुना हुआ बच्चा है।

दूसरे दिन शीघ्र ही यह समाचार चारो ओर फैल गया।

आठवें दिन उस बच्चे का खतना किया गया। इब्राहीम के साथ परमेश्वर की... वाचा के एक चिन्ह और एक छाप के रूप में सभी यहूदी बालक का खतना किया जाता था।

यूसुफ, तुम इस बच्चे का क्या नाम रखोगे?

उसका नाम यीशु है।

जिसका अर्थ हुआः परमेश्वर हमें बचाता है।

तुम्हारे लिए यह पता है कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा हुआ और चरनी में पड़ा पाओगे। तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया। कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो। जब स्वर्गदूत उन के पास से स्वर्ग को चले गए, तो गड़ेरियों ने आपस में कहा, आओ, हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई है, और जिसे प्रभु ने हमें बताया है, देखें। और उन्हों ने तुरन्त जाकर मरियम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा। इन्हें देखकर उन्हों ने वह बात जो इस बालक के विषय में उन से कही गई थी, प्रगट की। और सब सुननेवालों ने उन बातों से जो गड़ेरियों ने उन से कही, आश्चर्य किया। परन्तु मरियम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही। और गड़ेरिये जैसा उन से कहा गया था, वैसा ही सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गए।

यीशु के माता पिता को उसके बचपन की बहुत सी बातें याद थीं, उन में से एक तो उसके जन्म के बाद 40 वें दिन की थी।

लूका 2:22-35

और जब मूसा की व्यवस्था के अनुसार उन के शुद्ध होने के दिन पूरे हुए; तो वे उसे यरूशलेम में ले गए कि प्रभु के सामने लाएं। जैसा कि प्रभु की व्यवस्था में लिखा है कि हर एक पहिलौठा प्रभु के लिये पवित्र ठहरेगा। और प्रभु की व्यवस्था के वचन के अनुसार पंडुकों का एक जोड़ा या कबूतर के दो बच्चे ला कर बलिदान करें। और देखो, यरूशलेम में शमौन नाम एक मनुष्य था, और वह मनुष्य धर्मी और भक्त था; और इसाएल की शान्ति की बाट जोह रहा था, और पवित्र आत्मा उस पर था। और पवित्र आत्मा से उस को चितावनी हुई थी, कि जब तक तू प्रभु के मसीह को देख न लेगा, तब तक मृत्यु को न देखेगा। और वह आत्मा के सिखाने से मन्दिर में आया; और जब माता पिता उस बालक यीशु को भीतर लाए कि उसके लिए व्यवस्था की रीति के

अनुसार करें। तो उस ने उसे अपनी गोद में लिया, और परमेश्वर को धन्यवाद करके कहा, हे स्वामी, अब तू अपने दास को अपने वचन के अनुसार शान्ति से विदा करता है: क्योंकि मेरी आखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है। जिसे तू ने सब देशों के लोगों के सामने तैयार किया है। कि वह अन्य जातियों को प्रकाश देने के लिये ज्योति, और तेरे

ज्योतिषियों के साथ यीशु के माता पिता ने भी घटनाओं को स्मरण रखा। उस भेंट ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि विदेशियों के द्वारा किस रीति से यीशु को ग्रहण किया गया परन्तु उसके अपने लोगों के द्वारा उसे तुच्छ गिना गया। यीशु के जन्म के समय यरूशलेम में पूर्व से ज्योतिषी (ज्ञानी लोग) लोग आए....

महाराज! कुछ विदेशी लोग एक बच्चे की खोज कर रहे हैं, जो प्रतिज्ञा किया हुआ मसीह है।

वे कहते हैं, कि उसके जन्म के विषय उन्हें तारों से पता चला है।

क्या कहा? वह बच्चा मसीह होगा, और मुझे बताया नहीं गया? मेरी राजगद्दी का प्रतिद्वन्दी गुप्त रीति से उत्पन्न हो गया।

मसीह के आगमन के विषय मैं अफ़वाह सुन रहा हूँ। मुझे इसके लिए तैयारी करना होगा। उसके परिवार और उसके जन्म-स्थान के विषय तुम लोग क्या जानते हो?

शीघ्र ही फरीसियों को बुलाओ!

इस नये षड्यन्त्र को मालूम करने के लिए मुझे चतुराई करना होगा।

पवित्र बाइबल यह कहती है: कि मसीह राजा दाऊद का वंशज होगा...

...और राजा दाऊद बैतलहम का था।

इस रीति से लिखा हुआ है। "हे बेतलेहेम, तुझ में से एक प्रभुता करनेवाला निकलेगा जो मेरे लोगों का चरवाहा होगा।"

शीघ्र जाओ, और पूर्व से जो पण्डित आए हैं, उन्हें यहां मेरे पास ले आओ।

कुछ देर के बाद...

मुझे पता चला है कि तुम लोग एक बच्चे अर्थात् मसीह की खोज कर रहे हो?

जी हाँ, हम ने उसका तारा देखा है।

निज लोग इसाएल की महिमा हो और उसका पिता और उस की माता इन बातों से जो उसके विषय में कहीं जाती थीं, आश्चर्य करते थे। तब शमौन ने उन को आशिष देकर, उस की माता मरियम से कहा; देख, यह तो इसाएल में बहुतों के गिरने, और उठने के लिए, और एक ऐसा चिन्ह होने के लिए ठहराया गया है, जिस के विरोध में बातें की जाएंगी–वरन तेरा प्राण भी तलवार से पार पार छिद जाएगा–इस से बहुत हृदयों के विचार प्रगट होंगे।

और तब उन्हें वह बच्चा मिला।

वे यरूशलेम छोड़ कर बैतलहम चले गये...

दूसरे दिन सुबह के समय जब उनकी आंखें खुली...

मत्ती 2:1–12

हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम में यीशु का जन्म हुआ, तो देखो, पूर्व से कोई ज्योतिषी यरूशलेम में आकर पूछने लगे कि यहूदियों का राजा जिस का जन्म हुआ है, कहां है? क्योंकि हम ने पूर्व में उसका तारा देखा है और उस को प्रणाम करने आए हैं। यह सुनकर हेरोदेस राजा और उसके साथ सारा यरूशलेम घबरा गया। और उस ने लोगों के सब महायाजकों और शास्त्रियों को इकट्ठे करके उन से पूछा, कि मसीह का जन्म कहां होना चाहिए? उन्हों ने उस से कहा, यहूदिया के बैतलहम में, क्योंकि भविष्यद्वक्ता के द्वारा यों लिखा गया है, कि हे बैतलहम, जो यहूदा के देश में है, तू किसी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सब से छोटा नहीं; क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रखवाली करेगा। तब

कुछ दिन के बीत जाने पर... राजा हेरोदस अपने राजभवन में प्रतीक्षा कर रहा है..

हेरोदेस ने ज्योतिषियों को चुपके से बुलाकर उन से पूछा, कि तारा ठीक किस समय दिखाई दिया था। और उस ने यह कहकर उन्हें बैतलहम भेजा, कि जाकर उस बालक के विषय में ठीक ठीक मालूम करो और जब वह मिल जाए तो मुझे समाचार दो ताकि मैं भी आकर उस को प्रणाम करूं। वे राजा की बात सुनकर चले गए, और देखो, जो तारा उन्हों ने पूर्व में देखा था, वह उन के आगे आगे चला, और जहां बालक था, उस जगह के ऊपर पहुंचकर ठहर गया। उस तारे को देखकर वे अति आनन्दित हुए। और उस घर में पहुंचकर उस बालक को उस की माता मरियम के साथ देखा, और मुंह के बल गिरकर उसे प्रणाम किया और अपना अपना थैला खोलकर उस को सोना, और लोहबान, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई। और स्वप्न में यह चितौनी पाकर कि हेरोदेस के पास फिर न जाना, वे दूसरे मार्ग से होकर अपने देश को चले गए।

कुछ समय के प्रवास के बाद, यूसुफ और मरियम दोनों गलील के नासरत में वापस लौट आए। वहाँ यीशु अपने माता पिता का आज्ञाकारी रहकर डील डौल और ज्ञान में बढ़ता गया। तीस वर्ष की आयु में वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पास गया और बपतिस्मा लिया।

एक दिन, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला यीशु को जाते हुए देखता है...

उन्हों ने यीशु के साथ पर्याप्त समय बिताया...।

एक मित्र को बताने के लिए फिलिप्पुस अपने मार्ग पर चल दिया।

यूहन्ना 1:35–42

दूसरे दिन फिर यूहन्ना और उसके चेलों में से दो जन खड़े हुए थे। और उस ने यीशु पर जो जा रहा था दृष्टि करके कहा, देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है। तब वे दोनों चेले उस की यह सुनकर यीशु के पीछे हो लिए। यीशु ने फिरकर और उनको पीछे आते देखकर उन से कहा, तुम किस की खोज में हो? उन्हों ने उस से कहा, हे रब्बी, अर्थात् (हे गुरू) तू कहां रहता है? उस ने उन से कहा, चलो, तो देख लोगे। तब उन्हों ने आकर उसके रहने का स्थान देखा, और उस दिन उसी के साथ रहे, और यह दसवें घंटे के लगभग था। उन दोनों में से जो यूहन्ना की बात सुनकर यीशु के पीछे हो लिए थे, एक तो शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास था। उस ने पहिले अपने सगे भाई शमौन से मिलकर उस से कहा, कि हम को ख्रिस्तस अर्थात् मसीह मिल गया। वह उसे यीशु के पास लाया: यीशु ने उस पर दृष्टि करके कहा, कि तू यूहन्ना का पुत्र शमौन है, तू केफा अर्थात् पतरस कहलाएगा।

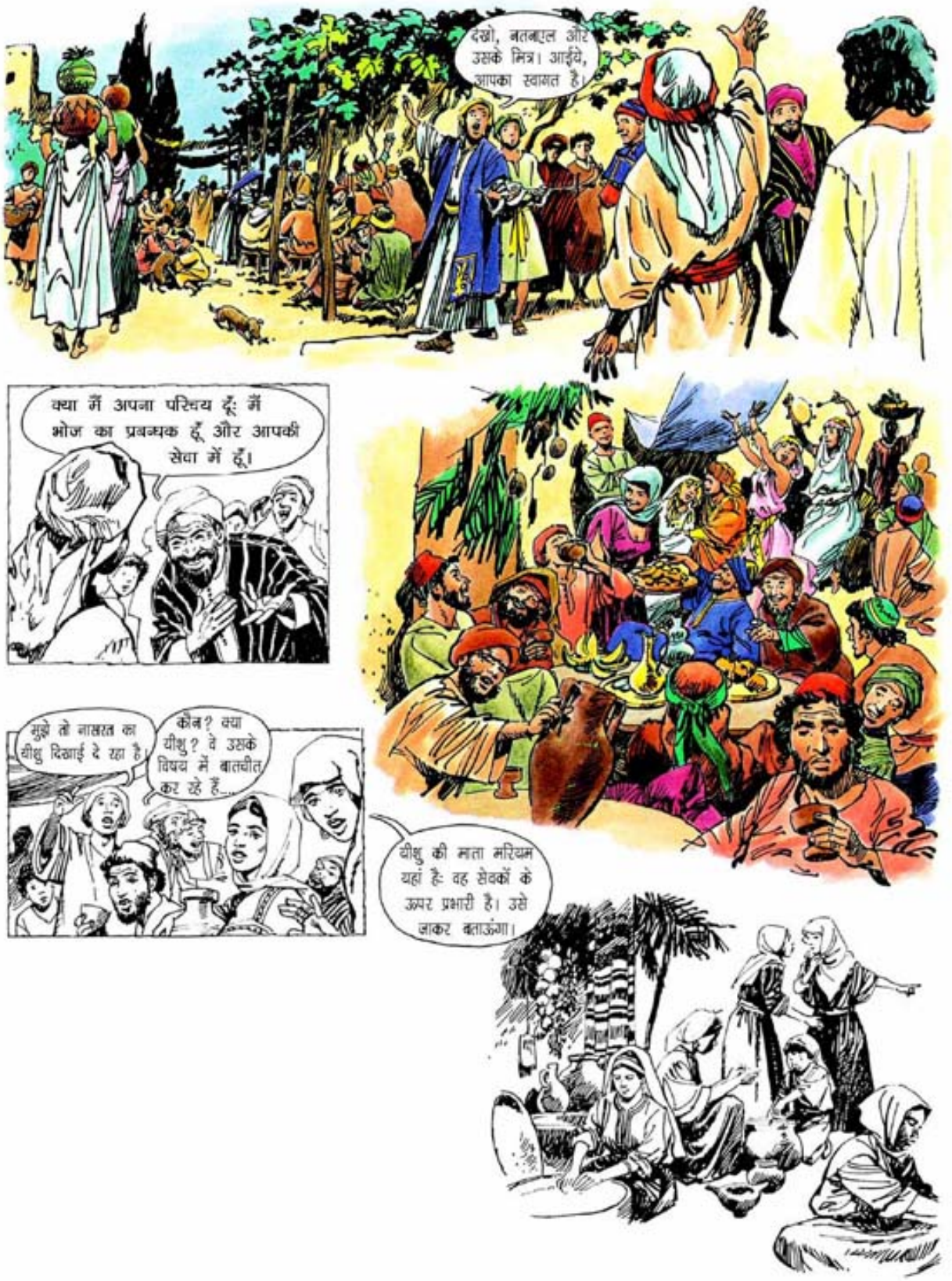
देखो, नतनएल और उसके मित्र। आईये, आपका स्वागत है।
क्या मैं अपना परिचय दूँ: मैं भोज का प्रबन्धक हूँ और आपकी सेवा में हूँ।
मुझे तो नासरत का यीशु दिखाई दे रहा है।
कौन? क्या यीशु? वे उसके विषय में बातचीत कर रहे हैं।
यीशु की माता मरियम यहां है- वह सेवकों के ऊपर प्रभारी है। उसे जाकर बताऊंगा।

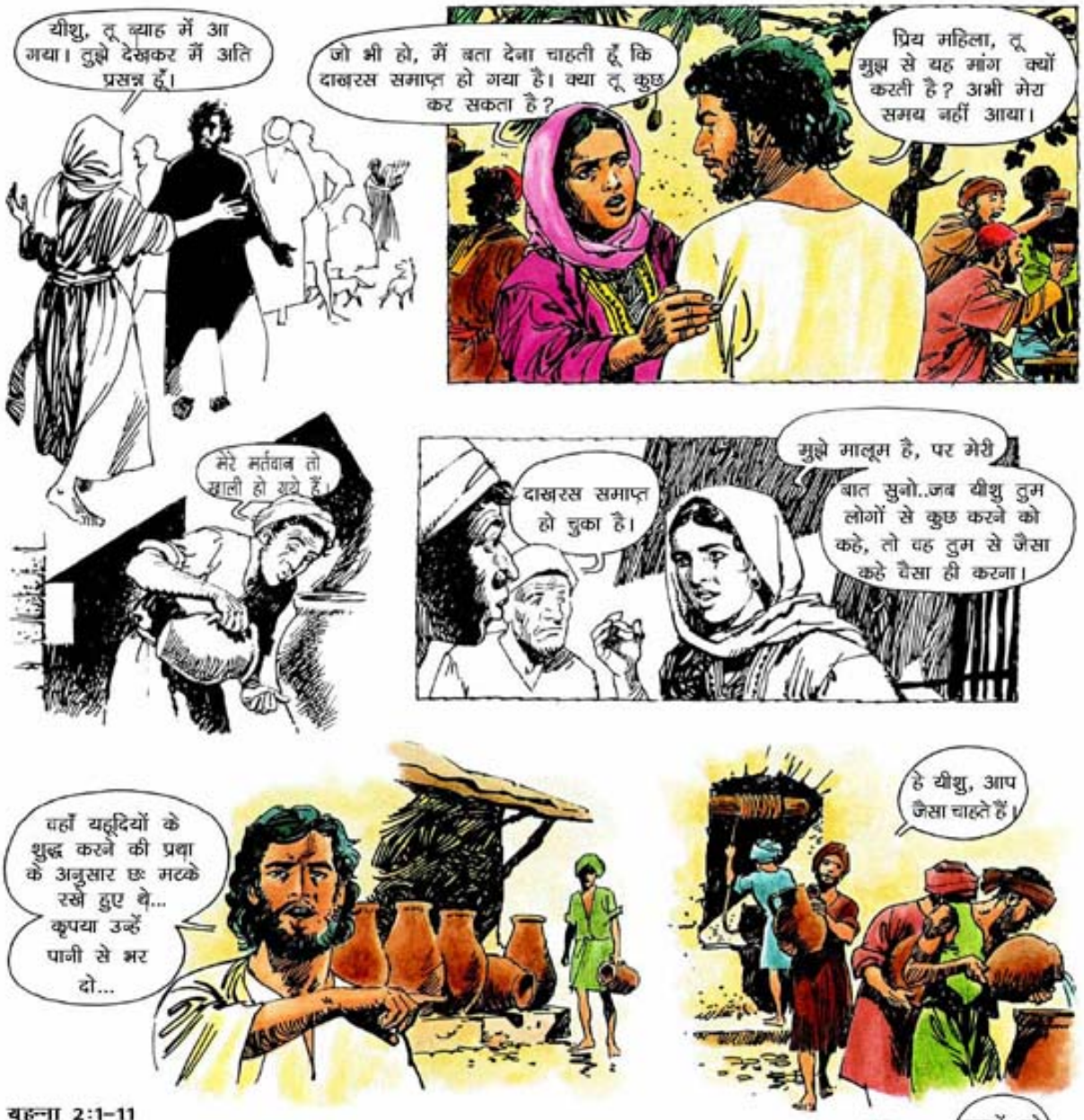

यूहन्ना 2:1–11

फिर तीसरे दिन गलील के काना में किसी का ब्याह था, और यीशु की माता भी वहां थी। और यीशु और उसके चेले भी उस ब्याह में नेवते गए थे। जब दाखरस घट गया तो यीशु की माता ने उस से कहा, कि उन के पास दाखरस नहीं रहा। यीशु ने उस से कहा, हे महिला मुझे तुझ से क्या काम? अभी मेरा समय नहीं आया। उस की माता ने सेवकों से कहा, जो कुछ वह तुम से कहे, वही करना। वहां यहूदियों के शुद्ध करने की रीति के अनुसार पत्थर के छः मटके धरे थे, जिन में दो दो, तीन तीन मन समाता था। यीशु ने उन से कहा, मटकों में पानी भर दोः सो उन्हों ने उन्हें मुंहामुंह भर दिया। तब उस ने उन से कहा, अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ। वे ले गए, जब भोज के प्रधान ने वह पानी चखा, जो दाखरस बन गया, और नहीं जानता था, कि यह कहां से

आया है, (परन्तु जिन सेवकों ने पानी निकाला था, वे जानते थे) तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाकर, उस से कहा। हर एक मनुष्य पहिले अच्छा दाखरस देता है और जब लोग पीकर छक जाते हैं, तब मध्यम देता है; परन्तु तू ने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है। यीशु ने गलील के काना में अपना यह पहिला चिन्ह दिखाकर अपनी महिमा प्रगट की और उसके चेलों ने उस पर विश्वास किया।

यीशु कफरनहूम में आता है जो गन्नेसरत झील के किनारे है। यूहन्ना, अन्द्रियास और पतरस वहां मछली पकड़ने का काम करते हैं।

मछली पकड़ने की हमारी नावें वहां पर हैं। यह नाव तो शिमौन..पतरस की है।

मेरा भाई याकूब और मैं यूहन्ना, हम दोनों मछुवों का व्यवसाय जानते हैं।

तुम, मछुवे, मेरे प्रथम शिष्य होगे। मेरे पीछे चले आओ।

आज रात मछली पकड़ने के लिए सभी चीजें तैयार हैं।

हे यीशु, मेरे घर में आप रात काट सकते हैं, मेरी सास बिस्तर पर बीमार पड़ी है, उसे बहुत बुखार है।

पतरस, आओ हम चलें... मुझ पर विश्वास करो, तुम्हारी सास चंगी हो जाएगी।

मुझे अच्छा लगने लगा है। हाँ मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। अब मैं उठकर आपके लिए कुछ भोजन तैयार करूंगी।

उस रात को पतरस और उसके कर्मी दल मछली पकड़ने के लिए जाते हैं...

लूका 4:38-40

वह आराधनालय में से उठकर शमौन के घर में गया और शमौन की सास को ज्वर चढ़ा हुआ था, और उन्हों ने उसके लिये उस से विनती की। उस ने उसके निकट खड़े होकर ज्वर को डांटा और वह उस पर से उतर गया और वह तुरन्त उठकर उन की सेवा-टहल करने लगी। सूरज डूबते समय जिन जिन के यहां लोग नाना प्रकार की बीमारियों में पड़े हुए थे, वे सब उन्हें उसके पास ले आए और उस ने एक एक पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया।

लूका 5:1–11

जब भीड़ उस पर गिरी पड़ती थी, और परमेश्वर का वचन सुनती थी, और वह गन्नेसरत की झील के किनारे पर खड़ा था, तो ऐसा हुआ। कि उस ने झील के किनारे दो नावें लगी हुई देखीं, और मछुवे उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे। उन नावों में से एक पर जो शमौन की थी, चढ़कर, उस ने उस से विनती की, कि किनारे से थोड़ा हटा ले चले, तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा। जब वह बातें कर चुका, तो शमौन से कहा, गहिरे में ले चल, और मछलियां

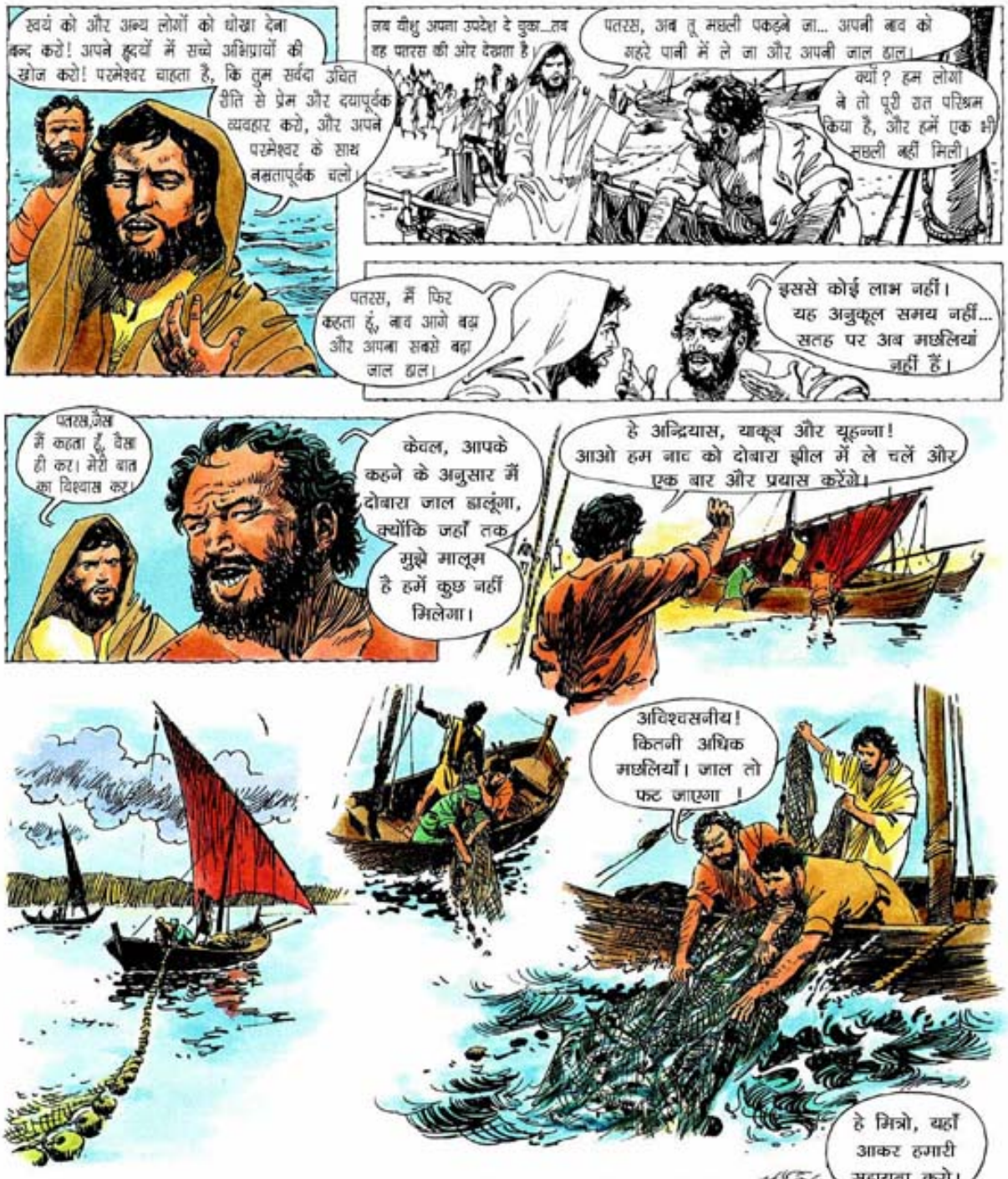

पकड़ने के लिए अपने जाल डालो। शमौन ने उसको उत्तर दिया, कि हे स्वामी, हम ने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा, तौभी तेरे कहने से जाल डालूंगा। जब उन्हों ने ऐसा किया, तो बहुत मछलियां घेर लाए, और उन के जाल फटने लगे। इस पर उन्हों ने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे, संकेत किया, कि आकर हमारी सहायता करोः और उन्हों ने आकर, दोनों नाव यहां तक भर लीं कि वे

डूबने लगीं। यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पांवों पर गिरा, और कहा; हे प्रभु, मेरे पास से जा, क्योंकि मैं पापी मनुष्य हूँ। क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उसके साथियों को बहुत अचम्भा हुआ। और वैसे ही जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना को भी, जो शमौन के सहभागी थे, अचम्भा हुआ: तब यीशु ने शमौन से कहा, मत डर: अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा। और वे नावों को किनारे पर ले आए और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो लिए।

यीशु सारे गलील में घूम घूमकर सुसमाचार का प्रचार और बीमारों को चंगा करते रहे, तो बड़ी भीड़ उनके पीछे पीछे चलती थी....

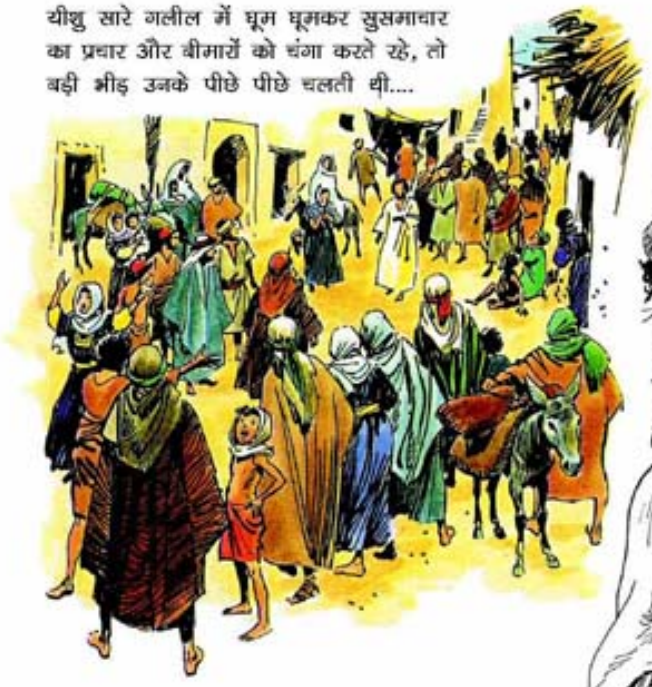

जिन लोगों को संक्रामक रोग होता था उन्हें अलग रहना होता था। शहर के फाटक पर वे यीशु की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मत्ती 4:23-25

और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की समाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा। और सारे सूरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं, और मिर्गीवालों और झोले के मारे हुओं को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया। और गलील और दिकापुलिस और यरूशलेम और यहूदिया से और यरदन के पार से भीड़ की भीड़ उसके पीछे हो ली।

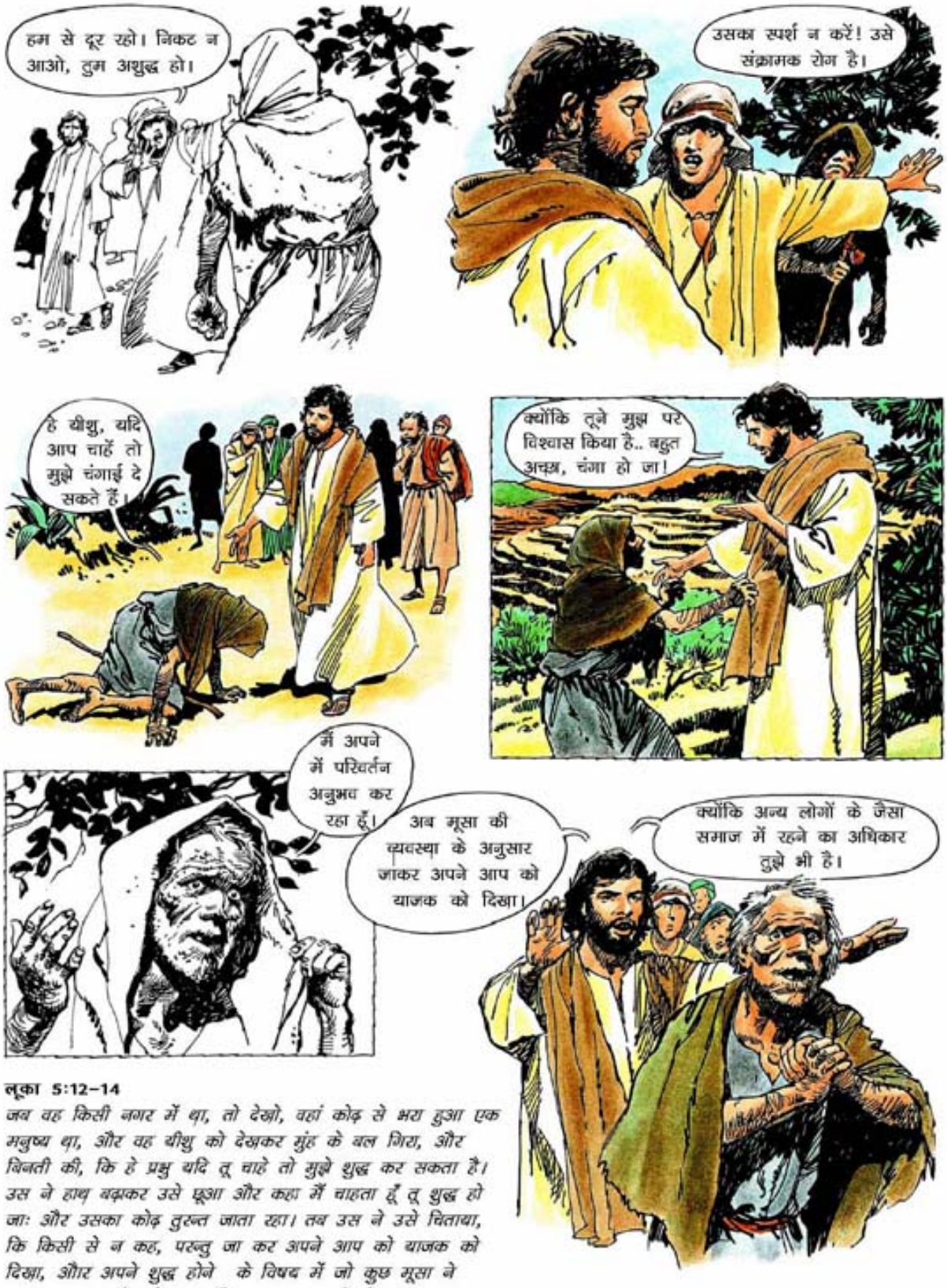

लूका 5:12–14

जब वह किसी नगर में था, तो देखो, वहां कोढ़ से भरा हुआ एक मनुष्य था, और वह यीशु को देखकर मुंह के बल गिरा, और बिनती की, कि हे प्रभु यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। उस ने हाथ बढ़ाकर उसे छूआ और कहा मैं चाहता हूँ तू शुद्ध हो जा: और उसका कोढ़ तुरन्त जाता रहा। तब उस ने उसे चिताया, कि किसी से न कह, परन्तु जा कर अपने आप को याजक को दिखा, और अपने शुद्ध होने के विषद में जो कुछ मूसा ने चढ़वा ठहराया है उसे चढ़ा; कि उन पर गवाही हो।

कफरनहूम के निकट सीमा पर, एक सीमा शुल्क कार्यालय था....।

तब अचानक....

मत्ती 9:9–13

वहां से आगे बढ़कर यीशु ने मत्ती नाम एक मनुष्य को महसूल की चौकी पर बैठे देखा, और उस से कहा, मेरे पीछे हो ले। वह उठकर उसके पीछे हो लिया। और जब वह घर में भोजन करने के लिये बैठा तो बहुतेरे महसूल लेनेवाले और पापी आकर यीशु और उसके चेलों के साथ खाने बैठे। यह देखकर फरीसियों ने उसके चेलों से कहा; तुम्हारा गुरू महसूल लेनेवालों और पापियों के साथ क्यों खाता है? उस ने यह सुनकर उन से कहा, वैद्य भले चंगों को नहीं परन्तु बीमारों को अवश्य है। सो तुम जाकर इस का अर्थ सीख लो, कि मैं बलिदान नहीं परन्तु दया चाहता हूँ, क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं परन्तु पापियों को बुलाने आया हूँ।

अगली एक संध्या के समय...

वास्तव में!

एक दिन लोग कफरनहूम के निवासी शिमौन मछुवारे के घर पर एकत्र हुए जहाँ यीशु था। सभी लोग उसको सुनना चाहते थे...

मरकुस 2:1-12

कई दिन के बाद वह फिर कफरनहूम में आया और सुना गया, कि वह घर में है। फिर इतने लोग इकट्ठे हुए कि द्वार के पास भी जगह नहीं मिली; और वह उन्हें वचन सुना रहा था। और लोग एक झोले के मारे हुए को चार मनुष्यों से उठवाकर उसके पास ले आए। परन्तु जब वे भीड़ के कारण उसके निकट न पहुंच सके, तो उन्हों ने उस छत को जिस के नीचे वह था, खोल दिया, और जब उसे उधेड़ चुके, तो उस

मुझे मालूम है। हम छत पर चढ़ जाएंगे।

बुद्धना, तुम जाकर कुछ रस्सियां ले आओ।

घरों के समतल छत पर मिट्टी के बने हुए खपड़े थे। उन्हें हटाया जा सकता था।

ध्यान दो, उसके लिए जगह तैयार करो।

ओह! वे तो वास्तव में सहासी हैं।

बेचारा मनुष्य झोले का मारा हुआ है.... सभी जानते हैं कि यह बिल्कुल ही लाईलाज बीमारी है।

हे मेरे मित्र। मैं तेरे विश्वास को देखता हूँ। मुझ पर विश्वास रख, क्योंकि तेरे पाप क्षमा हो गये।

खाट को जिस पर झोले का मारा हुआ पड़ा था, लटका दिया। यीशु ने, उन का विश्वास देखकर, उस झोले के मारे हुऐ से कहा, हे पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए। तब कई एक शास्त्री जो वहां बैठे थे, अपने अपने मन में विचार करने लगे कि यह मनुष्य क्यों ऐसा कहता है? यह तो परमेश्वर की निन्दा करता है, परमेश्वर को छोड़ और कौन पाप क्षमा कर सकता है? यीशु ने तुरन्त अपनी आत्मा में जान लिया कि वे अपने अपने मन में ऐसा विचार कर रहे हैं, और उन से कहा, तुम अपने अपने मन में यह विचार क्यों कर रहे हो? सहज क्या है? क्या झोले के मारे से यह कहना कि तेरे

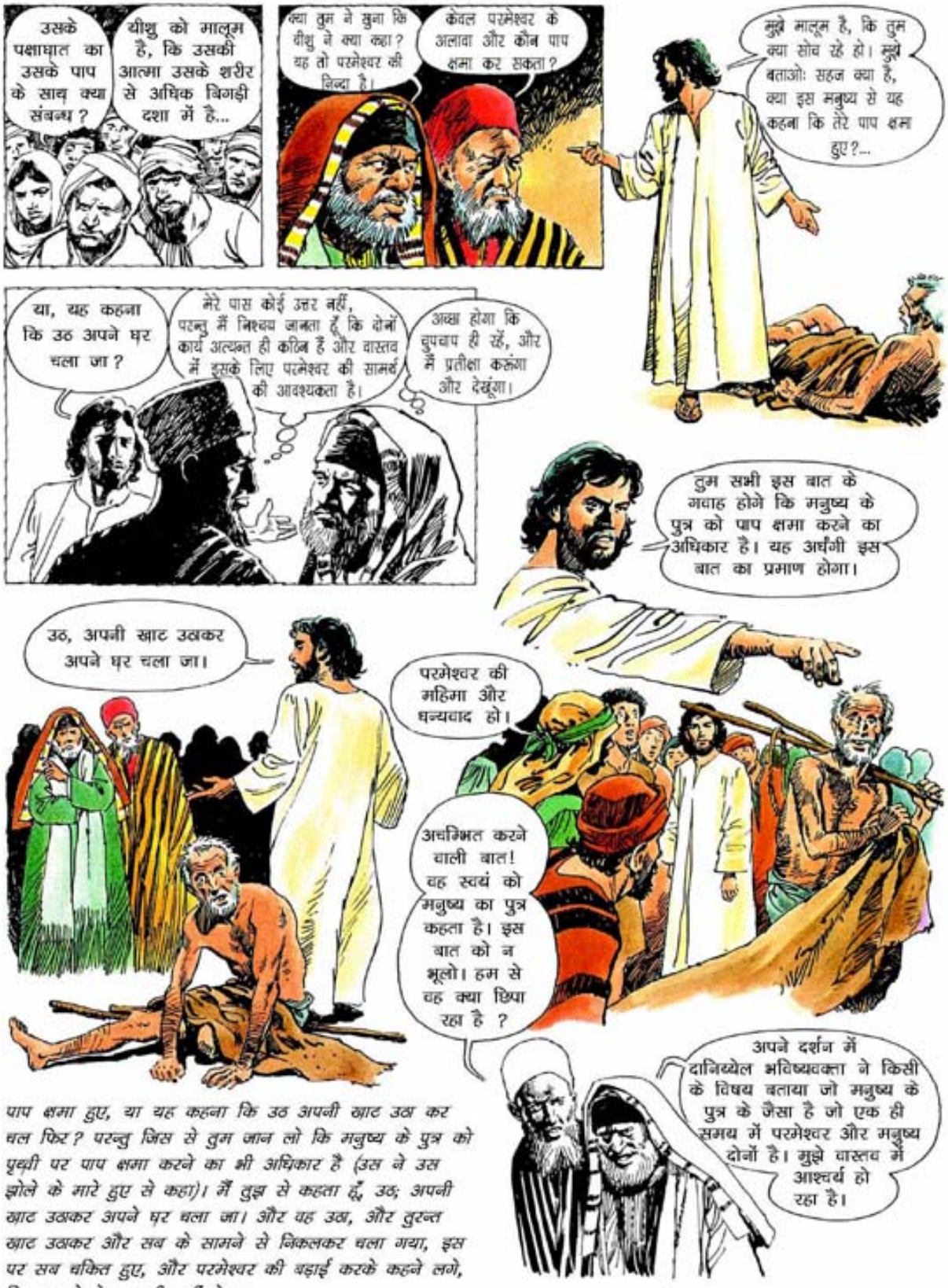

पाप क्षमा हुए, या यह कहना कि उठ अपनी खाट उठा कर चल फिर? परन्तु जिस से तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का भी अधिकार है (उस ने उस झोले के मारे हुए से कहा)। मैं तुझ से कहता हूँ, उठ, अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जा। और वह उठा, और तुरन्त खाट उठाकर और सब के सामने से निकलकर चला गया, इस पर सब चकित हुए, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, कि हम ने ऐसा कभी नहीं देखा।

कुछ दिनों के बाद मग्दला गाँव में, जो कफरनहूम से अधिक दूर नहीं, शिमौन नामक एक धनी व्यक्ति के घर के सामने...

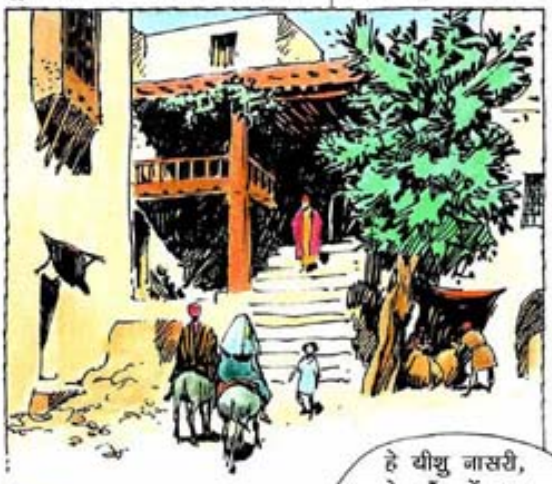

जब यीशु पहुंचता है, तो पूरा गाँव उसके लिए प्रतीक्षा कर रहा था।

लूका 7:36–50

फिर किसी फरीसी ने उस से बिनती की, कि मेरे साथ भोजन करे; सो वह उस फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा। और देखो, उस नगर की एक पापिनी स्त्री यह जानकर कि वह फरीसी के घर में भोजन करने बैठा है, संगमरमर के पात्र में इत्र लाई। और उसके पांवों के पास, पीछे खड़ी होकर, रोती हुई, उसके पावों को आंसुओं से भिगाने और अपने सिर के बालों से

पोंछने लगी और उसके पांव बार बार चूमकर उन पर इत्र मला। यह देखकर, वह फरीसी जिस ने उसे बुलाया था, अपने मन में सोचने लगा, यदि यह भविष्यद्वक्ता होता तो जान जाता, कि यह जो उसे छू रही है, वह कौन और कैसी स्त्री है? क्योंकि वह तो पापिनी है। यह सुन यीशु ने उसके उत्तर में कहा; कि हे शमौन मुझे तुझ से कुछ कहना है वह बोला, हे गुरू कह। किसी महाजन के दो देनदार थे, एक पांच सौ, और दूसरा पचास दीनार धारता था। जब कि उन के पास पटाने को कुछ न रहा, तो उस ने दोनों को क्षमा कर दिया: सो

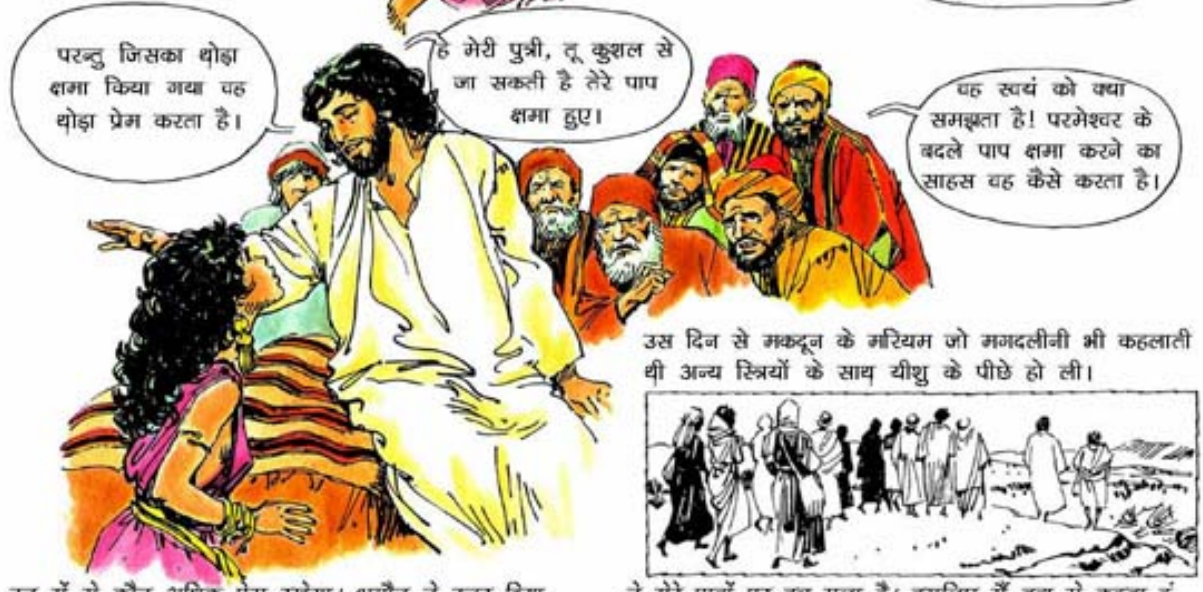

उस दिन से मकदूनि के मरियम जो मगदलीनी भी कहलाती थी अन्य स्त्रियों के साथ यीशु के पीछे हो ली।

उन में से कौन अधिक प्रेम रखेगा। शमौन ने उत्तर दिया, मेरी समझ में वह, जिस का उस ने अधिक छोड़ दिया: उस ने उस से कहा, तू ने ठीक विचार किया है। और उस स्त्री की ओर फिरकर उस ने शमौन से कहा; क्या तू इस स्त्री को देखता है? मैं तेरे घर में आया परन्तु तू ने मेरे पांव धोने के लिये पानी न दिया, पर इस ने मेरे पांव आंसुओं से भिगाए, और अपने बालों से पोंछा! तू ने मुझे चूमा न दिया, पर जब से मैं आया हूं तब से इस ने मेरे पांवों का चूमना न छोड़ा। तू ने मेरे सिर पर तेल नहीं मला, पर इस ने मेरे पावों पर इत्र मला है। इसलिए मैं तुझ से कहता हूं कि इस के पाप जो बहुत थे, क्षमा हुए, क्योंकि इस ने बहुत प्रेम किया; पर जिस का थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है। और उस ने स्त्री से कहा, तेरे पाप क्षमा हुए। तब जो लोग उसके साथ भोजन करने बैठे थे, वे अपने अपने मन में सोचने लगे, यह कौन है जो पापों को भी क्षमा करता है? पर उस ने स्त्री से कहा; तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है, कुशल से चली जा।

यीशु और उसके चेले गलील से होते हुए नाईन नगर में पहुंचे....।

लूका 7:11–17

थोड़े दिन के बाद वह नाईन नाम के एक नगर को गया, और उसके चेले, और बड़ी भीड़ उसके साथ जा रही थी। जब वह नगर के फाटक के पास पहुंचा, तो देखो, लोग एक मुरदे को बाहर लिए जा रहे थे; जो अपनी मां का एकलौता पुत्र था, और वह विधवा थी: और नगर के बहुत से लोग उसके साथ थे। उसे देख कर प्रभु को तरस आया, और उस से कहा, मत रो। तब उस ने पास आकर अर्थी को छूआ, और उठानेवाले ठहर गए तब उस ने कहा; हे जवान मैं तुझ से कहता हूँ, उठ। तब वह मुरदा उठ बैठा, और बोलने लगा: और उस ने उसे उस की मां को सौंप दिया। इस से सब पर भय छा गया, और वे परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे कि हमारे बीच में एक बड़ा भविष्यद्वक्ता उठा है, और परमेश्वर ने अपने लोगों पर कृपा दृष्टि की है। और उसके विषय में यह बात सारे यहूदिया और आस पास के सारे देश में फैल गई।

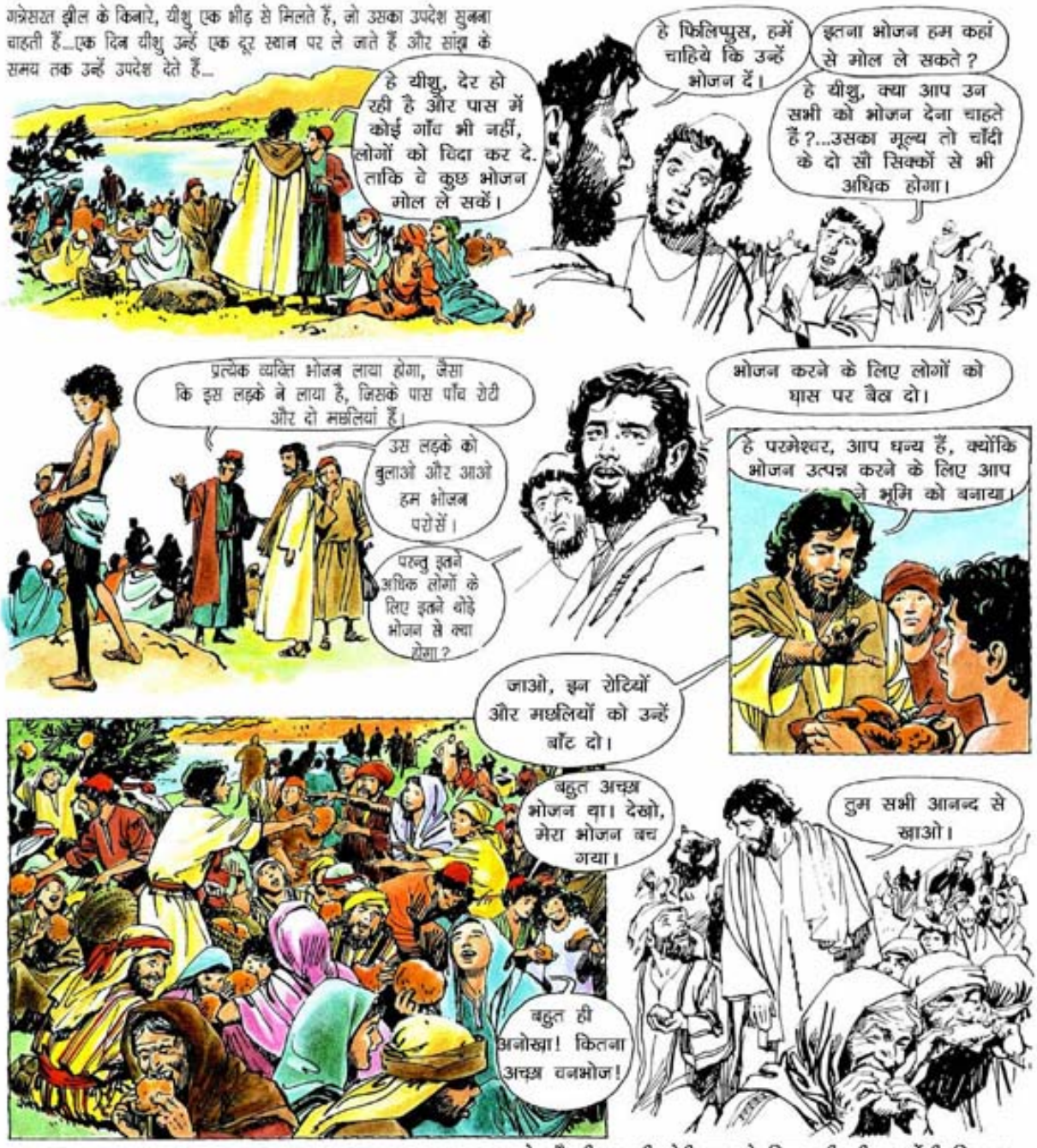

यूहन्ना 6:1–15

इन बातों के बाद यीशु गलील की झील अर्थात् तिबिरियास की झील के पास गया। और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली क्योंकि जो आश्चर्य कर्म वह बीमारों पर दिखाता था वे उन को देखते थे। तब यीशु पहाड़ पर चढ़कर अपने चेलों के साथ वहां बैठा। और यहूदियों के फसह का पर्व निकट था। तब यीशु ने अपनी आखें उठाकर एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा, और फिलिप्पुस से कहा, कि हम इन के भोजन के लिये कहां से रोटी मोल लाएं? परन्तु उस ने यह बात उसे परखने के लिए कही; क्योंकि वह आप जानता था कि मैं क्या करूंगा। फिलिप्पुस ने उस को उत्तर दिया, कि दो सौ दीनार की रोटी उन के लिए पूरी भी न होंगी कि उन में से हर एक को थोड़ी थोड़ी मिल जाए। उसके चेलों में से शमौन पतरस के भाई अन्द्रियास ने उस से कहा। यहां एक लड़का है जिस के पास जव की पांच रोटी और दो मछलियां हैं, परन्तु इतने लोगों के लिये वे क्या हैं। यीशु ने कहा, कि लोगों को बैठा दो। उस जगह बहुत घास थीः तब वे लोग जो गिनती में लगभग पांच हजार के थे, बैठ गएः तब यीशु ने रोटियां लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बांट दी, और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बांट दिया। जब वे खाकर तृप्त हो गए तो उस ने अपने चेलों से कहा, कि बचे हुए टुकड़े बटोर लो, कि कुछ फेंका न जाए। सो उन्हों ने

जब सभी लोग भोजन करके तृप्त हो गये तो इसके बाद....

बचे हुओं को जमा कर लो, कुछ भी बरबाद न करो।

रोटी से भरी हुई दस... ग्यारह...बारह टोकरियां।

इसी बीच, कुछ लोग इस घटना पर बातचीत कर रहे हैं...।

यह बात मुझे अपने समय में एलिय्याह भविष्यवक्ता की याद दिलाती है।

हाँ,हमारा पवित्रशास्त्र बताता है कि एक दिन उसने केवल दो रोटी से सौ व्यक्तियों को खिलाया और उस समय भी रोटियां बच गई थीं जैसा आज हमारे पास बच गई हैं। क्या यीशु एक नया भविष्यवक्ता हो सकता है?

इस यीशु ने तो बहुत बड़ा काम किया! इतने अधिक लोगों के लिए पर्याप्त भोजन, जो पहले बहुत ही थोड़ा था।

निश्चय! यह मसीह है, जिसकी प्रतीक्षा बहुत दिनों से की जा रही थी।

सभी को बता दो, हम चाहते हैं कि यीशु हमारा राजा बने।

आओ, हम अपने राजा के चारो ओर इकट्ठा हो जाएं।

अपने अगुवा के रूप में उसके साथ हम एक सेना बनाएंगे और हम रोमी लोगों को खदेड़ देंगे।

परन्तु यीशु ने जान लिया कि वे उसे बलपूर्वक अपना राजा बनाना चाहते हैं।

मैं भागकर निकल जाऊंगा, वे आपे से बाहर हैं...मेरे सन्देश को गलत समझा.. एक युद्ध करनेवाले मसीह की कल्पना कर रहे हैं। जैसे ही रात्रि होने लगेगी मैं पहाड़ों पर चला जाऊंगा।

कुछ समय के पश्चात् यीशु अपने चेलों को हर्मोन पहाड़ के निकट कैसरिया (आजकल गोलन हाईट्स कहलाता है) के उत्तरी सिवाने में ले गये।

बटोरा, और जव की पांच रोटियों के टुकड़े जो खानेवालों से बच रहे थे उन की बारह टोकरियां भरीं। तब जो आश्चर्यकर्म उस ने कर दिखाया उसे वे लोग देखकर कहने लगे; कि वह भविष्यद्वक्ता जो जगत में आनेवाला था निश्चय यही है। यीशु यह जानकर कि वे मुझे राजा बनाने के लिए आकर पकड़ना चाहते हैं, फिर पहाड़ पर अकेला चला गया।

मत्ती 16:13–17

यीशु कैसरिया फिलिप्पी के देश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा, कि लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं? उन्हों ने कहा, कितने तो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं और कितने एलिय्याह, और कितने यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक कहते हैं। उस ने उन से कहा, परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो? शमौन पतरस ने उत्तर दिया, कि तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है। यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि मांस और लोहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है।

मत्ती 20:20–23

तब जब्दी के पुत्रों की माता ने अपने पुत्रों के साथ उसके पास आकर प्रणाम किया, और उस से कुछ मांगने लगी। उस ने उस से कहा, तू क्या चाहती है? वह उस से बोली, यह कह, कि मेरे ये दो पुत्र तेरे राज्य में एक तेरे दहिने और एक तेरे बाएं बैठें। यीशु ने उत्तर दिया, तुम नहीं जानते

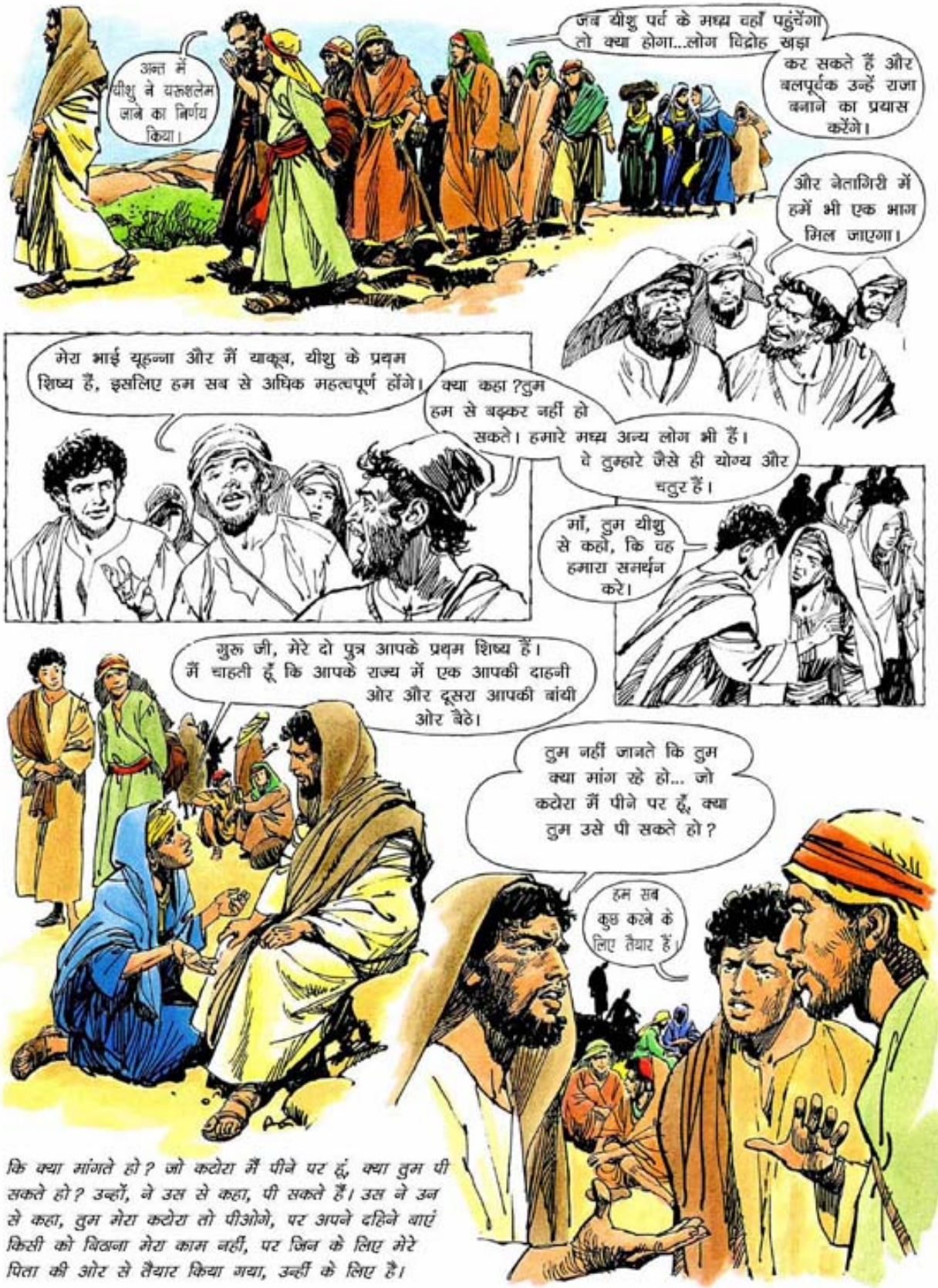

कि क्या मांगते हो? जो कटोरा मैं पीने पर हूं, क्या तुम पी सकते हो? उन्हों, ने उस से कहा, पी सकते हैं। उस ने उन से कहा, तुम मेरा कटोरा तो पीओगे, पर अपने दहिने बाएं किसी को बिठाना मेरा काम नहीं, पर जिन के लिए मेरे पिता की ओर से तैयार किया गया, उन्हीं के लिए है।

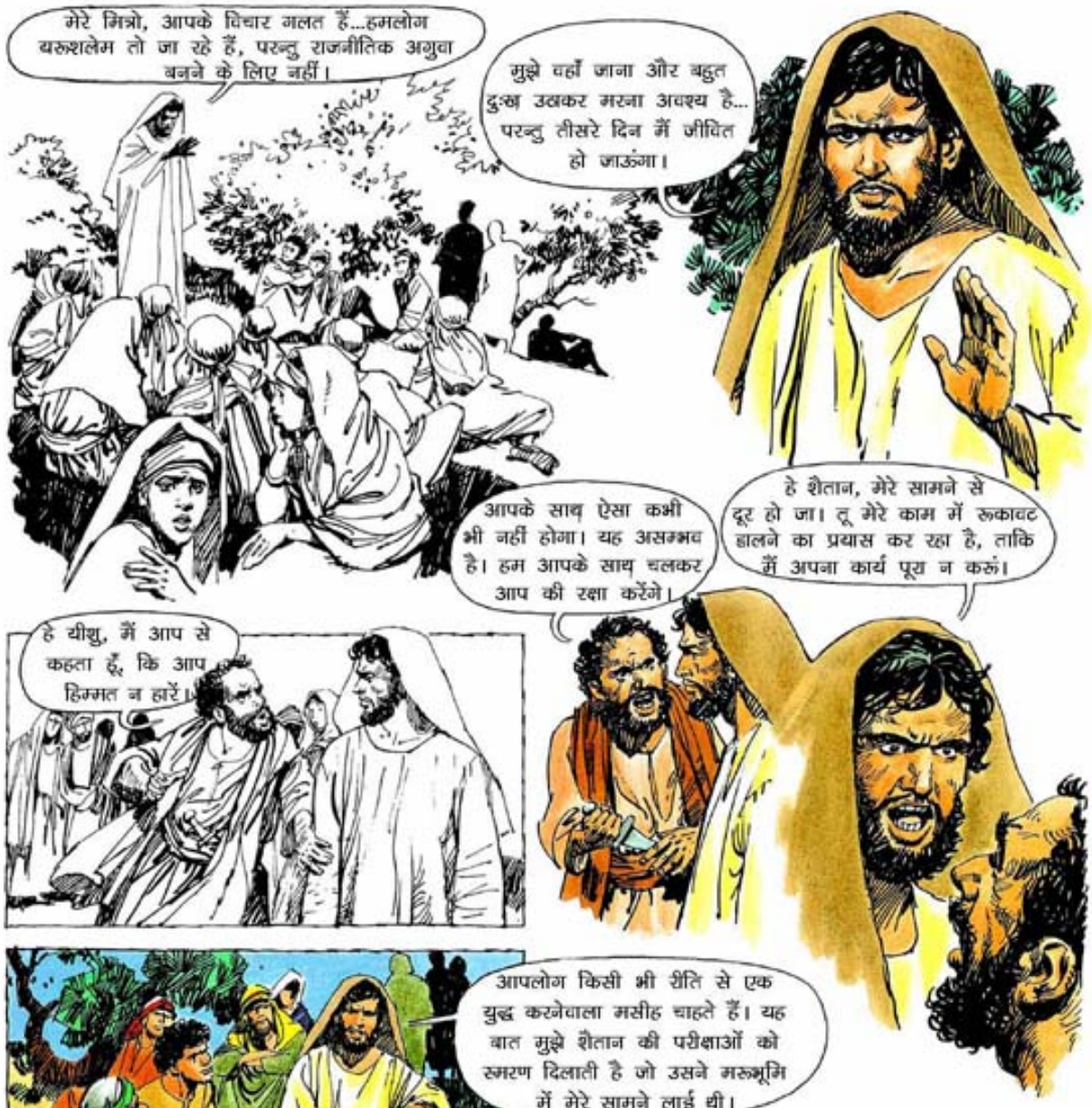

मत्ती 16:21–23

उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा, कि मुझे अवश्य है, कि यरूशलेम को जाऊं, और पुरनियों और महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ से बहुत दुख उठाऊं; और मार डाला जाऊं; और तीसरे दिन जी उठूं। इस पर पतरस उसे अलग ले जाकर झिड़कने लगा कि हे प्रभु, परमेश्वर न करे; तुझ पर ऐसा कभी न होगा। उस ने फिरकर पतरस से कहा, हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो: तू मेरे लिए ठोकर का कारण है; क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं, पर मनुष्यों की बातों पर मन लगाता है।

मत्ती 4:1–11

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उस की परीक्षा हो । वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, अन्त में उसे भूख लगी। तब परखनेवाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं। उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा। तब इब्लीस उसे पवित्र नगर में ले गया और

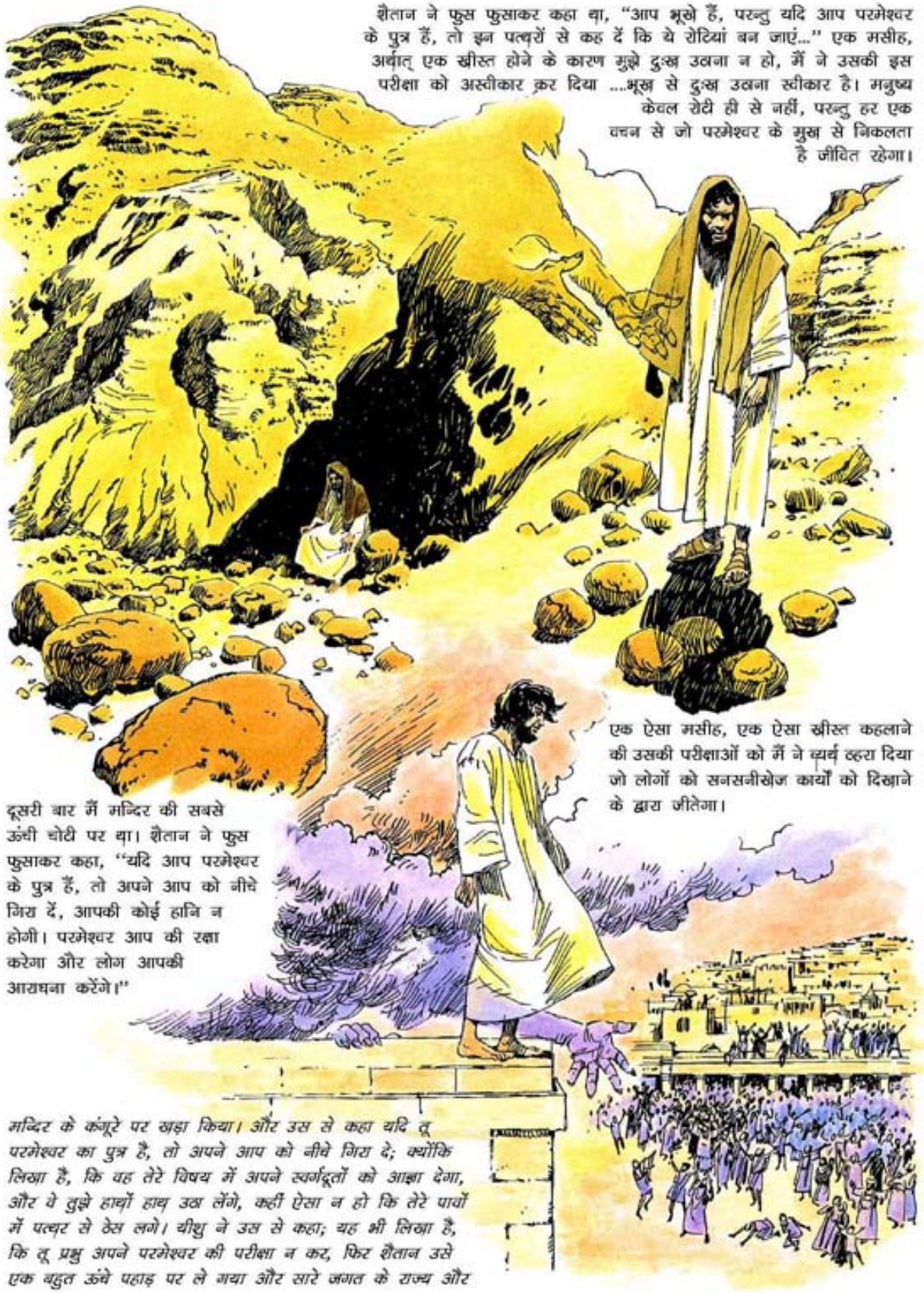

शैतान ने फुस फुसाकर कहा था, "आप भूखे हैं, परन्तु यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, तो इन पत्थरों से कह दें कि ये रोटियां बन जाएं..." एक मसीह, अर्थात् एक ख्रीस्त होने के कारण मुझे दुःख उठना न हो, मैं ने उसकी इस परीक्षा को अस्वीकार कर दिया ....भूख से दुःख उठना स्वीकार है। मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

एक ऐसा मसीह, एक ऐसा ख्रीस्त कहलाने की उसकी परीक्षाओं को मैं ने व्यर्थ ठहरा दिया जो लोगों को सनसनीखेज कार्यों को दिखाने के द्वारा जीतेगा।

दूसरी बार मैं मन्दिर की सबसे ऊंची चोटी पर था। शैतान ने फुस फुसाकर कहा, "यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, तो अपने आप को नीचे गिरा दें, आपकी कोई हानि न होगी। परमेश्वर आप की रक्षा करेगा और लोग आपकी आराधना करेंगे।"

मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया। और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे, कहीं ऐसा न हो कि तेरे पावों में पत्थर से ठेस लगे। यीशु ने उस से कहा; यह भी लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर, फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और

उसके बाद मैं एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर खड़ा हो गया... शैतान ने फिर फुस फुसाकर कहा, "जगत का सम्पूर्ण राज्य और उसका वैभव देखिये। यदि आप झुक कर मुझे प्रणाम करें तो मैं यह सब कुछ आपको दे दूंगा।" मैं ने उत्तर दिया,: "हे शैतान, मुझ से दूर हो।"

क्योंकि लिखा है: "तू अपने प्रभु परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।"

मित्रो, इन परीक्षाओं में न पड़ें। मैं परमेश्वर का सेवक हूँ, जिसके विषय यशायाह नबी ने घोषणा की थी कि..."मैं अपने लोगों के लिए अपना प्राण दूँगा।"

कैसी निराशाजनक बात। यीशु के साथ रहकर मैं अपना समय और अवसर नष्ट कर रहा हूँ। मुझे तो पहले ही यह बात मालूम कर लेना चाहिये था।

मैं तो उलझन में पड़ गया हूँ। मैं यह बात और नहीं समझता....

मेरे मित्रो, इस पहाड़ के नीचे आप लोग पड़ाव डाल दें।

और पतरस, याकूब और यूहन्ना तुम लोग मेरे साथ आओ! हम लोग पहाड़ पर एक साथ पूरी रात बिताएंगे।

उसका वैभव दिखाकर; उस से कहा, कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूंगा। तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर। तब शैतान उसके पास से चला गया; और देखो, स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।

आधी रात के समय एक चकाचौंध करनेवाली ज्योति ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को जगा दिया। यीशु उनके सामने ज्योति में प्रगट होता है, और मूसा और एलिय्याह के साथ बातचीत करता दिखाई देता है।

जब प्रकटन समाप्त हो गया तब वे यीशु को पहले के जैसा देखते हैं।

सूर्योदय के समय वे चारों उतरकर पहाड़ से नीचे उतरते हैं।

मत्ती 17:1-8

छः दिन के बाद यीशु ने पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना को साथ लिया, और उन्हें एकान्त में किसी ऊंचे पहाड़ पर ले गया। और उन के सामने उसका रूपान्तर हुआ और उसका मुंह सूर्य की नाईं चमका और उसका वस्त्र ज्योति की नाईं उजला हो गया। और देखो, मूसा और एलिय्याह उसके साथ बातें करते हुए उन्हें दिखाई दिए। इस पर पतरस ने यीशु से कहा, हे प्रभु, हमारा यहां रहना अच्छा है; इच्छा हो तो यहां तीन मण्डप बनाऊं, एक तेरे लिये, एक मूसा के लिये और एक एलिय्याह के लिए। वह बोल ही रहा था, कि देखो, एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और देखो; उस बादल में से यह शब्द निकला, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं प्रसन्न हूं: इस की सुनो। चेले यह सुनकर मुंह के बल गिर गए और अत्यन्त डर गए। यीशु ने पास आकर उन्हें छूआ, और कहा, उठो, डरो मत। तब उन्हों ने अपनी आंखें उठाकर यीशु को छोड़ और किसी को न देखा।

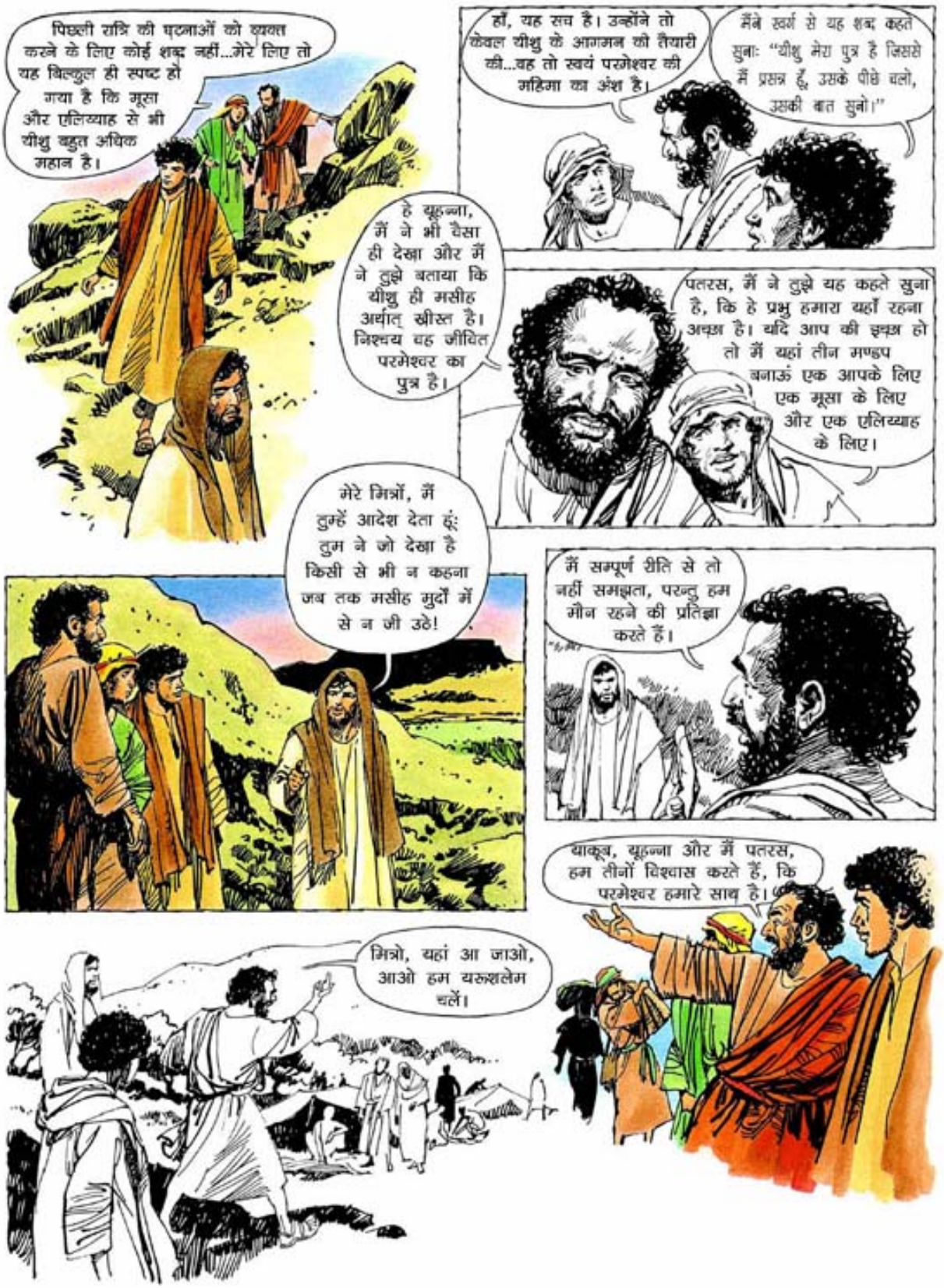
पिछली रात्रि की घटनाओं को व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं...मेरे लिए तो यह बिल्कुल ही स्पष्ट हो गया है कि मूसा और एलिय्याह से भी यीशु बहुत अधिक महान है।
हाँ, यह सच है। उन्होंने तो केवल यीशु के आगमन की तैयारी की...वह तो स्वयं परमेश्वर की महिमा का अंश है।
मैंने स्वर्ग से यह शब्द कहते सुना: "यीशु मेरा पुत्र है जिससे मैं प्रसन्न हूँ, उसके पीछे चलो, उसकी बात सुनो।"
हे यूहन्ना, मैं ने भी वैसा ही देखा और मैं ने तुझे बताया कि यीशु ही मसीह अर्थात् ख्रीस्त है। निश्चय वह जीवित परमेश्वर का पुत्र है।
पतरस, मैं ने तुझे यह कहते सुना है, कि हे प्रभु हमारा यहाँ रहना अच्छा है। यदि आप की इच्छा हो तो मैं यहां तीन मण्डप बनाऊं एक आपके लिए एक मूसा के लिए और एक एलिय्याह के लिए।
मेरे मित्रों, मैं तुम्हें आदेश देता हूं: तुम ने जो देखा है किसी से भी न कहना जब तक मसीह मुर्दों में से न जी उठे!
मैं सम्पूर्ण रीति से तो नहीं समझता, परन्तु हम मौन रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।
याकूब, यूहन्ना और मैं पतरस, हम तीनों विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर हमारे साथ है।
मित्रो, यहां आ जाओ, आओ हम यरुशलेम चलें।

फसह का पर्व मनाने के लिए यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया...अपने शिष्यों के साथ वे जैतून पहाड़ पर आते हैं।

यहाँ वे गलील से आये कुछ तीर्थ यात्रियों से मिलते हैं, वे भी यरूशलेम को जा रहे हैं...

मत्ती 21:1–17

जब वे यरूशलेम के निकट पहुंचे और जैतून पहाड़ पर बैतफगे के पास आए, तो यीशु ने दो चेलों को यह कहकर भेजा। कि अपने सामने के गांव में जाओ वहां पहुंचते ही एक गदही बन्धी हुई, और उसके साथ बच्चा तुम्हें मिलेगा, उन्हें खोलकर, मेरे पास ले आओ। यदि तुम से कोई कुछ कहे, तो कहो, कि प्रभु को इन का प्रयोजन है: तब वह तुरन्त उन्हें भेज देगा। यह इसलिये हुआ, कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो; कि सिय्योन की बेटी से कहो, देख, तेरा राजा तेरे पास आता है, वह नम्र है और गदहे पर बैठा है,

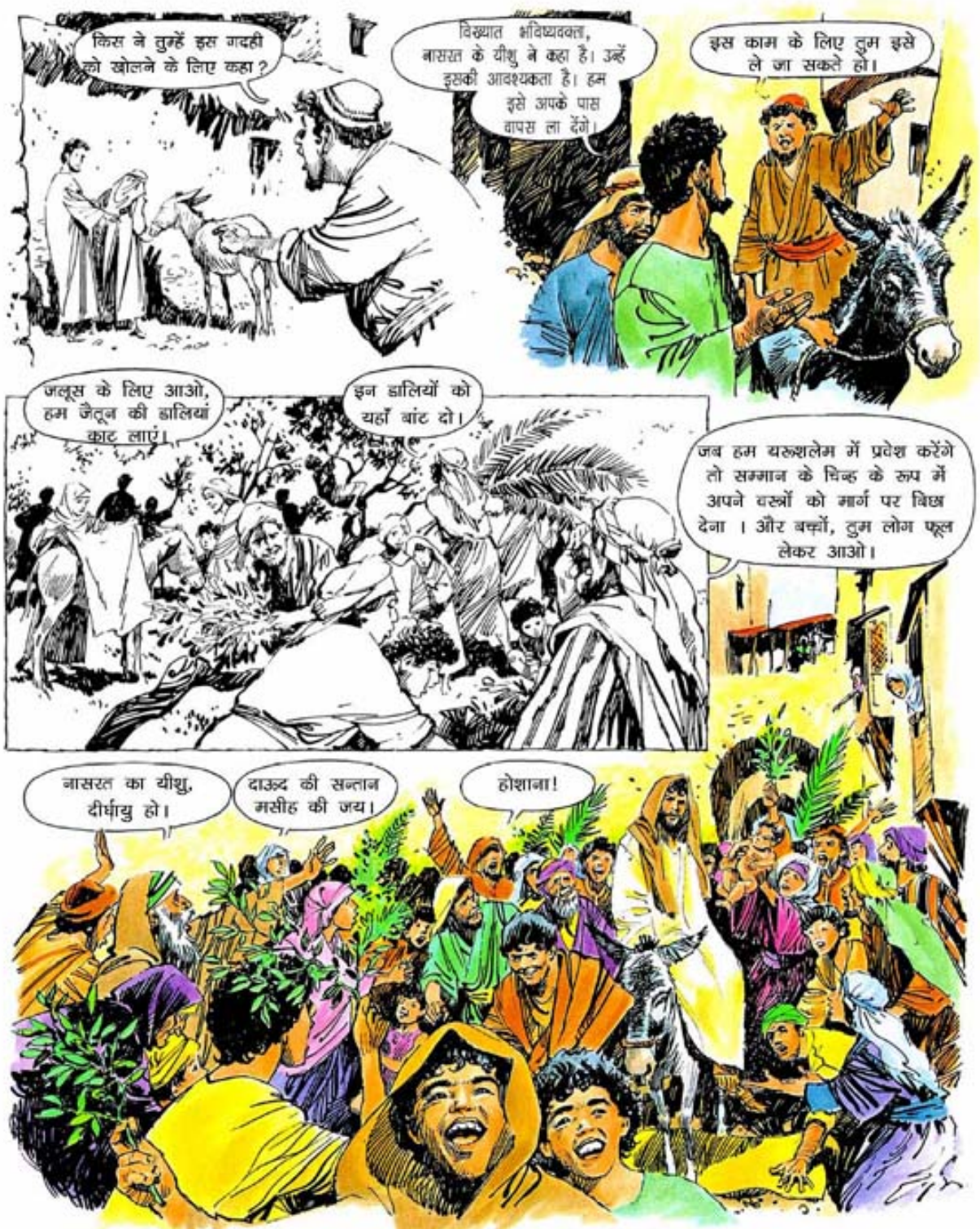

बरन लादू के बच्चे पर। चेलों ने जाकर, जैसा यीशु ने उन से कहा था, वैसा ही किया । और गदही और बच्चे को लाकर उन पर अपने कपड़े डाले, और वह उन पर बैठ गया। और बहुतेरे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए, और और लोगों ने पेड़ों से डालियां काटकर मार्ग में बिछाई। और जो भीड़ आगे आगे जाती और पीछे पीछे चली आती थी, पुकार पुकारकर कहती थी, कि दाऊद के सन्तान को होशाना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना। जब उस ने यरूशलेम में प्रवेश किया, तो सारे नगर में हलचल मच गई; और लोग कहने लगे, यह कौन है? लोगों ने कहा, यह गलील के नासरत का भविष्यद्वक्ता यीशु है। यीशु ने परमेश्वर के मन्दिर में जाकर उन सब को जो

मन्दिर के पास जलूस पहुंच गया...भिखारी, बीमार और विकलांग लोग यीशु के पीछे पीछे चल रहे थे...।

अब बच्चे यीशु की जय जयकार करने लगे।

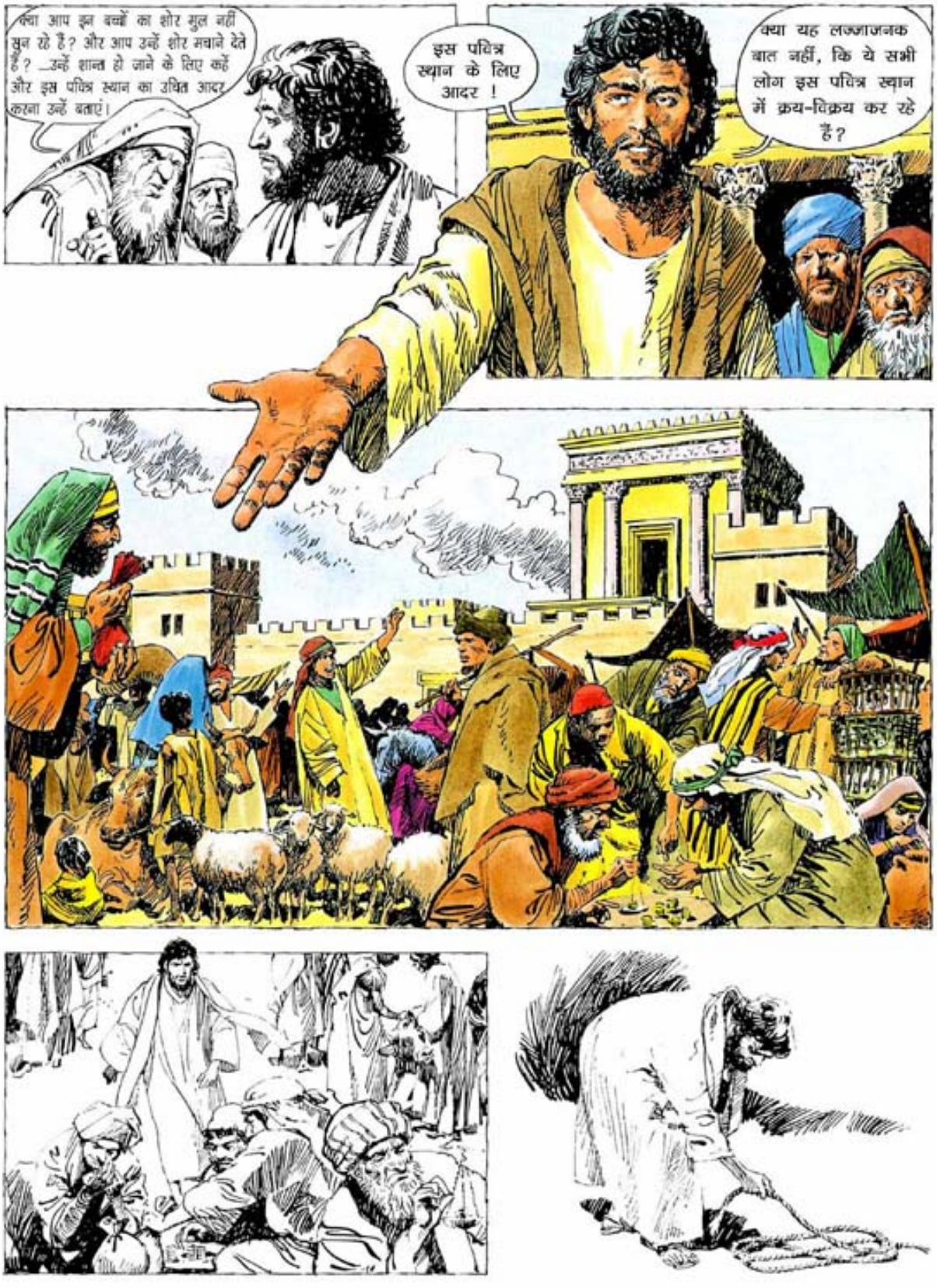
क्या आप इन बच्चों का शोर मूल नहीं सुन रहे हैं? और आप उन्हें शोर मचाने देते हैं? —उन्हें शान्त हो जाने के लिए कहें और इस पवित्र स्थान का उचित आदर करना उन्हें बताएं।
इस पवित्र स्थान के लिए आदर !
क्या यह लज्जाजनक बात नहीं, कि ये सभी लोग इस पवित्र स्थान में क्रय-विक्रय कर रहे हैं?

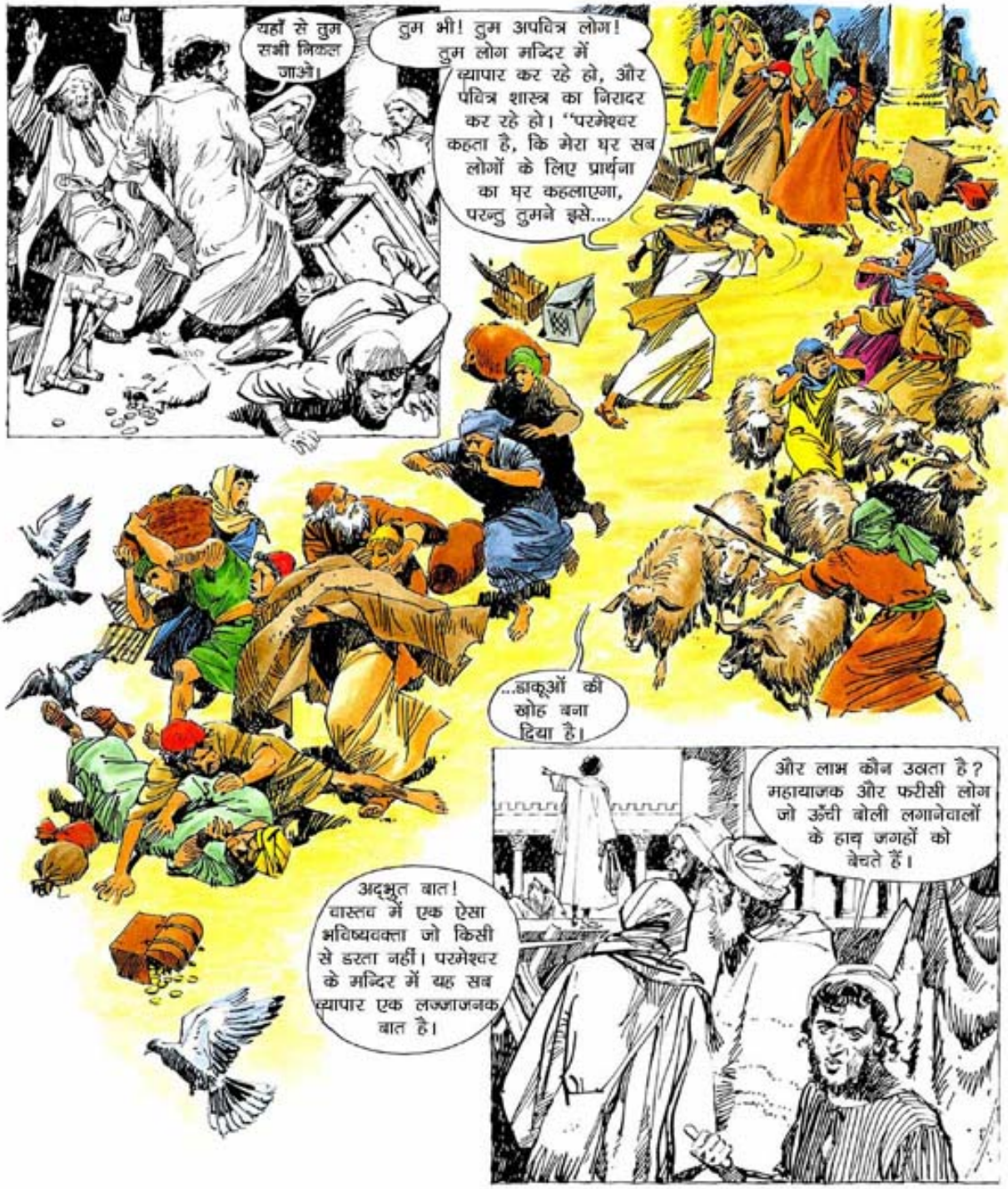

मन्दिर में लेन देन कर रहे थे, निकाल दिया; और सर्राफों के पीढ़े और कबूतरों के बेचनेवालों की चौकियां उलट दीं। और उन से कहा, लिखा है, कि मेरा घर प्रार्थना का, घर कहलाएगा, परन्तु तुम उसे डाकुओं की खोह बनाते हो। और अन्धे और लंगड़े, मन्दिर में उसके पास आए, और उस ने उन्हें चंगा किया। परन्तु जब महायाजकों और शास्त्रियों ने इन अद्भुत कामों को, जो उस ने किए और लड़कों को मन्दिर में दाऊद के सन्तान को होशाना पुकारते हुए देखा, तो क्रोधित होकर उस से कहने लगे, क्या तू सुनता है कि ये क्या कहते हैं? यीशु ने उन से कहा, हां क्या तुम ने यह कभी नहीं पढ़ा, कि बालकों और दूध पीते बच्चों के मुंह से तू ने स्तुति सिद्ध कराई? तब वह उन्हें छोड़कर नगर के बाहर बैतनिय्याह को गया, और वहां रात बिताई।

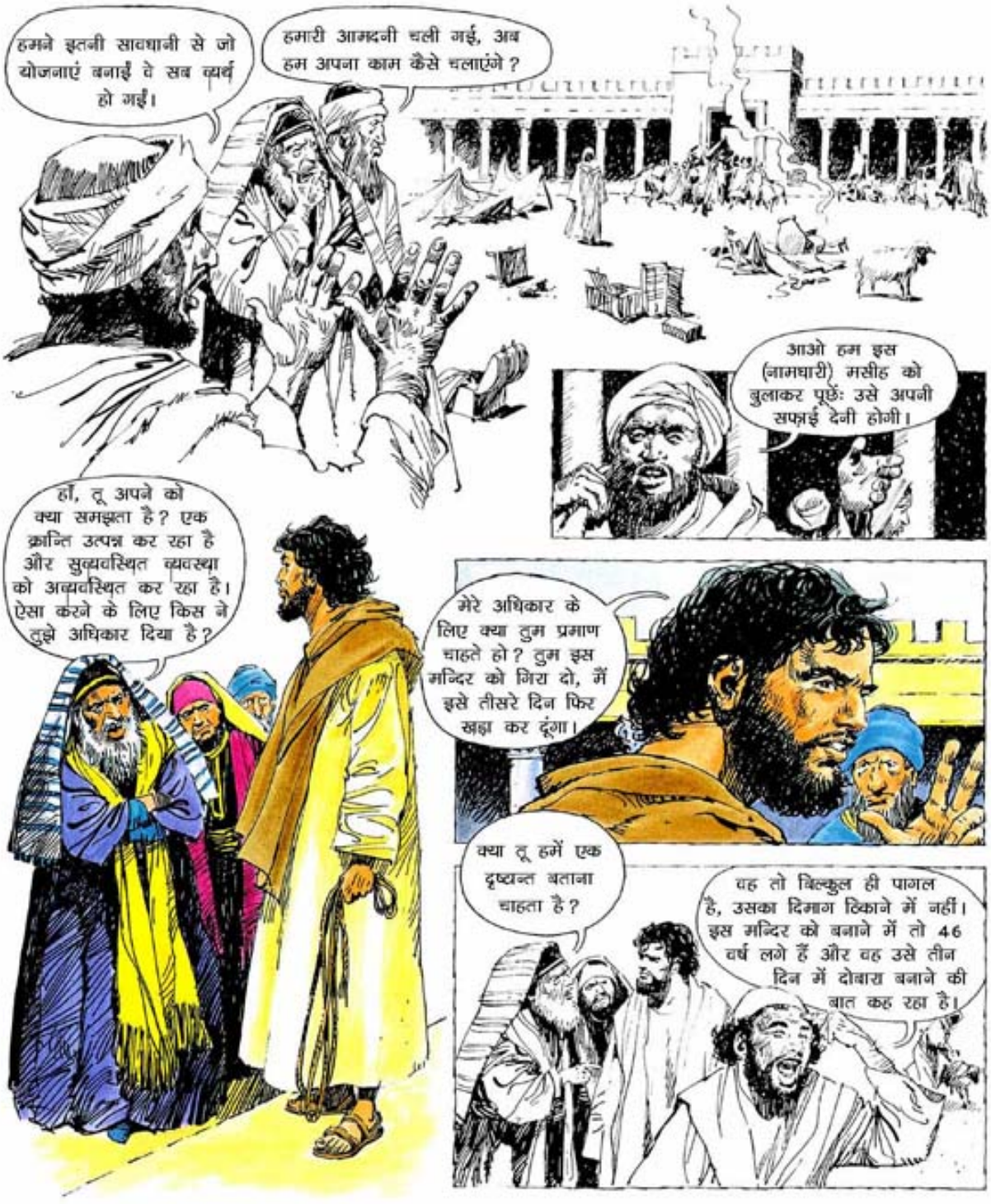

वास्तव में यह एक दृष्यन्त ही था। यीशु ने अपनी देह के विषय कहा, जो परमेश्वर का नया मन्दिर है। ...नाश किया जायेगा, मार दिया जायेगा, वह तीसरे दिन मुर्दों में से फिर जी उठेगा। यीशु के पुनरुत्थान के बाद चेलों ने इस बात को समझा।

इस घटना के बाद शीघ्र ही, फरीसी लोग जो यीशु के शत्रु थे काइफा महायाजक के नेतृत्व में इकट्ठा हुए।

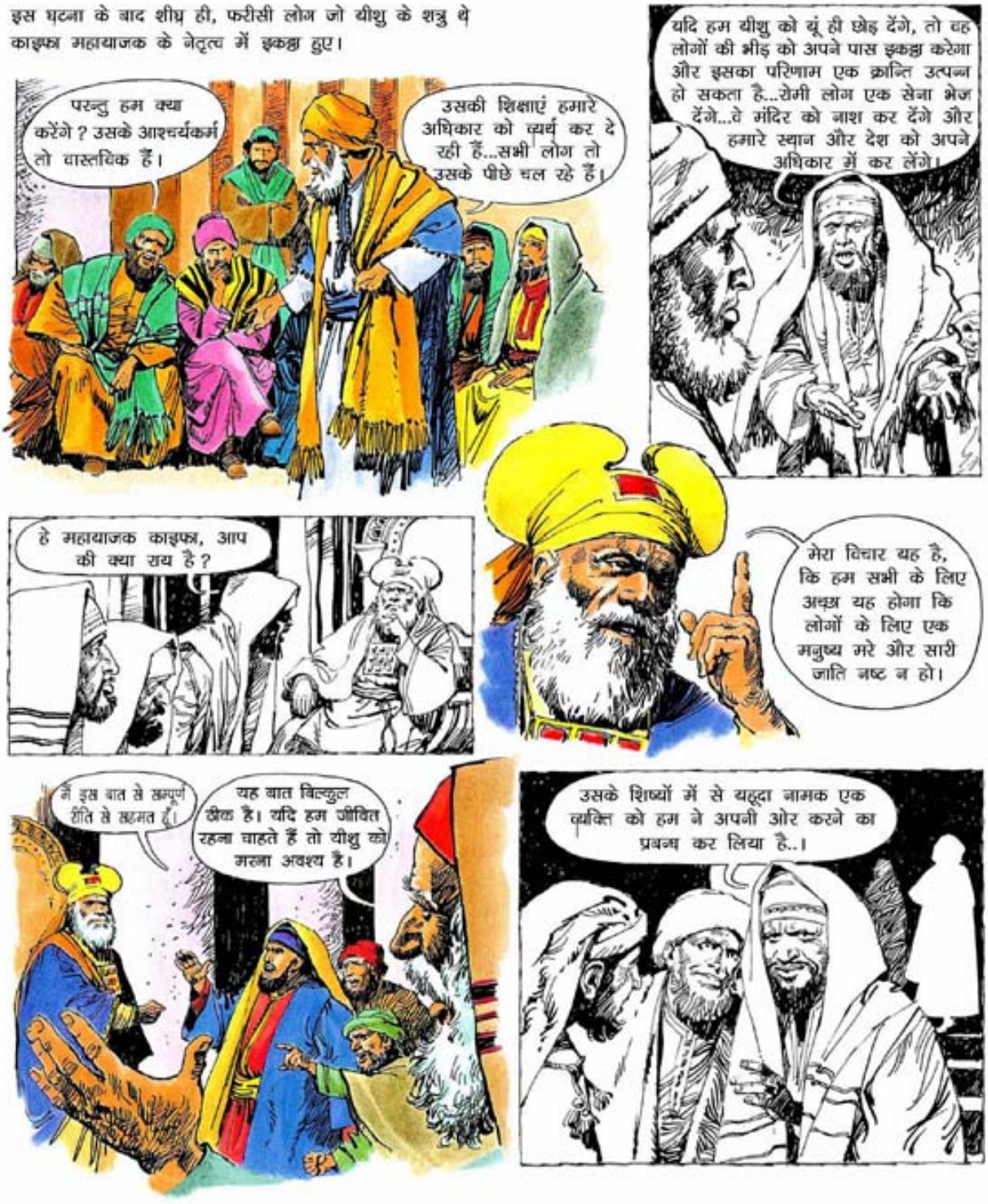

यूहन्ना 11:47-50

इस पर महायाजकों और फरीसियों ने मुख्य सभा के लोगों को इकट्ठा करके कहा, हम करते क्या हैं ? यह मनुष्य तो बहुत चिन्ह दिखाता है। यदि हम उसे योंही छोड़ दें तो सब उस पर विश्वास ले आएंगे और रोमी आकर हमारी जगह और जाति दोनों पर अधिकार कर लेंगे। तब उन में से कइफा नाम एक व्यक्ति ने जो उस वर्ष का महायाजक था, उन से कहा, तुम कुछ नहीं जानते। और न यह सोचते हो, कि तुम्हारे लिये यह भला है, कि हमारे लोगों के लिये एक मनुष्य मरे, और न यह, कि सारी जाति नाश हो।

मत्ती 26:3-5,14-16

तब महायाजक और प्रजा के पुरनिए काइफा नाम महायाजक के आंगन में इकट्ठे हुए। और आपस में विचार करने लगे कि यीशु को छल से पकड़कर मार डालें। परन्तु वे कहते थे, कि पर्व के समय नहीं, कहीं ऐसा न हो कि लोगों में बलवा मच जाए। तब यहूदा इस्करियोती नाम बारह चेलों में से एक ने महायाजकों के पास जाकर कहा, यदि मैं उसे तुम्हारे हाथ पकड़वा दूं तो मुझे क्या दोगे? उन्हों ने उसे तीस चान्दी के सिक्के तौलकर दे दिए। और वह उसी समय से उसे पकड़वाने का अवसर ढूंढने लगा।

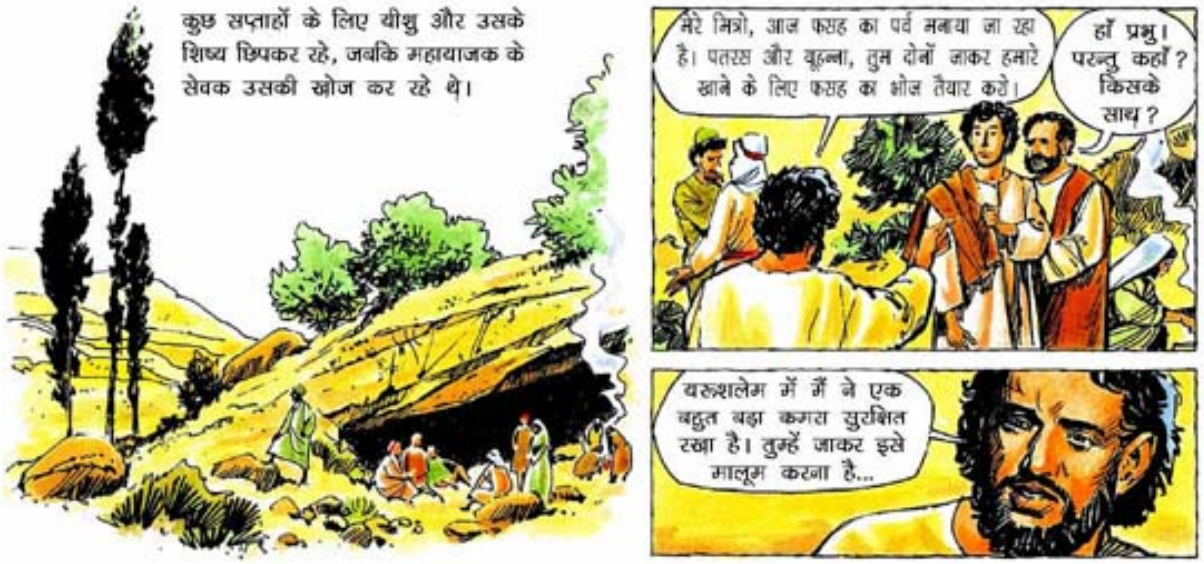

कुछ सप्ताहों के लिए यीशु और उसके शिष्य छिपकर रहे, जबकि महायाजक के सेवक उसकी खोज कर रहे थे।
मेरे मित्रो, आज फसह का पर्व मनाया जा रहा है। पतरस और यूहन्ना, तुम दोनों जाकर हमारे खाने के लिए फसह का भोज तैयार करो।
हाँ प्रभु। परन्तु कहाँ? किसके साथ?
यरुशलेम में मैं ने एक बहुत बड़ा कमरा सुरक्षित रखा है। तुम्हें जाकर इसे मालूम करना है...
जैसे ही तुम शहर में प्रवेश करोगे, एक मनुष्य जल का घड़ा उठाये हुये तुम्हें मिलेगा। जिस घर में वह जाए तुम उसके पीछे चले जाना वही वह स्थान होगा।
आहा। यीशु अब मुझ पर भरोसा नहीं रखता...परन्तु खजांची होने के नाते फसह का भोज तैयार करने का अधिकार मुझे है...तब मुझे उनके इकट्ठे होने के स्थान का पता लग जाएगा।
तब मैं अधिकारियों को सूचना दे सकता हूं, ताकि वे उसे गिरफ्तार कर लें।
कुछ घन्टों के बाद...
स्त्रियां जल का घड़ा लिए जा रही हैं, यह कोई विशेष बात नहीं।
परन्तु वहाँ मैं एक मनुष्य को देखता हूं, जो जल का घड़ा उठाये जा रहा है, जो अस्वाभाविक बात है। क्या यह वही मनुष्य हो सकता है ?
निश्चय यह वही है। आओ हम उसका पीछा करें।

लूका 22:7-12

तब अखमीरी रोटी के पर्व का दिन आया, जिस में फसह का मेम्ना बली करना अवश्य था। और यीशु ने पतरस और यूहन्ना को यह कहकर भेजा, कि जाकर हमारे खाने के लिये फसह तैयार करो। उन्हों ने उस से पूछा, तू कहां चाहता है, कि हम तैयार करें? उस ने उन से कहा; देखो, नगर में प्रवेश करते ही एक मनुष्य जल का घड़ा उठाए हुए तुम्हें मिलेगा, जिस घर में वह जाए, तुम उसके पीछे चले जाना। और उस घर के स्वामी से कहो, कि गुरू तुझ से कहता है, कि वह पाहुनशाला कहां है जिस में मैं अपने चेलों के साथ फसह खाऊं? वह तुम्हें एक सजी सजाई बड़ी अटारी दिखा देगा, वहां तैयारी करना।

वे मेज़ पर टिके हुए थे, परन्तु एक विवाद खड़ा हो जाता है...

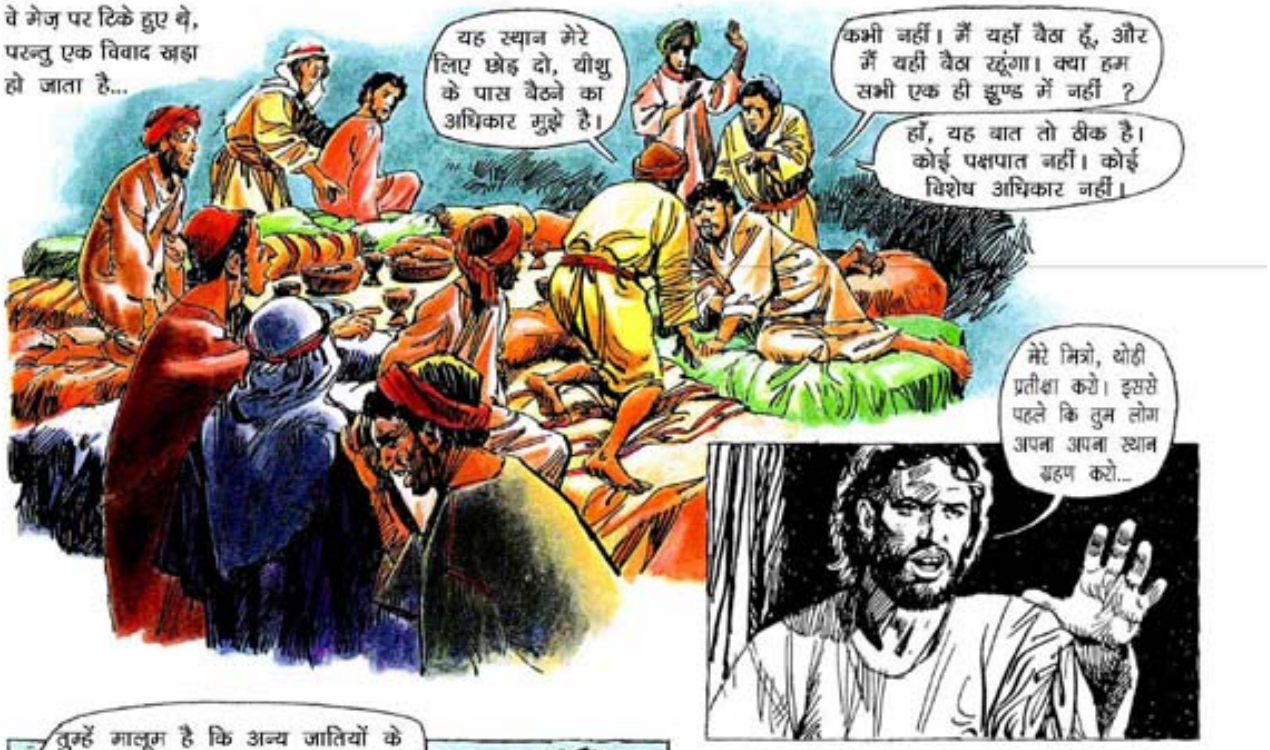

उसके बाद

जब यीशु उनके पांव धो चुके तो उन्होंने कहा...

यीशु द्वारा कहे गये इन शब्दों का तात्पर्य यहूदा इस्करियोती के विषय में था....

यूहन्ना 13:2-11, 21-30

और जब शैतान शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती के मन में यह बात डाल चुका था, कि उसे पकड़वाए, तो भोजन के समय। यीशु ने यह जानकर कि पिता ने सब कुछ मेरे हाथ में कर दिया है और मैं परमेश्वर के पास से आया हूँ, और परमेश्वर के पास जाता हूँ। भोजन पर से उठकर अपने कपड़े उतार दिए, और अंगोछा लेकर अपनी कमर बान्धी। तब बरतन में पानी भरकर चेलों के पांव धोने और जिस अंगोछे से उस की कमर बन्धी थी उसी से पोंछने लगा। जब वह शमौन पतरस के पास आया: तब उस ने उस से कहा, हे प्रभु, क्या तू मेरे पांव धोता है? यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि जो मैं करता हूँ, तू अब नहीं जानता परन्तु इस के बाद समझेगा। पतरस ने उस से कहा, तू मेरे पांव कभी न धोने पाएगा: यह सुनकर यीशु ने उस से कहा, यदि मैं तुझे न धोऊं, तो मेरे साथ तेरा कुछ भी साझा नहीं। शमौन पतरस ने उस से कहा, हे प्रभु, तो मेरे पांव ही नहीं, बरन हाथ और सिर भी धो दे। यीशु ने उस से कहा, जो नहा

महान निर्गमन से पूर्व उनके पूर्वजों ने मिस्र में जिस उत्पीड़न का सामना किया उसे स्मरण करने के लिए भोजन के आरम्भ में यीशु और उनके शिष्यों ने कड़ुआ साग पात खाया।

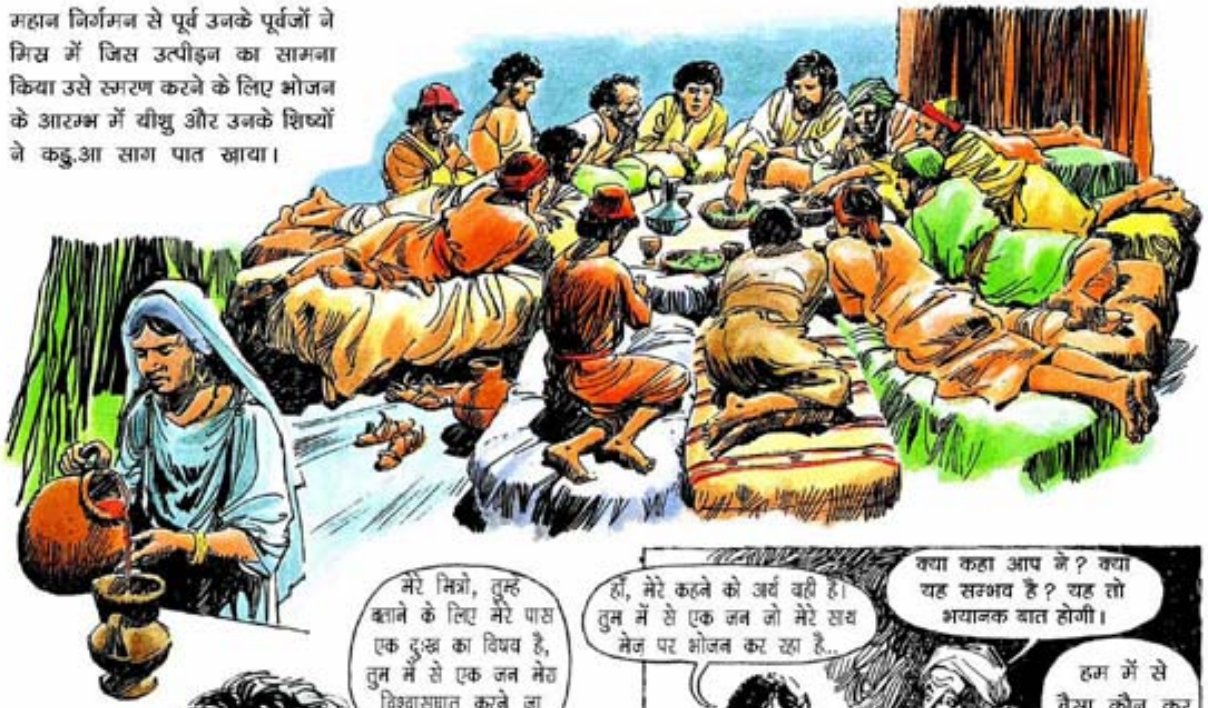

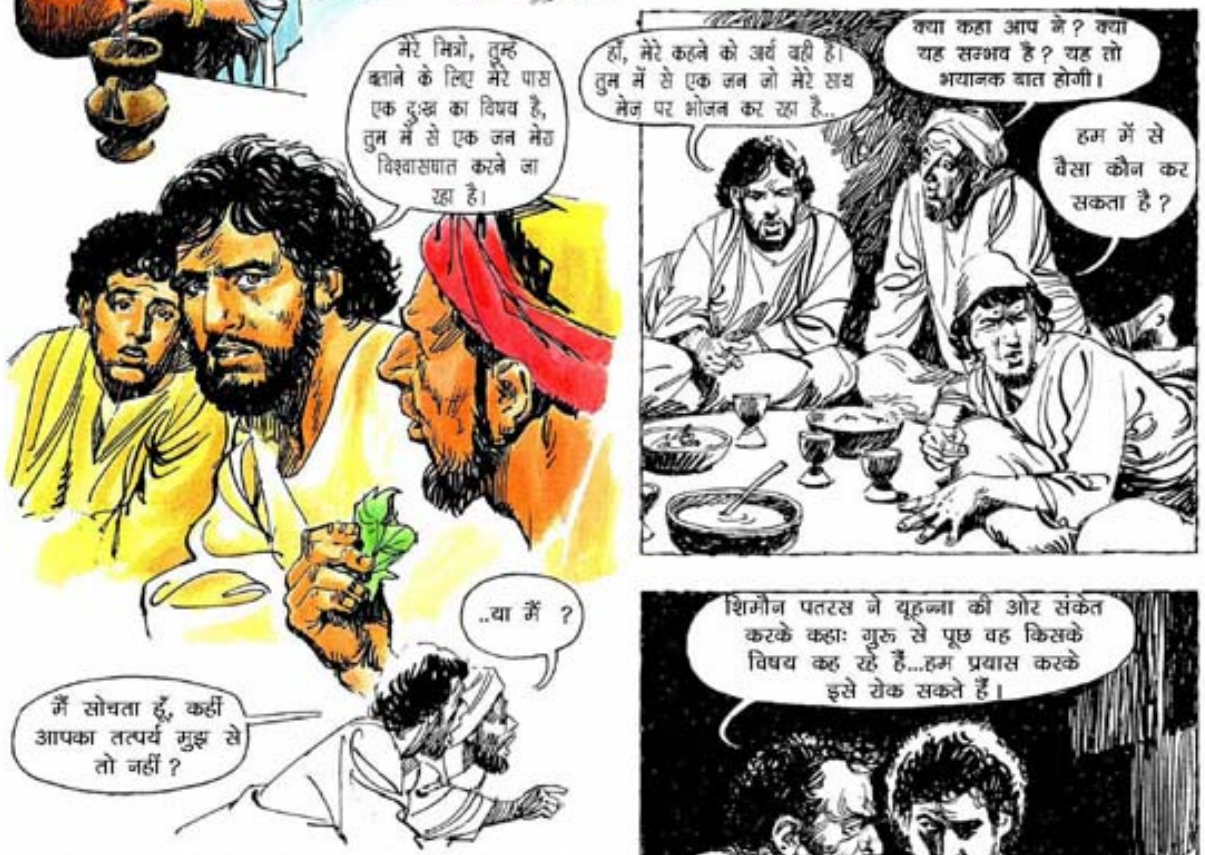

चुका है उसे पांव के सिवा और कुछ धोने का प्रयोजन नहीं, परन्तु वह बिलकुल शुद्ध है, और तुम शुद्ध हो; परन्तु सब के सब नहीं। वह तो अपने पकड़वानेवाले को जानता था इसी लिये उस ने कहा, तुम सब के सब शुद्ध नहीं।

ये बातें कहकर यीशु आत्मा में व्याकुल हुआ और यह गवाही दी, कि मैं तुम से सच सच कहता हूँ, कि तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा। चेले यह संदेह करते हुए कि वह किस के विषय में कहता है, एक दूसरे की ओर देखने लगे। उसके चेलों में से एक जिस से यीशु प्रेम रखता था, यीशु की छाती की ओर झुका

हुआ बैठा था। तब शमौन पतरस ने उस की ओर सैन करके पूछा, कि बता तो, वह किस के विषय में कहता है? तब उस ने उसी तरह यीशु की छाती की ओर झुक कर पूछा, हे प्रभु, वह कौन है? यीशु ने उत्तर दिया, जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूंगा, वही है। और उस ने टुकड़ा डुबोकर शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती को दिया। और टुकड़ा लेते ही शैतान उस में समा गया: तब यीशु ने उस से कहा, जो तू करता है, तुरन्त कर। परन्तु बैठनेवालों में से किसी ने न जाना कि उस ने यह बात उस से किस लिए कही। यहूदा के पास थैली रहती थी, इसलिए किसी किसी ने समझा, कि यीशु उस से कहता है, कि जो कुछ हमें पर्व के लिए चाहिए वह मोल ले, या यह कि कंगालों को कुछ दे। तब वह टुकड़ा लेकर तुरन्त बाहर चला गया, और रात्रि का समय था।

यहूदा के चले जाने के बाद यीशु ने भोजन आरम्भ करने के लिए संकेत दिया। वह आशिष मांगते हैं....

हे हमारे परमेश्वर, इस भोजन को प्रदान करने के लिए आपकी प्रशंसा हो।

वह रोटी तोड़ कर शिष्यों को देते हैं...

...परन्तु यह कहते हैं....

...लो और इसे खाओ, यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए तोड़ी गई है।

लूका 22:19–20

फिर उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। इसी रीति से उस ने बियारी के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिया, कि यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है।

रोटी खाने के बाद, यीशु प्याला लेकर धन्यवाद देते हैं...

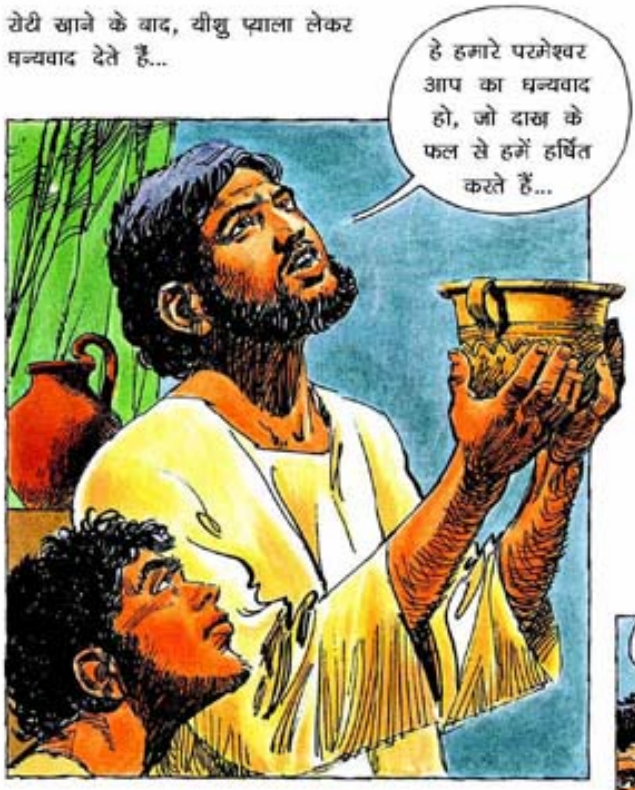

...परन्तु वह आगे कहते हैं...

तब यीशु और उनके शिष्यों ने भोजन समाप्त किया और फ़सह के पर्व के गीतों को गाया।

उसके बाद वे यरूशलेम से चल दिये....

यीशु और उसके शिष्य किद्रोन की घाटी में गये...

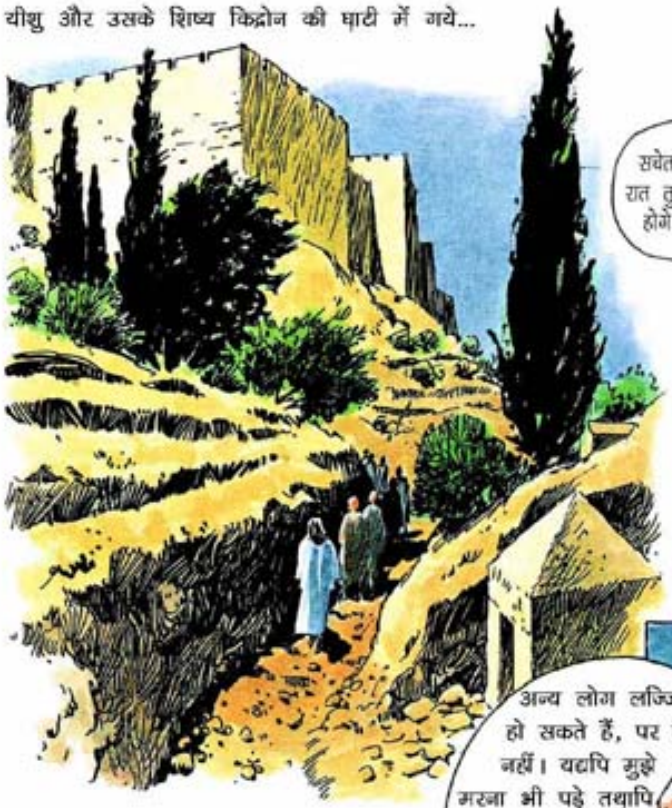

किद्रोन की नदी को पार करने के बाद वे जैतून पहाड़ पर चढ़ने लगे।

वे गतसमने नामक एक बाग में गए...

मरकुस 14:26-72

फिर वे भजन गाकर बाहर जैतून के पहाड़ पर गए। तब यीशु ने उन से कहा; तुम सब ठोकर खाओगे, क्योंकि लिखा है, कि मैं रखवाले को मारूंगा, और भेड़ तितर-बितर हो जाएंगी। परन्तु मैं अपने जी उठने के बाद तुम से पहिले गलील को जाऊंगा। पतरस ने उस से कहा, यदि सब ठोकर खाएं तो खाएं, पर मैं ठोकर नहीं खाऊंगा। यीशु ने उस से कहा, मैं तुझ से सच कहता हूं, कि आज ही इसी रात को मुर्गे के दो बार बांग देने से पहिले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा। पर उस ने और भी जोर देकर कहा, यदि मुझे तेरे साथ मरना भी पड़े तौभी तेरा इन्कार कभी न करूंगा: इसी प्रकार और सब ने भी कहा। फिर वे गतसमने नाम एक जगह में आए, और उस ने अपने चेलों से कहा, यहां बैठे रहो, जब तक मैं प्रार्थना करूं। और वह पतरस और

यीशु अपने साथ तीन शिष्यों को ले गये...

सान्त्वना पाने के लिए यीशु अपने शिष्यों के पास वापस आते हैं, परन्तु...

याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया: और बहुत ही अधीर, और व्याकुल होने लगा। और उन से कहा; मेरा मन बहुत उदास है, यहां तक कि मैं मरने पर हूँ: तुम यहां ठहरो, और जागते रहो। और वह थोड़ा आगे बढ़ा, और भूमि पर गिरकर प्रार्थना करने लगा, कि यदि हो सके तो यह घड़ी मुझ पर से टल जाए। और कहा, हे अब्बा, हे पिता, तुझ से सब कुछ हो सकता है; इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले: तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, पर जो तू चाहता है वही हो। फिर वह आया, और उन्हें, सोते पाकर पतरस से कहा; हे शमौन तू सो रहा है? क्या तू एक घड़ी भी न जाग सका? जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो: आत्मा तो तैयार है, पर शरीर दुर्बल है। और वह फिर चला गया, और वही बात कहकर प्रार्थना की। और फिर आकर उन्हें सोते पाया, क्योंकि

अब विशेष बात यह है कि जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो...

...तुम को मालूम हो, कि आत्मा तो तैयार है पर शरीर दुर्बल है।

इसी बीच....बाग में प्रवेश करने के द्वार पर...

...हे बहूदा, वृक्षों के नीचे तो बहुत ही अन्धकार है। वह यीशु देखने में कैसा है? हम किसे गिरफ्तार करेंगे?

जिस मनुष्य का मैं चुम्बन करूं वही तुम्हारा अपराधी होगा।

मेरी घड़ी आ पहुँची है। देखो, मैं पापियों के हाथ पकड़वाया जा रहा हूँ। आओ हम चलें । मेरा विश्वासघाती आ रहा है।

हे प्रभु, नमस्कार!

उन की आंखें नींद से भरी थीं, और नहीं जानते थे कि उसे क्या उत्तर दें। फिर तीसरी बार आकर उन से कहा, अब सोते रहो और विश्राम करो, बस, घड़ी आ पहुँची, देखो मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। उठो, चलें: देखो, मेरा पकड़वानेवाला निकट आ पहुंचा है। वह यह कह ही रहा था, कि यहूदा जो बारहों में से था, अपने साथ महायाजकों और शास्त्रियों और पुरनियों की ओर से एक बड़ी भीड़ तलवारें और लाठियां लिए हुए तुरन्त आ पहुंची। और उसके पकड़वानेवाले ने उन्हें यह पता दिया था, कि जिस को मैं चूमूं वही है, उसे पकड़कर यतन से ले जाना। और वह आया, और तुरन्त उसके पास जाकर कहा; हे रब्बी और उस को बहुत चूमा। तब उन्होंने उस पर हाथ डालकर उसे पकड़ लिया। उन में से जो पास खड़े थे, एक ने तलवार खींच कर महायाजक के दास पर चलाई,

प्रथम आकस्मिक आक्रमण के बाद, ही यीशु के शिष्य होश में आ गए...

यीशु ने स्वयं को उन्हें पकड़ने दे दिया... यह देखकर सभी शिष्य यीशु को छोड़कर भाग गये।

और उसका कान उड़ा दिया। यीशु ने उन से कहा, क्या तुम डाकू जानकर मेरे पकड़ने के लिये तलवारें और लाठियां लेकर निकले हो? मैं तो हर दिन मन्दिर में तुम्हारे साथ रहकर उपदेश दिया करता था, और तब तुम ने मुझे न पकड़ा: परन्तु यह इसलिए हुआ है कि पवित्र शास्त्र की बातें पूरी हों। इस पर सब चेले उसे छोड़कर भाग गए। और एक जवान अपनी नंगी देह पर चादर ओढ़े हुए उसके पीछे हो लिया; और लोगों ने उसे पकड़ा। पर वह चादर छोड़कर नंगा भाग गया। फिर वे यीशु को महायाजक के पास ले गए,

और सब महायाजक और पुरनिए और शास्त्री उसके यहां इकट्ठे हो गए। पतरस दूर ही दूर से उसके पीछे पीछे

सैनिकों का दल यीशु को जैतून पहाड़ पर से यरूशलेम ले गया...

महायाजक के आंगन के भीतर तक गया, और प्यादों के साथ बैठ कर आग तापने लगा। महायाजक और सारी महासभा यीशु के मार डालने के लिये उसके विरोध में गवाही की खोज में थे, पर न मिली। क्योंकि बहुतेरे उसके विरोध में झूठी गवाही दे रहे थे, पर उन की गवाही एक सी

उस जवागत पर मेरा भरोसा नहीं...
...वह भी यीशु के साथ था...?
तुम किसके विषय कह रही हो? क्या यीशु नासरी के विषय? मैं उसे नहीं जानता।
मैं तो यहाँ से होकर जा रहा था.. आज रात अधिक ठंड होने के कारण मैं आग तापने आ गया।
क्या सचमुच? पर तेरी बात संदेहजनक लगती है। तू उसके शिष्यों में से एक है।
मेरी बात सुनो! मैं तुम से कह रहा हूँ...
...कि मैं इस मनुष्य को नहीं जानता!
इसी बीच, सरकारी निवास स्थान पर...

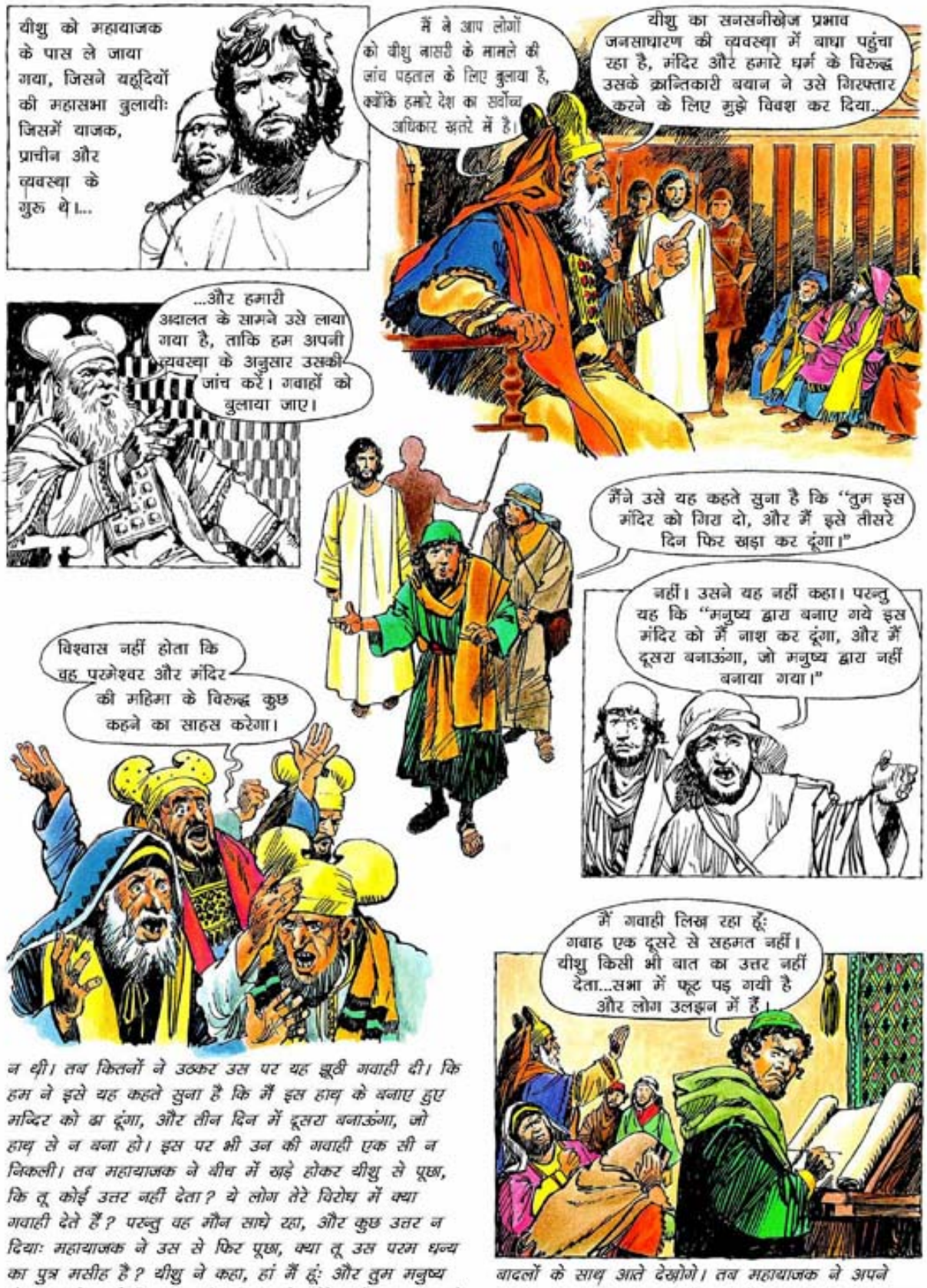

न थी। तब कितनों ने उठकर उस पर यह झूठी गवाही दी। कि हम ने इसे यह कहते सुना है कि मैं इस हाथ के बनाए हुए मन्दिर को ढा दूंगा, और तीन दिन में दूसरा बनाऊंगा, जो हाथ से न बना हो। इस पर भी उन की गवाही एक सी न निकली। तब महायाजक ने बीच में खड़े होकर यीशु से पूछा, कि तू कोई उत्तर नहीं देता? ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं? परन्तु वह मौन साधे रहा, और कुछ उत्तर न दियाः महायाजक ने उस से फिर पूछा, क्या तू उस परम धन्य का पुत्र मसीह है? यीशु ने कहा, हां मैं हूं: और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दहिनी ओर बैठे, और आकाश के बादलों के साथ आते देखोगे। तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा; अब हमें गवाहों का और क्या प्रयोजन

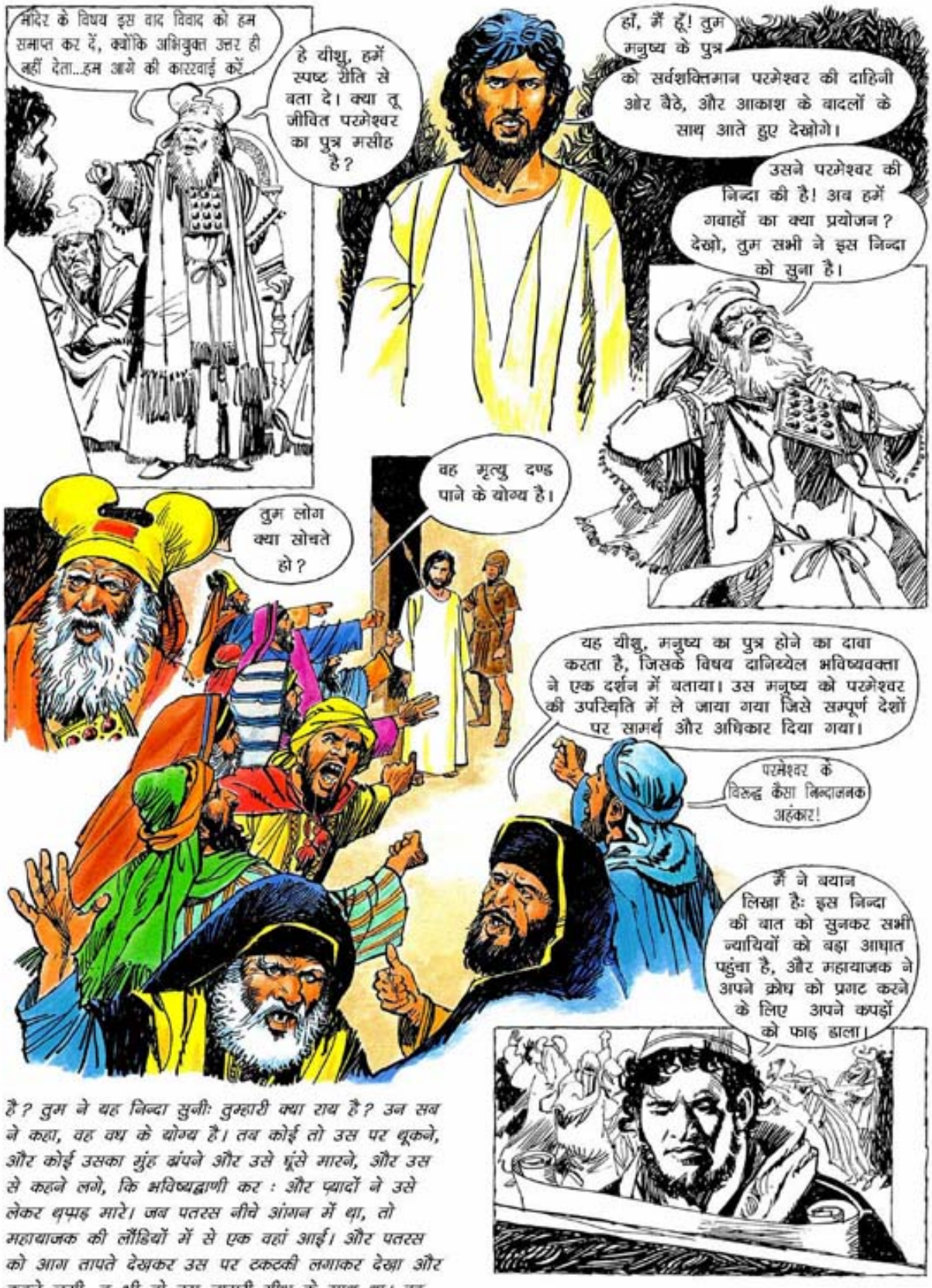

है? तुम ने यह निन्दा सुनी: तुम्हारी क्या राय है? उन सब ने कहा, वह वध के योग्य है। तब कोई तो उस पर थूकने, और कोई उसका मुंह ढांपने और उसे घूंसे मारने, और उस से कहने लगे, कि भविष्यद्वाणी कर : और प्यादों ने उसे लेकर थप्पड़ मारे। जब पतरस नीचे आंगन में था, तो महायाजक की लौंडियों में से एक वहां आई। और पतरस को आग तापते देखकर उस पर टकटकी लगाकर देखा और कहने लगी, तू भी तो उस नासरी यीशु के साथ था। वह

कूक - कू - कूं...

इसी बीच, आंगन में आग की चारो ओर....

कूक - कू - कूं...

कूक - कू - कूं...

मुकर गया, और कहा, कि मैं तो नहीं जानता और नहीं समझता कि तू क्या कह रही हैः फिर वह बाहर डेवढ़ी में गया, और मुर्गे ने बांग दी। वह लौंडी उसे देखकर उन से जो पास खड़े थे, फिर कहने लगी, यह उन में से एक है। परन्तु वह फिर मुकर गया और थोड़ी देर बाद उन्होंने जो पास खड़े थे फिर पतरस से कहा; निश्चय तू उन में से एक है; क्योंकि तू गलीली भी है। तब वह धिक्कार देने और शपथ खाने लगा, कि मैं उस मनुष्य को, जिस की तुम चर्चा करते हो, नहीं जानता। तब तुरन्त दूसरी बार मुर्गे ने बांग दीः पतरस को वह बात जो यीशु ने उस से कही थी स्मरण आई, कि मुर्गे के दो बार बांग देने से पहिले तू तीन बार मेरा इन्कार करेगाः वह इस बात को सोचकर रोने लगा।

यहूदा ने सुना कि यहूदियों की महासभा ने यीशु को अपराधी ठहरा दिया है।

वह पश्चात्ताप से भर गया और दौड़कर महासभा के पास गया कि चाँदी के उन तीस सिक्कों को लौटा दे...

मुझ पर हाय! मैं ने पाप किया! मैं ने निर्दोष के लोहू के साथ विश्वासघात किया है।

मैं तुम्हारा पैसा नहीं चाहता।

मैं ने एक निर्दोष मनुष्य के साथ विश्वासघात किया है।

वह तुम्हारा मामला है, हमारा नहीं।

घोर निराश होकर यहूदा चला जाता है और स्वयं को फाँसी लगा लेता है।

अगले दिन, सुबह के समय, यीशु को पिलातुस के पास ले जाया गया...

मत्ती 27:3–5

जब उसके पकड़वानेवाले यहूदा ने देखा कि वह दोषी ठहराया गया है तो वह पछताया और वे तीस चांदी के सिक्के महायाजकों और पुरनियों के पास फेर लाया। और कहा, मैं ने निर्दोष को घात के लिये पकड़वाकर पाप किया है। उन्होंने कहा, हमें क्या? तू ही जान। तब वह उन सिक्कों को मन्दिर में फेंककर चला गया, और जाकर अपने आप को फांसी दी।

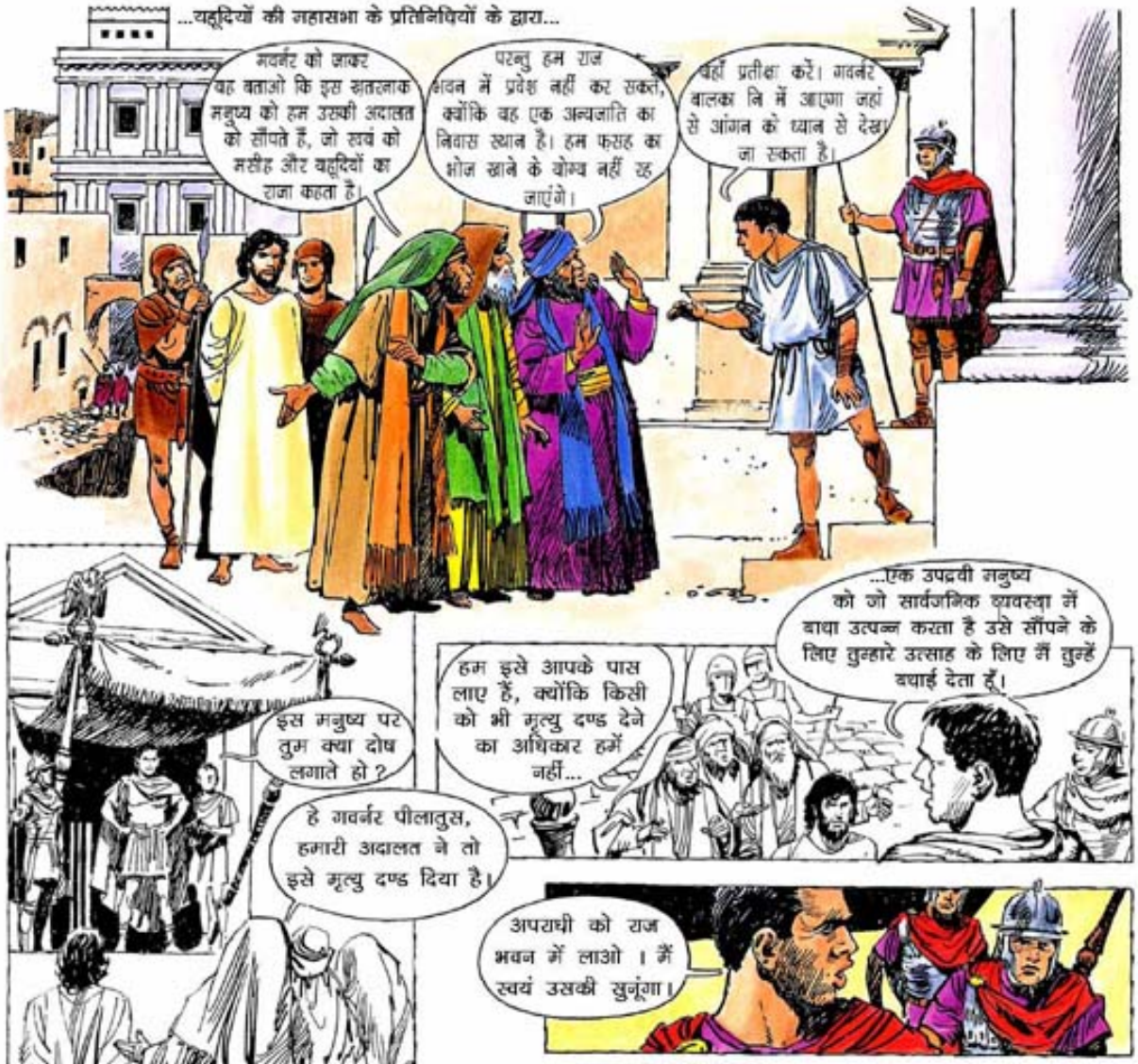

यूहन्ना 18:28–19:16

और वे यीशु को काइफा के पास से किले को ले गए और भोर का समय था, परन्तु वे आप किले के भीतर न गए ताकि अशुद्ध न हों परन्तु फसह खा सकें। तब पीलातुस उनके पास बाहर निकल आया और कहा, तुम इस मनुष्य पर किस बात की नालिश करते हो? उन्होंने उसको उत्तर दिया, कि यदि वह कुकर्मी न होता तो हम उसे तेरे हाथ न सौंपते। पीलातुस ने उन से कहा, तुम ही इसे ले जाकर अपनी व्यवस्था के अनुसार उसका न्याय करो: यहूदियों ने उस से कहा, हमें अधिकार नहीं कि किसी का प्राण लें। यह इसलिए हुआ, कि यीशु की वह बात पूरी हो जो उस ने यह पता देते हुए कही थी, कि उसका मरना कैसा होगा। तब पीलातुस फिर किले के भीतर गया और यीशु को बुलाकर, उस से पूछा, क्या तू यहूदियों को राजा है? यीशु ने उत्तर दिया, क्या तू यह बात अपनी ओर से कहता है या औरों ने मेरे विषय में तुझ से कही? पीलातुस ने उत्तर दिया, क्या मैं यहूदी हूं? तेरी ही जाति और महायाजकों ने तुझे मेरे हाथ सौंपा, तूने क्या किया है? यीशु ने उत्तर दिया कि मेरा राज्य इस जगत का

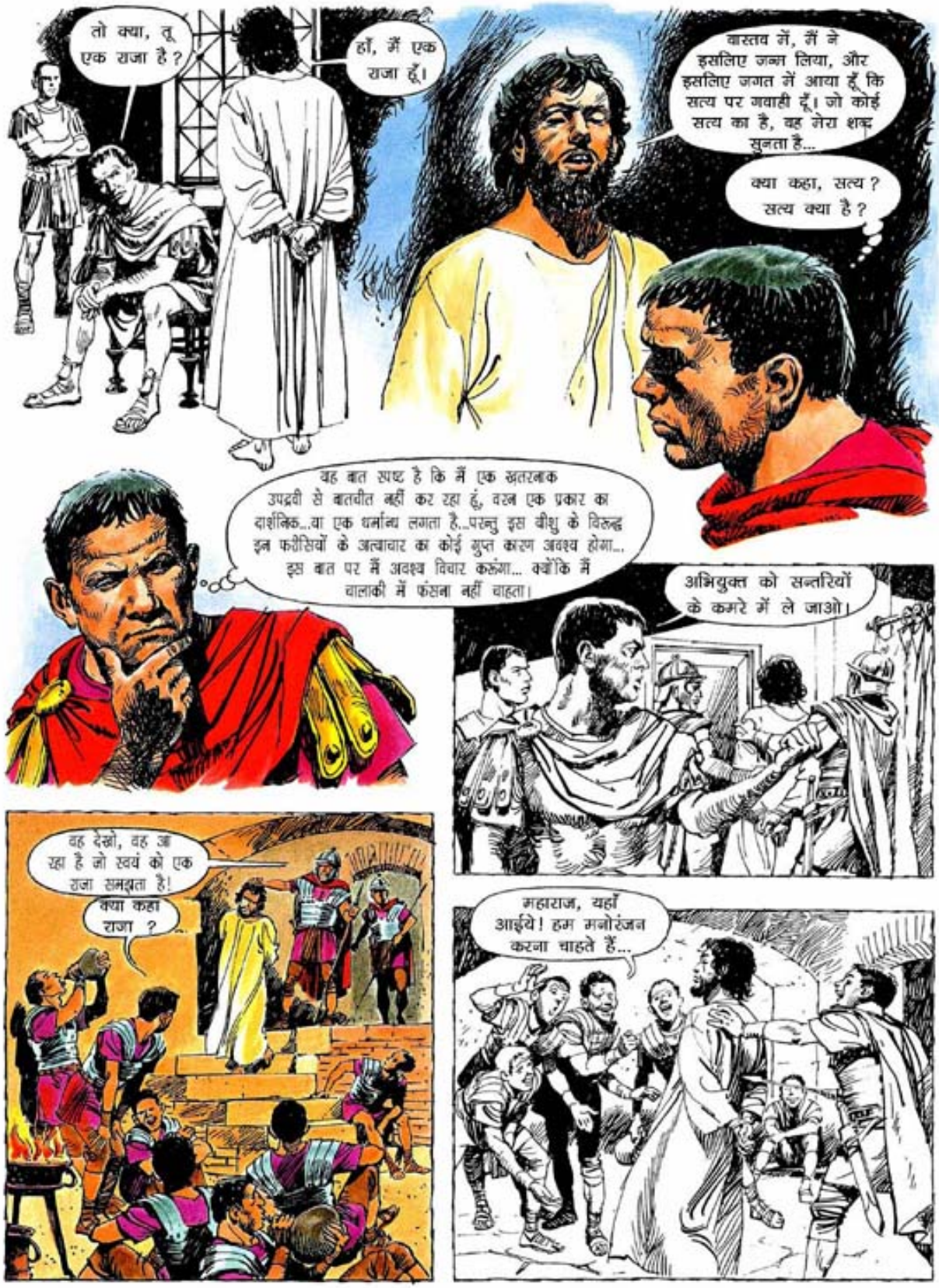
तो क्या, तू एक राजा है?
हाँ, मैं एक राजा हूँ।
वास्तव में, मैं ने इसलिए जन्म लिया, और इसलिए जगत में आया हूँ कि सत्य पर गवाही दूँ। जो कोई सत्य का है, वह मेरा शब्द सुनता है...
क्या कहा, सत्य? सत्य क्या है?
यह बात स्पष्ट है कि मैं एक खतरनाक उपद्रवी से बातचीत नहीं कर रहा हूं, वरन एक प्रकार का दार्शनिक...या एक धर्मान्ध लगता है...परन्तु इस यीशु के विरुद्ध इन फरीसियों के अत्याचार का कोई गुप्त कारण अवश्य होगा... इस बात पर मैं अवश्य विचार करूंगा... क्योंकि मैं बालाकी में फंसना नहीं चाहता।
अभियुक्त को सन्तरियों के कमरे में ले जाओ।
वह देखो, वह जा रहा है जो स्वयं को एक राजा समझता है!
क्या कहा राजा?
महाराज, यहाँ आईये! हम मनोरंजन करना चाहते हैं...

नहीं, यदि मेरा राज्य इस जगत का होता, तो मेरे सेवक लड़ते कि मैं यहूदियों के हाथ सौंपा न जाताः परन्तु अब मेरा राज्य यहां का नहीं। पीलातुस ने उस से कहा, तो क्या तू राजा है? यीशु ने उत्तर दिया, कि तू कहता है, क्योंकि मैं राजा हूं; मैं ने इसलिए जन्म लिया, और इसलिए जगत में आया हूं कि सत्य पर गवाही दूं जो कोई सत्य का है, वह मेरा शब्द सुनता है। पीलातुस ने उस से कहा, सत्य क्या है? और यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास निकल गया और उन से कहा, मैं तो उस में कुछ दोष नहीं पाता। पर तुम्हारी यह रीति है कि मैं फसह में तुम्हारे लिए एक व्यक्ति को छोड़ दूं सो क्या तुम चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को छोड़ दूं? तब उन्हों ने फिर चिल्लाकर कहा, इसे नहीं परन्तु हमारे लिये बरअब्बा को छोड़ दे, और बरअब्बा डाकू था।

इस पर पीलातुस ने यीशु को लेकर कोड़े लगवाए। और सिपाहियों ने कांटों का मुकुट गूंथकर उसके सिर पर रखा, और उसे बैंजनी वस्त्र पहिनाया। और उसके पास आ आकर कहने लगे, हे यहूदियों के राजा, प्रणाम! और उसे थप्पड़ भी मारे। तब पीलातुस ने फिर बाहर निकलकर लोगों से कहा, देखो, मैं उसे तुम्हारे पास फिर बाहर लाता हूं; ताकि तुम

कल बड़ा सब्त का दिन (फ़सह का पर्व) होगा, जो यहूदियों का अत्यन्त पवित्र राष्ट्रीय पर्व है...
...और अब आँगन लोगों से भर रहा है, जो आपसे मिलना चाहते हैं...
...और वे आपसे आशा करते हैं, कि उनकी इच्छा के अनुसार एक कैदी को छोड़ दिया जाए।
मैं जानता हूं, कि मेरे पास एक उपाय है।
हम सभी सहमत हैं और चाहते हैं कि बरअब्बा को छोड़ दिया दिया जाए।
आप सभी सहमते हैं, कि बरअब्बा को छोड़ा जाए।
एक वास्तविक विद्रोही और जो रोमी लोगों का तख्ता पलटने के लिए आतंकवादी चाल का प्रयोग करने से नहीं डरता।
हम, यहूदी कट्टरपंथियों को बरअब्बा जैसे मनुष्य की आवश्यकता है।
हे यरूशलेम के नागरिको! कृपया शान्त हो जाएं। हम चाहते हैं, कि आप अपने फ़सह के पर्व को शान्तिपूर्वक मनाएं और मुझे विश्वास है, कि सभी तीर्थ यात्रियों का अच्छा स्वागत होगा।

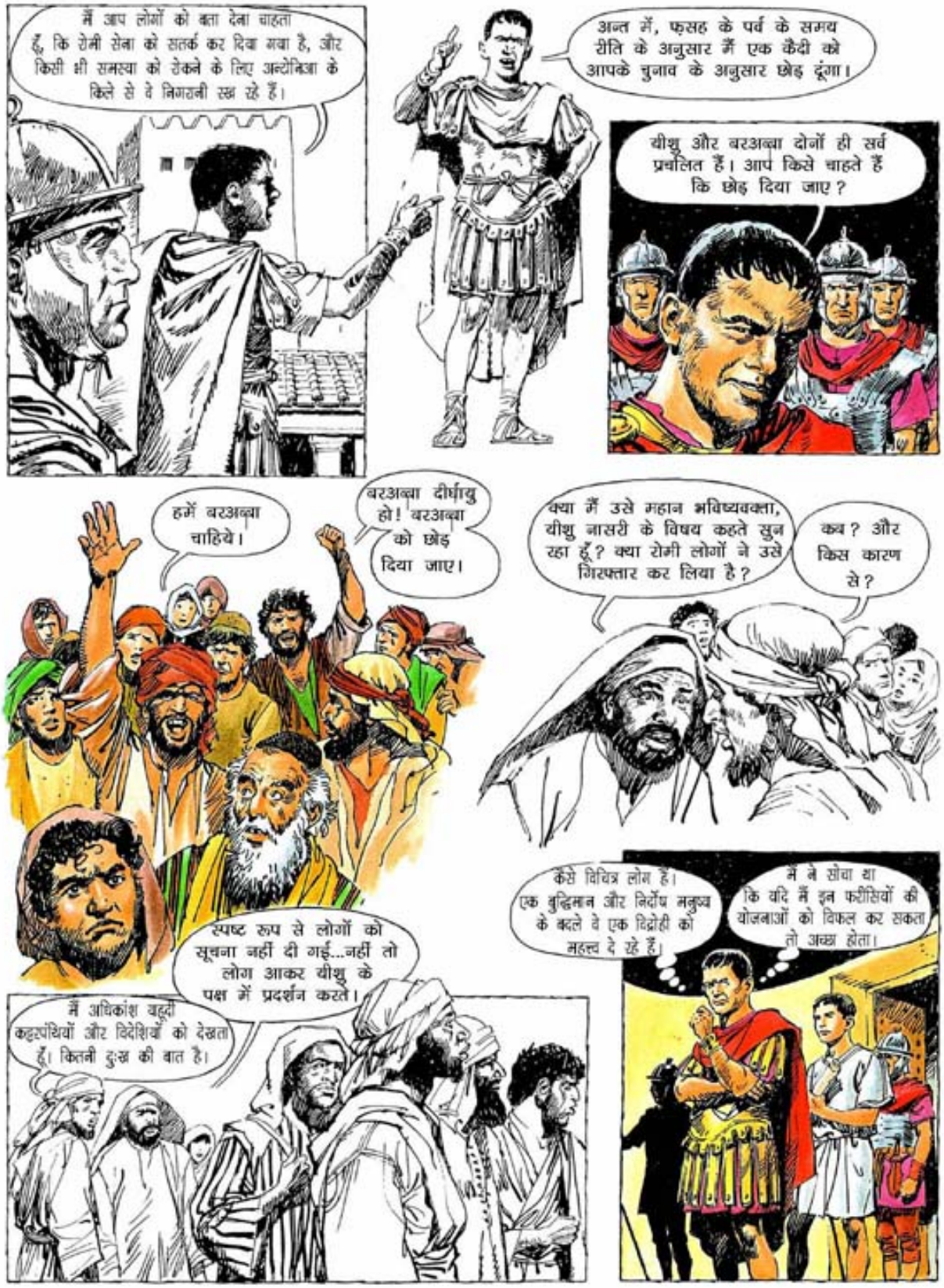
मैं आप लोगों को बता देना चाहता हूँ, कि रोमी सेना को सतर्क कर दिया गया है, और किसी भी समस्या को रोकने के लिए अन्टोनिआ के किले से वे निगरानी रख रहे हैं।
अन्त में, फ़सह के पर्व के समय रीति के अनुसार मैं एक कैदी को आपके चुनाव के अनुसार छोड़ दूंगा।
यीशु और बरअब्बा दोनों ही सर्व प्रचलित हैं। आप किसे चाहते हैं कि छोड़ दिया जाए?
हमें बरअब्बा चाहिये।
बरअब्बा दीर्घायु हो! बरअब्बा को छोड़ दिया जाए।
क्या मैं उसे महान भविष्यवक्ता, यीशु नासरी के विषय कहते सुन रहा हूँ? क्या रोमी लोगों ने उसे गिरफ्तार कर लिया है?
कब? और किस कारण से?
स्पष्ट रूप से लोगों को सूचना नहीं दी गई...नहीं तो लोग आकर यीशु के पक्ष में प्रदर्शन करते।
मैं अधिकांश यहूदी कट्टरपंथियों और विदेशियों को देखता हूँ। कितनी दुःख की बात है।
कैसे विचित्र लोग हैं। एक बुद्धिमान और निर्दोष मनुष्य के बदले वे एक विद्रोही को महत्त्व दे रहे हैं।
मैं ने सोचा था कि यदि मैं इन फरीसियों की योजनाओं को विफल कर सकता तो अच्छा होता।

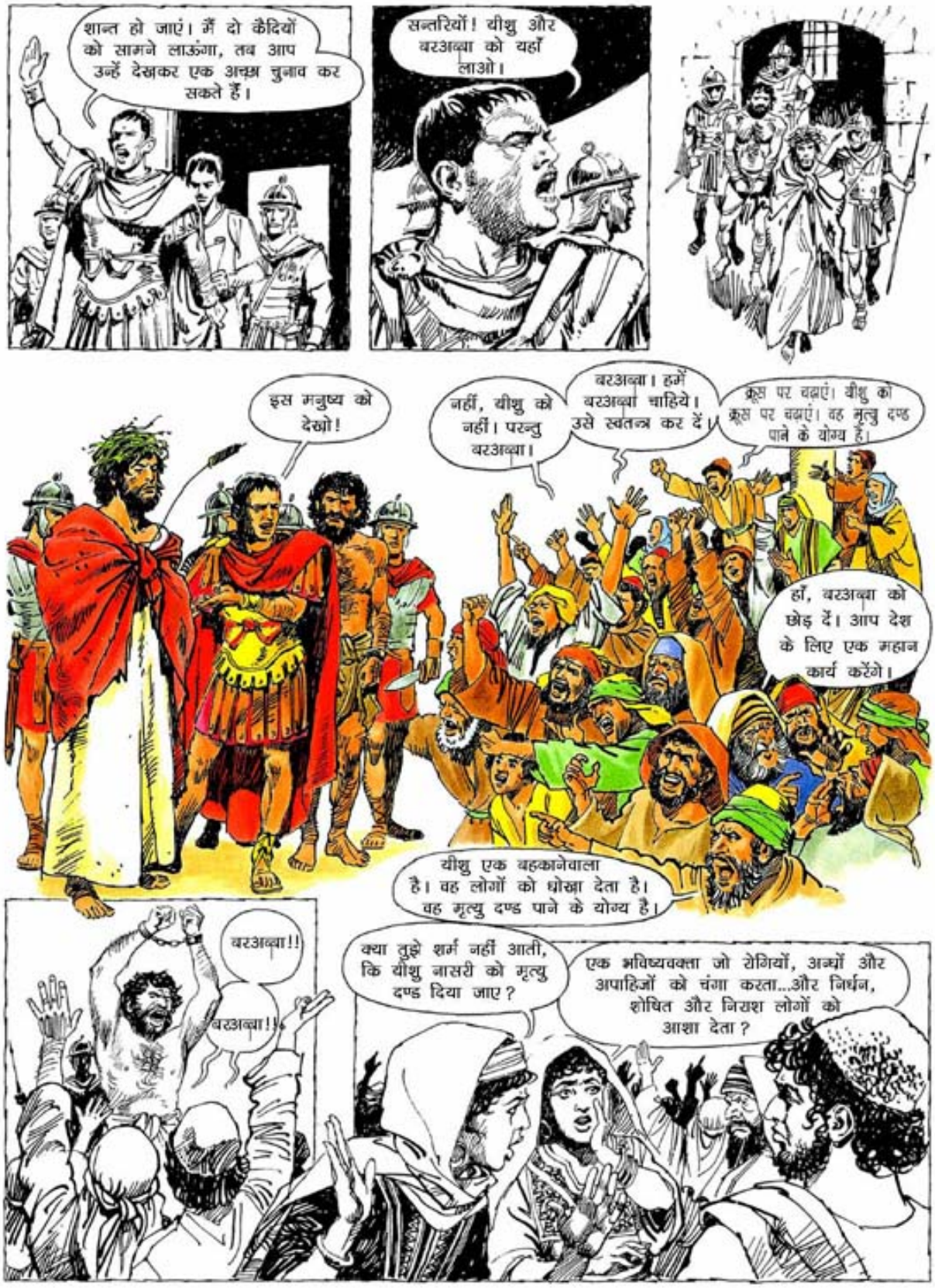
शान्त हो जाएं। मैं दो कैदियों को सामने लाऊंगा, तब आप उन्हें देखकर एक अच्छा चुनाव कर सकते हैं।
सन्तरियों! यीशु और बरअब्बा को यहाँ लाओ।
इस मनुष्य को देखो!
नहीं, यीशु को नहीं। परन्तु बरअब्बा।
बरअब्बा। हमें बरअब्बा चाहिये। उसे स्वतन्त्र कर दें।
क्रूस पर चढ़ाएं। यीशु को क्रूस पर चढ़ाएं। वह मृत्यु दण्ड पाने के योग्य है।
हाँ, बरअब्बा को छोड़ दें। आप देश के लिए एक महान कार्य करेंगे।
यीशु एक बहकानेवाला है। वह लोगों को धोखा देता है। वह मृत्यु दण्ड पाने के योग्य है।
बरअब्बा!!
बरअब्बा!!
क्या तुझे शर्म नहीं आती, कि यीशु नासरी को मृत्यु दण्ड दिया जाए?
एक भविष्यवक्ता जो रोगियों, अन्धों और अपाहिजों को चंगा करता...और निर्धन, शोषित और निराश लोगों को आशा देता?

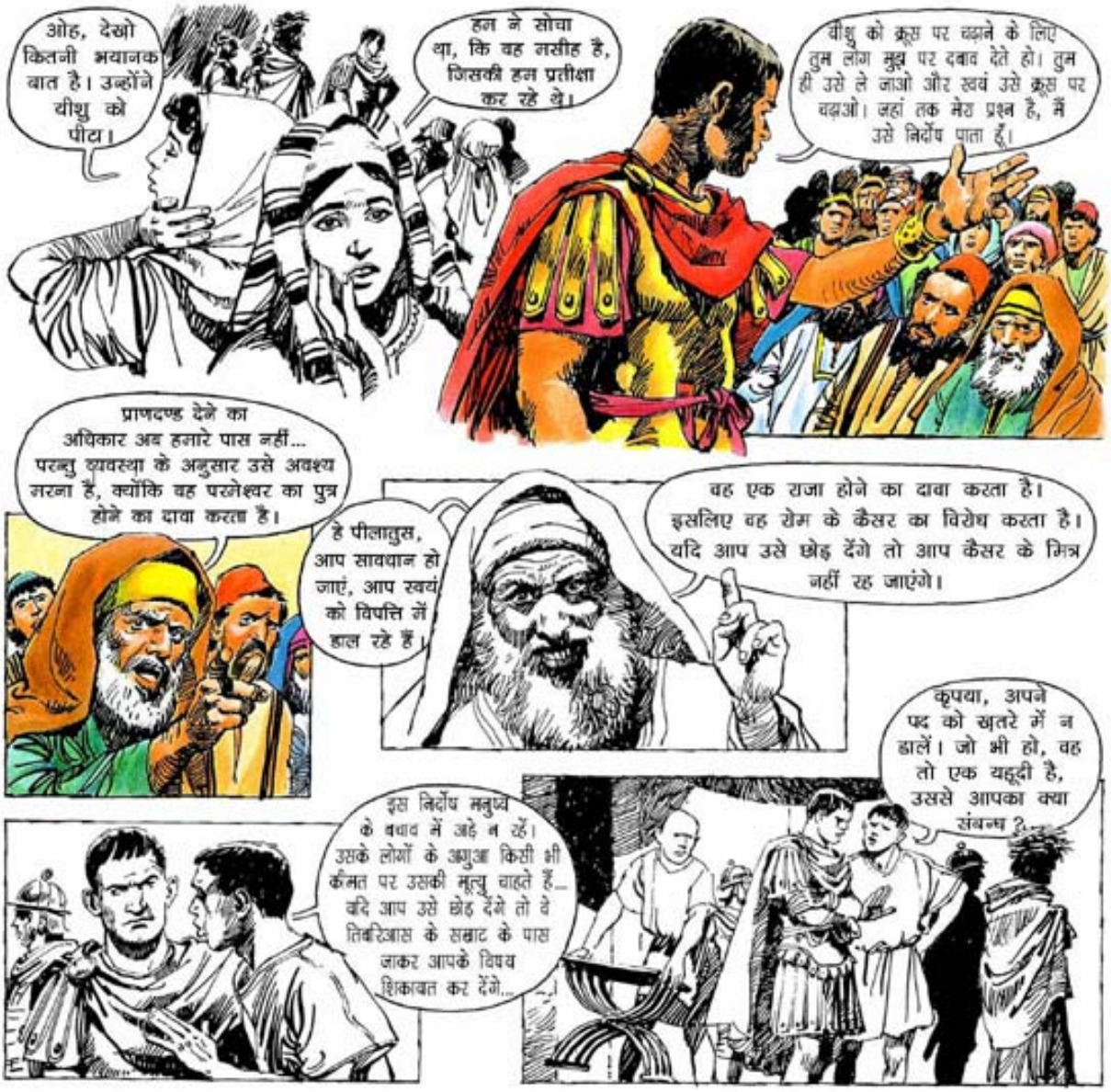

जानो कि मैं कुछ भी दोष नहीं पाता। तब यीशु कांटों का मुकुट और बैंजनी वस्त्र पहिने हुए बाहर निकला और पीलातुस ने उन से कहा, देखो, यह पुरुष। जब महायाजकों और प्यादों ने उसे देखा, तो चिल्लाकर कहा, कि उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर: पीलातुस ने उन से कहा तुम ही उसे लेकर क्रूस पर चढ़ाओ; क्योंकि मैं उस में दोष नहीं पाता। यहूदियों ने उस को उत्तर दिया, कि हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे जाने के योग्य है क्योंकि उस ने अपने आप को परमेश्वर का पुत्र बनाया। जब पीलातुस ने यह बात सुनी तो और भी डर गया। और फिर किले के भीतर गया और यीशु से कहा, तू कहां का है? परन्तु यीशु ने उसे कुछ भी उत्तर न दिया। पीलातुस ने उस से कहा, मुझ से क्यों नहीं बोलता? क्या तू नहीं जानता, कि तुझे छोड़ देने का अधिकार मुझे है और तुझे क्रूस पर चढ़ाने का भी मुझे अधिकार है। यीशु ने उत्तर दिया, कि यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता, तो तेरा मुझ

पर कुछ अधिकार न होता इसलिए जिस ने मुझे तेरे हाथ पकड़वाया है, उसका पाप अधिक है। इस से पीलातुस ने उसे छोड़ देना चाहा, परन्तु यहूदियों ने चिल्ला चिल्लाकर कहा,

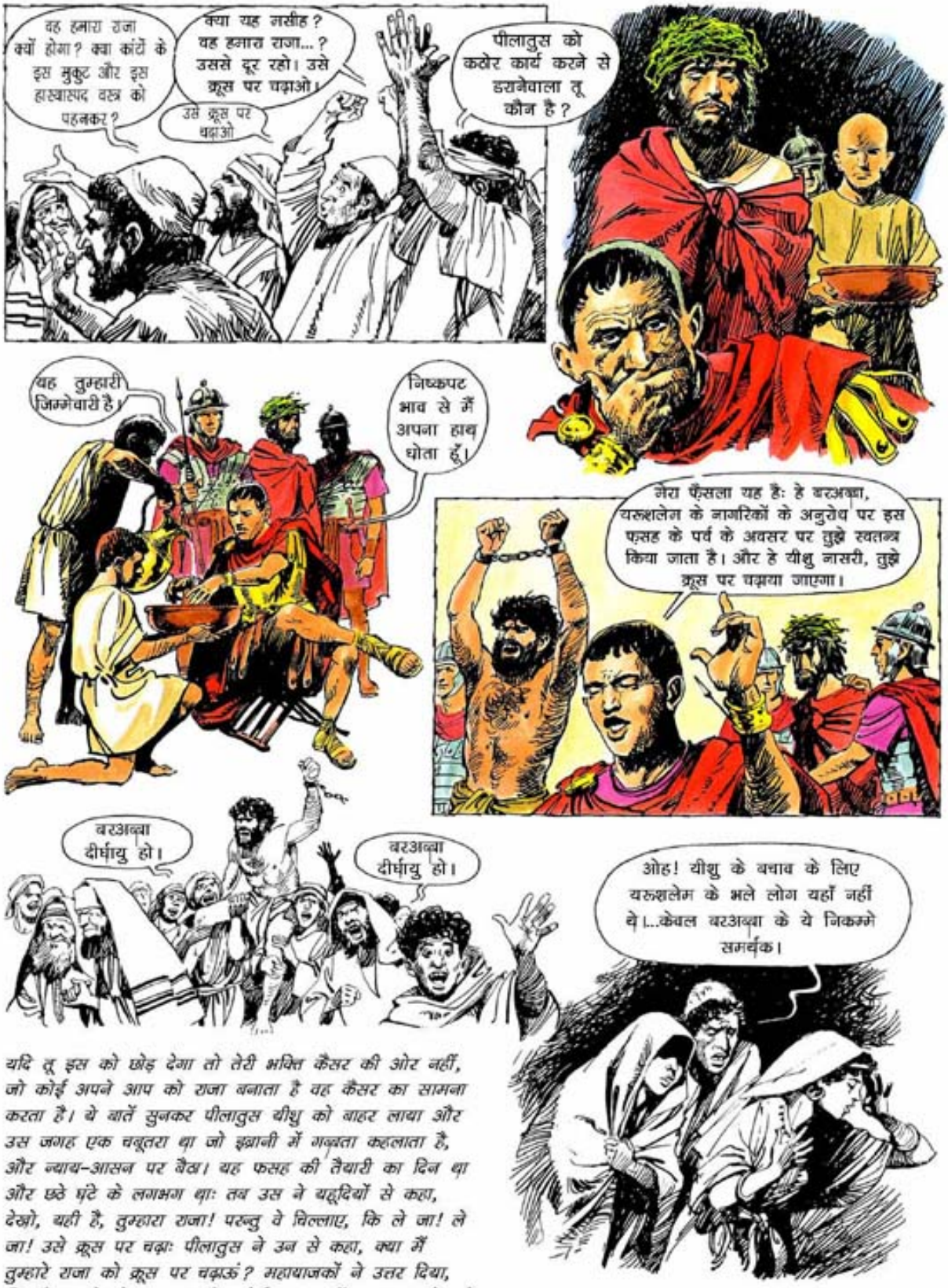

यदि तू इस को छोड़ देगा तो तेरी भक्ति कैसर की ओर नहीं, जो कोई अपने आप को राजा बनाता है वह कैसर का सामना करता है। ये बातें सुनकर पीलातुस यीशु को बाहर लाया और उस जगह एक चबूतरा था जो इब्रानी में गब्बता कहलाता है, और न्याय-आसन पर बैठा। यह फसह की तैयारी का दिन था और छठे घंटे के लगभग था: तब उस ने यहूदियों से कहा, देखो, यही है, तुम्हारा राजा! परन्तु वे चिल्लाए, कि ले जा! ले जा! उसे क्रूस पर चढ़ा: पीलातुस ने उन से कहा, क्या मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढ़ाऊं? महायाजकों ने उत्तर दिया, कि कैसर को छोड़ हमारा और कोई राजा नहीं। तब उस ने उसे उन के हाथ सौंप दिया ताकि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

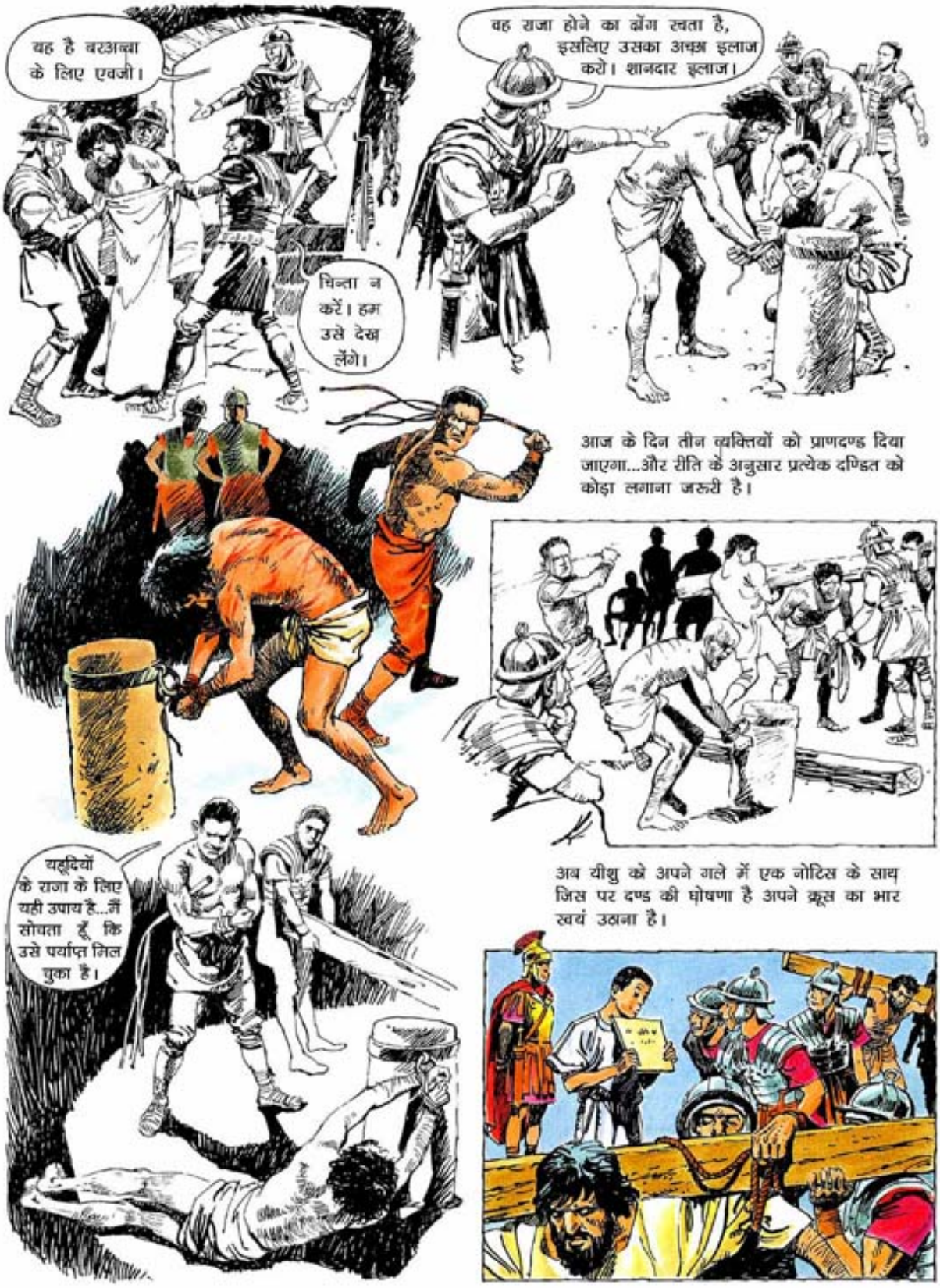
यह है बरअब्बा के लिए एवजी।
वह राजा होने का ढोंग रचता है, इसलिए उसका अच्छा इलाज करो। शानदार इलाज।
चिन्ता न करें। हम उसे देख लेंगे।
आज के दिन तीन व्यक्तियों को प्राणदण्ड दिया जाएगा...और रीति के अनुसार प्रत्येक दण्डित को कोड़ा लगाना जरूरी है।
यहूदियों के राजा के लिए यही उपाय है...मैं सोचता हूँ कि उसे पर्याप्त मिल चुका है।
अब यीशु को अपने गले में एक नोटिस के साथ जिस पर दण्ड की घोषणा है अपने क्रूस का भार स्वयं उठाना है।

और उदास जुलूस चलने लगता है...
जगह दो। हमें जाने दो।
यह मनुष्य कौन है?
वह तो विख्यात भविष्यवक्ता...यीशु नासरी के जैसा दिखाई देता है।

यहाँ हम एक ऐसे मनुष्य को देखते हैं, जिसने केवल भलाई ही की: उसने रोगियों को चंगा किया और निर्धन और उत्पीड़ित लोगों का बचाव किया। ओह, कैसा भयानक अन्याय।
उस पर धिक्कार है। शत्रुता के कारण उन्होंने यीशु को रोमी लोगों के हाथों में सौंप दिया।
फरीसी लोग उससे शत्रुता रखते थे, क्योंकि उसने सत्य कहा और उनके ढोंग को प्रगट किया।
कोई गिर गया है।
अपना क्रूस उठाने के लिए वह अत्यन्त ही दुर्बल है: क्योंकि कोड़े खाने से उसका बहुत लोहू बह गया।
ऐ, तुम सुनो। मैं तुम्हें आदेश देता हूँ कि इस दण्डित मनुष्य के क्रूस को गुलगुता तक ले जाओ। तुम्हें यह आदेश दिया जाता है। आज्ञा का पालन करो।
क्या मैं? परन्तु मैं तो यरूशलेम का निवासी नहीं। मैं तो एक भला कुरेनी मनुष्य हूँ।
बुद्धि से काम लो और विरोध न करो नहीं तो तुम मुसीबत में पड़ जाओगे। रोमी लोग बड़े कठोर होते हैं, और इसके अलावा यहाँ से गुलगुता अधिक दूर भी नहीं।
आप के लिए मैं इसे उठाऊंगा। आप खड़े हो जाएं।
उनकी सहायता करो। वह निर्दोष है। वह महान भविष्यवक्ता यीशु नासरी है।

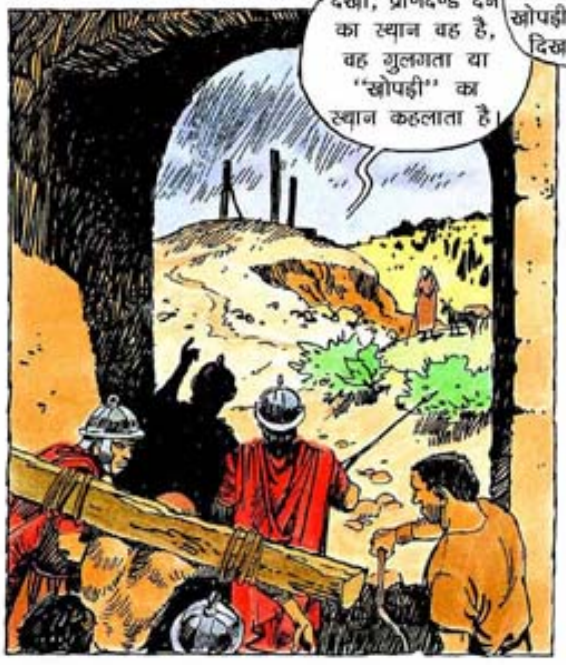

लूका 23:25-56

और उस ने उस मनुष्य को जो बलवे और हत्या के कारण बन्दीगृह में डाला गया था, और जिसे वे मांगते थे, छोड़ दिया; और यीशु को उन की इच्छा के अनुसार सौंप दिया। जब वे उसे लिए जाते थे, तो उन्हों ने शमौन नाम एक कुरेनी को जो गांव से आ रहा था, पकड़कर उस पर क्रूस को लाद दिया कि उसे यीशु के पीछे पीछे ले चले। और लोगों की बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली: और बहुत सी स्त्रियां भी, जो उसके लिये छाती-पीटती और विलाप करती थीं। यीशु ने उन की ओर फिरकर कहा, हे यरूशलेम की पुत्रियो, मेरे लिये मत रोओ, परन्तु अपने और अपने बालकों के लिये रोओ। क्योंकि देखो, वे दिन आते हैं, जिन में कहेंगे धन्य हैं वे जो बांझ है, और वे गर्भ जो न जने

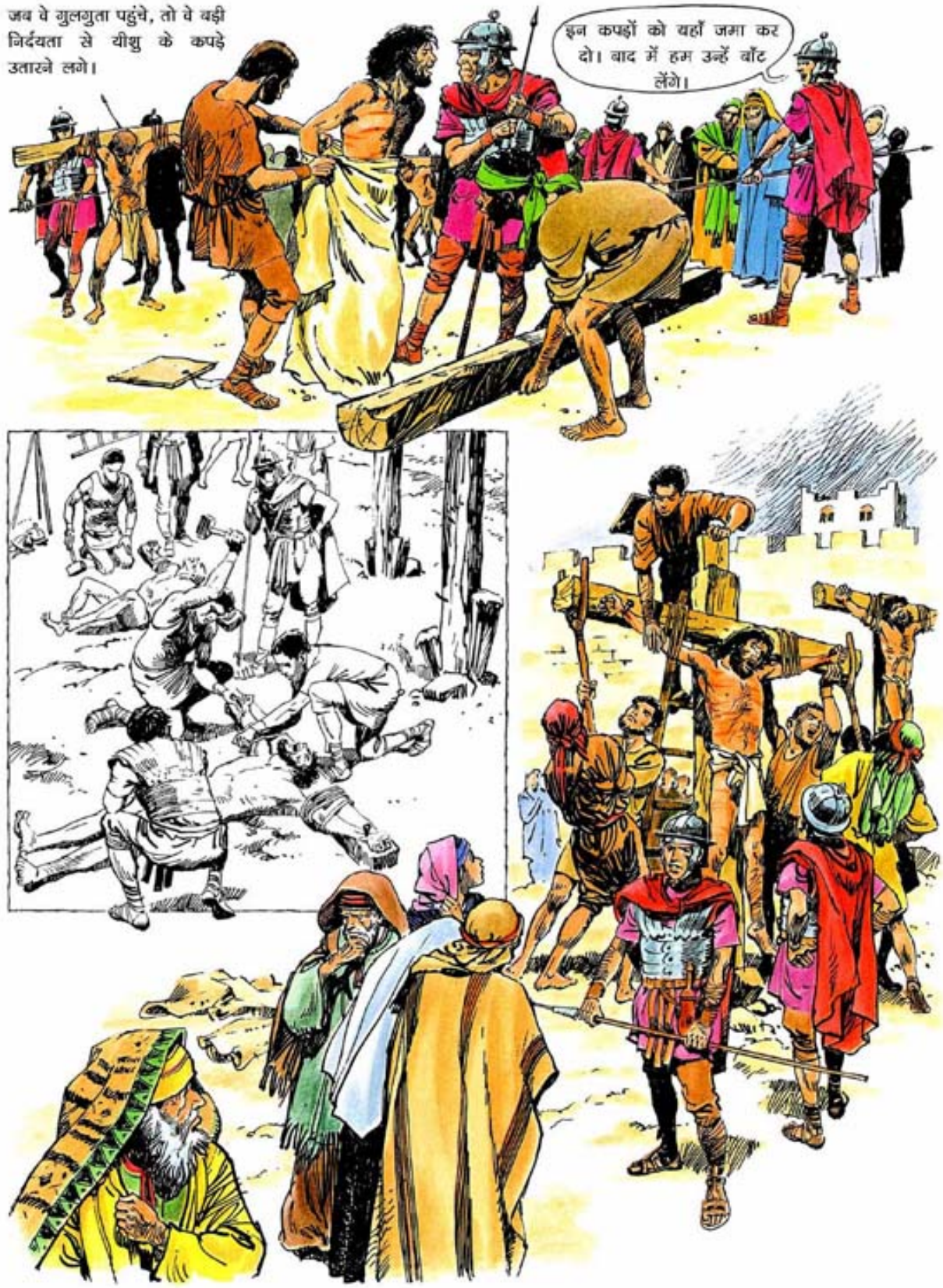

जब वे गुलगुता पहुंचे, तो वे बड़ी निर्दयता से यीशु के कपड़े उतारने लगे।
इन कपड़ों को यहाँ जमा कर दो। बाद में हम उन्हें बाँट लेंगे।

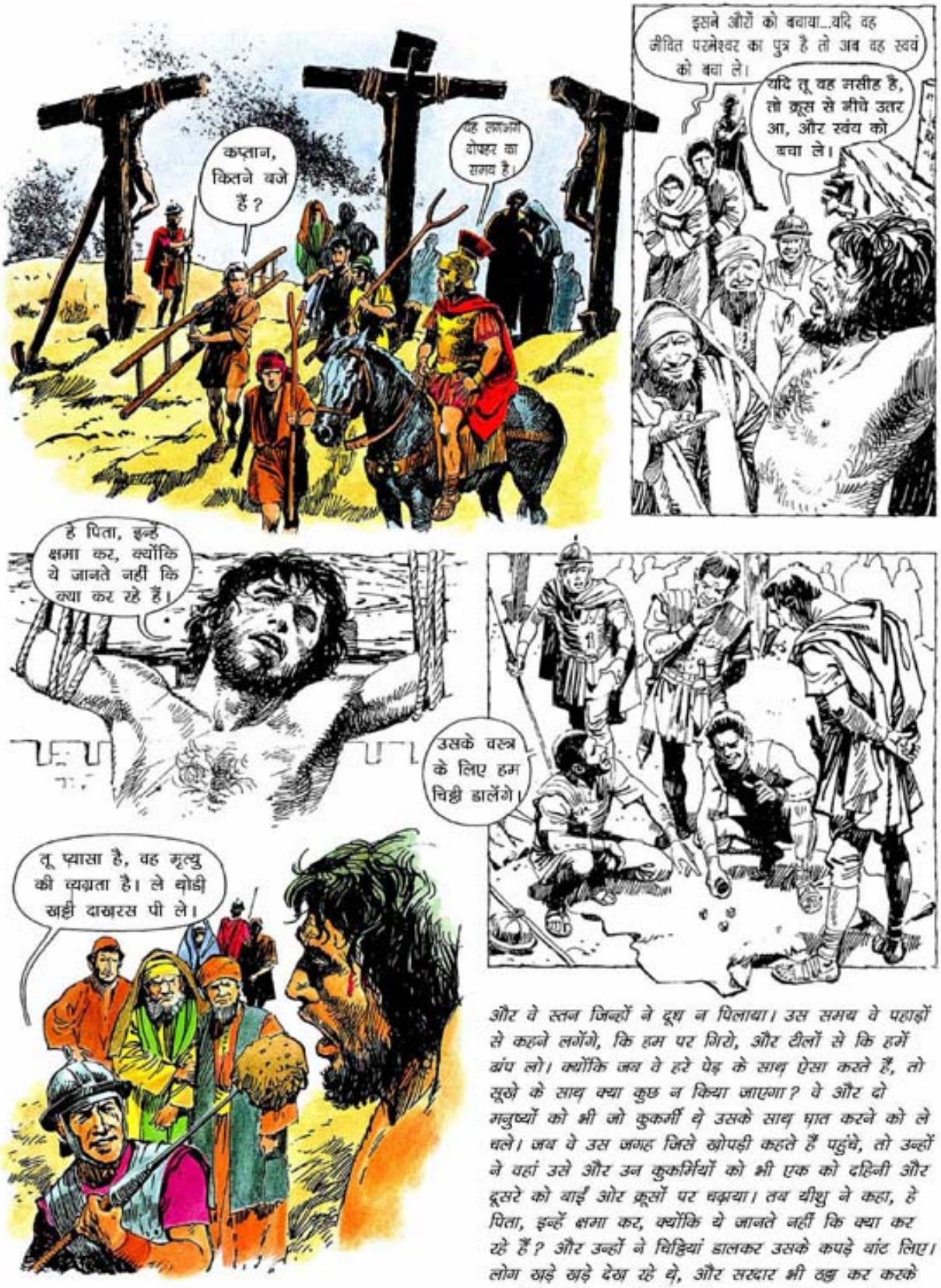

और वे स्तन जिन्हों ने दूध न पिलाया। उस समय वे पहाड़ों से कहने लगेंगे, कि हम पर गिरो, और टीलों से कि हमें ढांप लो। क्योंकि जब वे हरे पेड़ के साथ ऐसा करते हैं, तो सूखे के साथ क्या कुछ न किया जाएगा? वे और दो मनुष्यों को भी जो कुकर्मी थे उसके साथ घात करने को ले चले। जब वे उस जगह जिसे खोपड़ी कहते हैं पहुंचे, तो उन्हों ने वहां उसे और उन कुकर्मियों को भी एक को दहिनी और दूसरे को बाईं ओर क्रूसों पर चढ़ाया। तब यीशु ने कहा, हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं? और उन्हों ने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े बांट लिए। लोग खड़े खड़े देख रहे थे, और सरदार भी ठट्ठा कर करके कहते थे, कि इस ने औरों को बचाया यदि यह परमेश्वर का

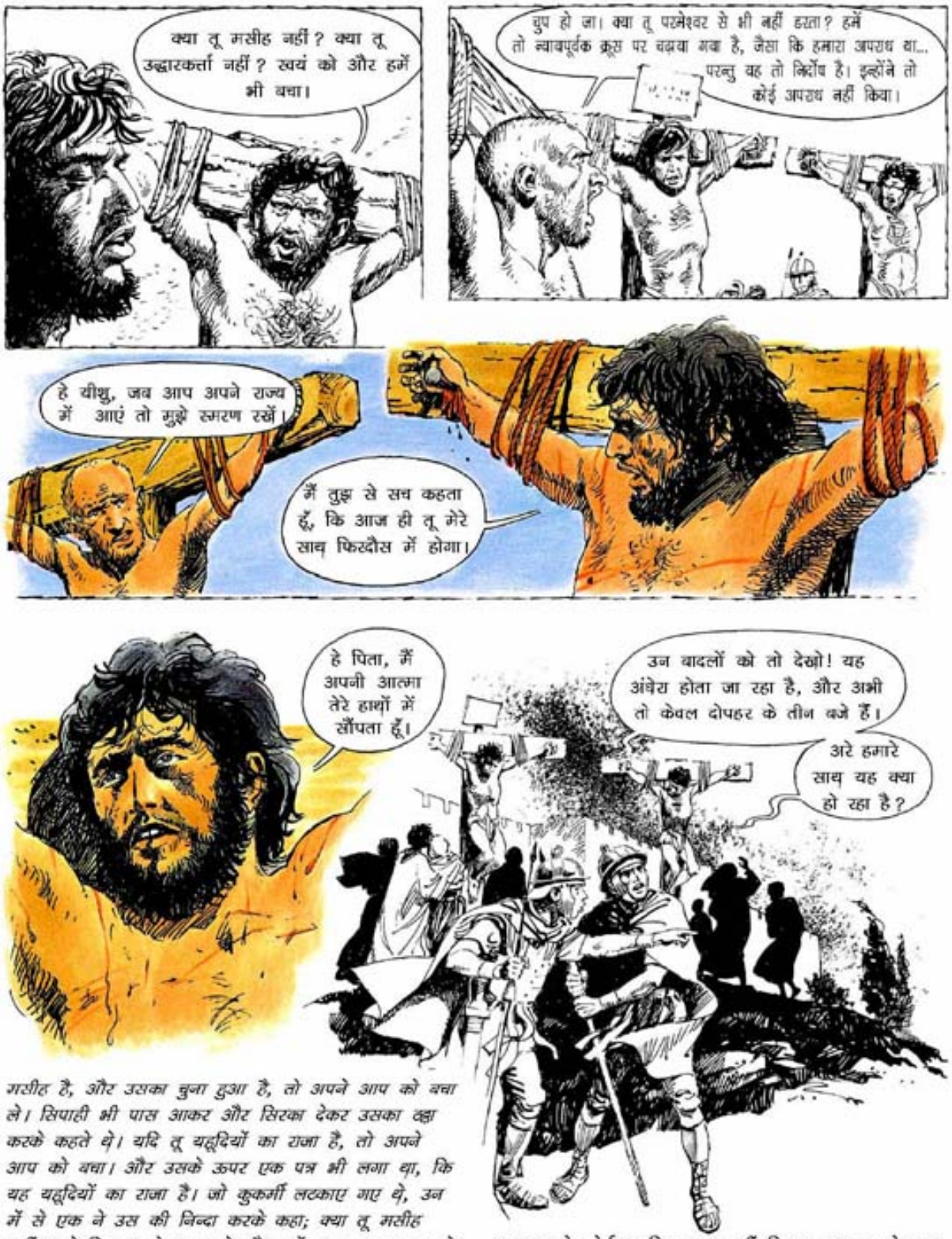

मसीह है, और उसका चुना हुआ है, तो अपने आप को बचा ले। सिपाही भी पास आकर और सिरका देकर उसका ठट्ठा करके कहते थे। यदि तू यहूदियों का राजा है, तो अपने आप को बचा। और उसके ऊपर एक पत्र भी लगा था, कि यह यहूदियों का राजा है। जो कुकर्मी लटकाए गए थे, उन में से एक ने उस की निन्दा करके कहा; क्या तू मसीह नहीं? तो फिर अपने आप को और हमें बचा। इस पर दूसरे ने उसे डांटकर कहा, क्या तू परमेश्वर से भी नहीं डरता? तू भी तो वही दण्ड पा रहा है। और हम तो न्यायानुसार दण्ड पा रहे हैं, क्योंकि हम अपने कामों का ठीक फल पा रहे हैं, पर इस ने कोई अनुचित काम नहीं किया। तब उस ने कहा; हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना। उस ने उस से कहा, मैं तुझ से सच कहता हूँ, कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा। और लगभग दोपहर से

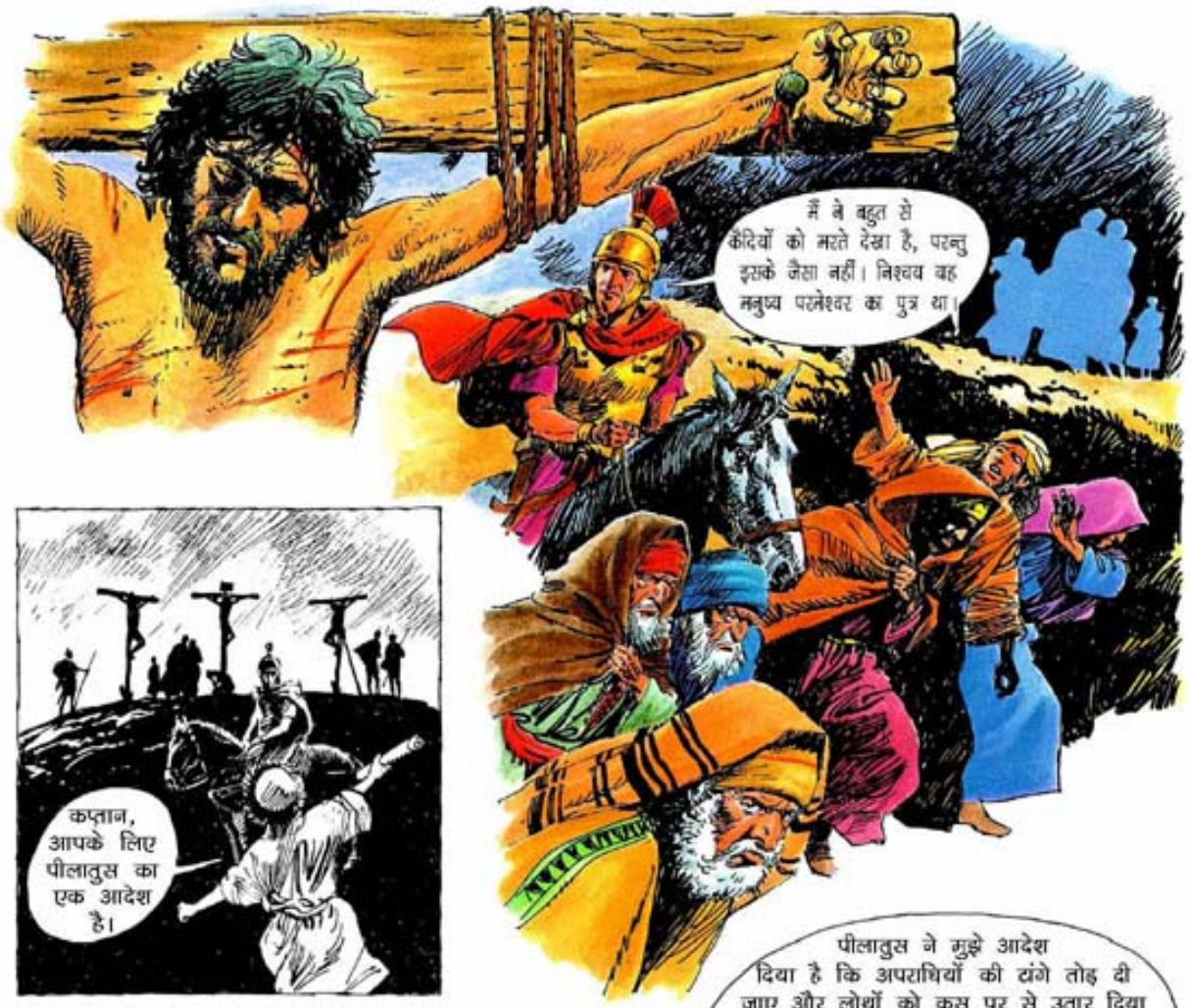

तीसरे पहर तक सारे देश में अन्धियारा छाया रहा। और सूर्य का उजियाला जाता रहा, और मन्दिर का परदा बीच से फट गया। और यीशु ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं: और यह कहकर प्राण छोड़ दिए। सूबेदार ने, जो कुछ हुआ था देखकर, परमेश्वर की बड़ाई की, और कहा, निश्चय यह मनुष्य धर्मी था। और भीड़ जो यह देखने को इकट्ठी हुई थी, इस घटना को देखकर छाती-पीटती हुई लौट गई। और उसके सब जान पहचान, और जो स्त्रियां गलील से उसके साथ आई थीं, दूर खड़ी हुई यह सब देख रही थीं। और देखो यूसुफ नाम एक मन्त्री जो सज्जन और धर्मी पुरूष था। और उनके विचार और उन के इस काम से प्रसन्न न था; और वह यहूदियों के नगर अरिमतीया का रहनेवाला और परमेश्वर के राज्य की बाट जोहनेवाला था। उस ने पीलातुस के पास जाकर यीशु की लोथ मांग ली। और उसे उतारकर बादर में लपेटा, और एक कब्र में रखा, जो चट्टान में खोदी हुई थी; और उस में कोई कभी न रखा गया था। वह तैयारी का दिन था, और सब्त का दिन आरम्भ होने पर था। और उन स्त्रियों ने जो

उसके साथ गलील से आई थीं, पीछे पीछे जाकर उस कब्र को देखा, और यह भी कि उस की लोथ किस रीति से रखी गई है। और लौटकर सुगन्धित वस्तुएं और इत्र तैयार कियाः और सब्त के दिन तो उन्हों ने आज्ञा के अनुसार विश्राम किया।

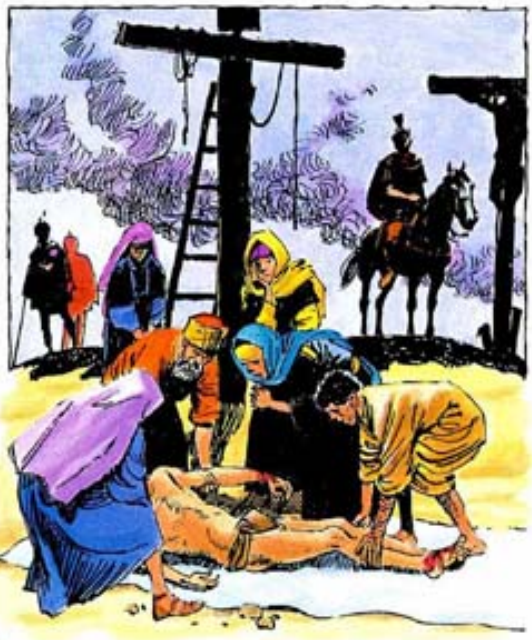

अन्त में कब्र के प्रवेश द्वार पर एक भारी पत्थर लुढ़काकर रख दिया गया।

फसह के सब्त के बादवाले दिन, बड़े भोर को स्त्रियां कब्र पर जा रही हैं...

मरकुस 16:1-7

जब सब्त का दिन बीत गया, तो मरियम मगदलीनी और याकूब की माता मरियम और शलोमी ने सुगन्धित वस्तुएं मोल ली, कि आकर उस पर मलें। और सप्ताह के पहिले दिन बड़ी भोर, जब सूरज निकला ही था, वे कब्र पर आईं। और आपस में कहती थीं, कि हमारे लिये कब्र के द्वार पर से पत्थर कौन लुढ़काएगा? जब उन्हों ने आँख उठाई, तो देखा कि पत्थर लुढ़का हुआ है! क्योंकि वह बहुत ही बड़ा था। और कब्र के भीतर जाकर, उन्होंने एक जवान को श्वेत वस्त्र पहिने हुए दहिनी ओर बैठे देखा, और बहुत चकित हुईं। उस ने उन से कहा, चकित मत हो, तुम यीशु नासरी को, जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, ढूंढ़ती हो: वह जी उठा है; यहाँ नहीं है; देखो, यही वह स्थान है, जहाँ उन्होंने उसे रखा था। परन्तु तुम जाओ, और उसके चेलों और पतरस से कहो, कि वह तुम से पहले गलील को जाएगा; जैसा उस ने तुम से कहा था, तुम वहीं उसे देखोगे।

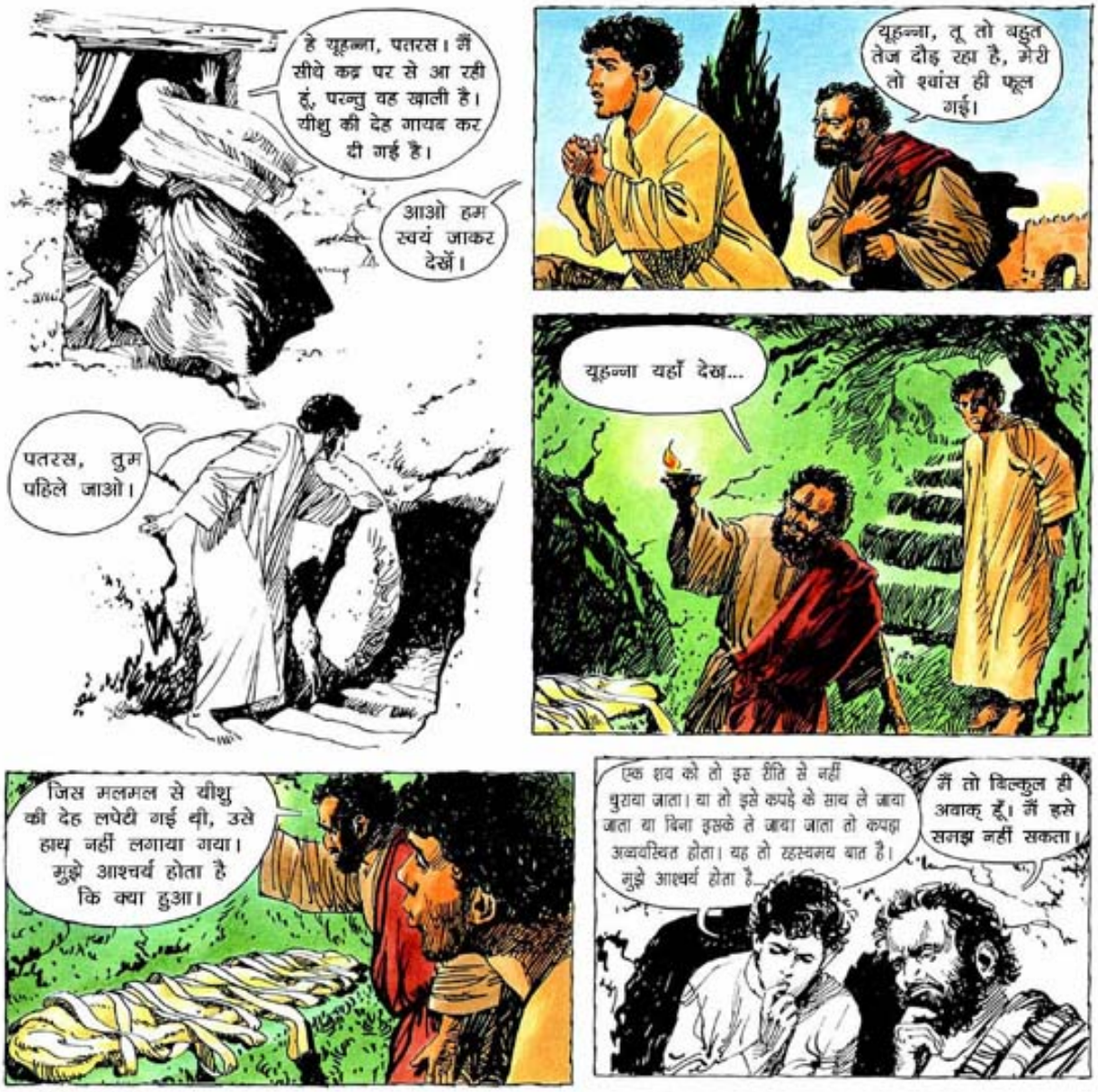

यूहन्ना 20:1–16

सप्ताह के पहिले दिन मरियम मगदलीनी भोर को अंधेरा रहते ही कब्र पर आई, और पत्थर को कब्र से हटा हुआ देखा। तब वह दौड़ी और शमौन पतरस और उस दूसरे चेले के पास जिस से यीशु प्रेम रखता था आकर कहा, वे प्रभु को कब्र में से निकाल ले गए हैं; और हम नहीं जानतीं, कि उसे कहाँ रख दिया है। तब पतरस और वह दूसरा चेला निकलकर कब्र की ओर चले। और दोनों साथ साथ दौड़ रहे थे, परन्तु दूसरा चेला पतरस से आगे बढ़कर कब्र पर पहिले पहुंचा। और झुककर कपड़े पड़े देखे : तौभी वह भीतर न गया। तब शमौन पतरस उसके पीछे पीछे पहुँचा और कब्र के भीतर गया और कपड़े पड़े देखे। और वह अंगोछा जो उसके सिर से बंधा हुआ था, कपड़ों के साथ पड़ा हुआ नहीं परन्तु अलग एक जगह लपेटा हुआ देखा। तब दूसरा चेला भी जो

मरियम और मगदलीनी कब्र पर वापस आती हैं...आश्चर्य कर रही हैं और ये रही हैं...

कब्र पर पहिले पहुँचा था, भीतर गया और देखकर विश्वास किया। वे तो अब तक पवित्र शास्त्र की वह बात न समझते थे, कि उसे मरे हुओं में से जी उठना होगा। तब ये चेले अपने घर लौट गये। परन्तु मरियम रोती हुई कब्र के पास ही बाहर खड़ी रही और रोते रोते कब्र की ओर झुककर, दो स्वर्गदूतों को उज्ज्वल कपड़े पहिने हुए एक को सिरहाने और दूसरे को पैताने बैठे देखा, जहाँ यीशु की लोथ पड़ी थी। उन्हों ने उससे कहा, हे नारी, तू क्यों रोती है? उस ने उन से कहा, वे मेरे प्रभु को उठा ले गए और मैं नहीं जानती की उसे कहाँ रखा है। यह कहकर वह पीछे फिरी और यीशु को खड़े देखा और न पहचाना कि यह यीशु है। यीशु ने उस से कहा, हे नारी, तू क्यों रोती है? किस को ढूंढ़ती है? उस ने माली समझकर उस से कहा, हे महाराज, यदि तू ने उसे उठा लिया है तो मुझ से कह कि उसे कहां रखा है और मैं उसे ले जाऊंगी। यीशु ने उस से कहा, मरियम! उस ने पीछे फिरकर उस से इब्रानी में कहा, रब्बूनी अर्थात् हे गुरू!

मेरे प्रभु!
मुझे छूने का प्रयास न कर...
...क्योंकि मैं स्वर्ग में अपने पिता के पास वापस जाऊंगा, परन्तु तू जाकर मेरे शिष्यों को बता दे।
मित्रो, मैं ने प्रभु यीशु को देखा है। वह जीवित है। वह जी उठे हैं। उन्होंने मुझ से जो कहा वह सुनो।
मरियम, तू भावनाओं में बही जा रही है।
समझदार और विवेकी बन। यह असम्भव है।
भ्रान्ति है। यह सब स्त्रियों की मनघड़ंत बात हैं।

उसी दिन संध्या के समय, दो चेले यरूशलेम से इम्माऊस को जा रहे थे...

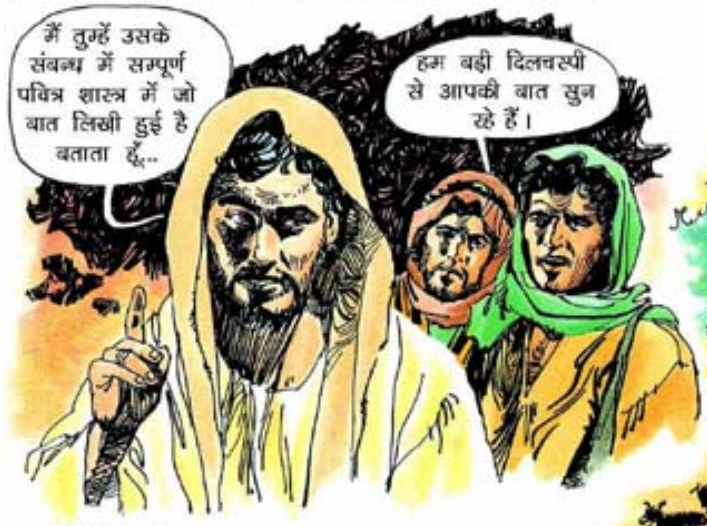

एक घन्टे के बाद...

लूका 24:13–47

देखो, उसी दिन उन में से दो जन इम्माऊस नाम एक गांव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई सात मील की दूरी पर था। और वे इन सब बातों पर जो हुई थीं, आपस में बातचीत करते जा रहे थे। और जब वे आपस में बातचीत और पूछताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर उनके साथ हो लिया। परन्तु उनकी आँखें ऐसी बन्द कर दी गई थीं, कि उसे पहिचान न सके। उसने उनसे पूछा; ये क्या बातें हैं जो तुम चलते चलते आपस में करते हो ? वे उदास से खड़े रह गये। यह सुनकर, उनमें से क्लियुपास नाम एक व्यक्ति ने कहा; क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है, जो नहीं जानता, कि इन दिनों में उस में क्या क्या हुआ है ? उस ने उन से पूछा, कौन सी बातें ? उन्होंने उस से कहा; यीशु नासरी के विषय में जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में सामर्थी भविष्यद्वक्ता था। और महायाजकों और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया, कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए, और उसे क्रूस पर चढ़वाया। परन्तु हमें आशा थी, कि यही इस्राएल को छुटकारा देगा, और इन सब बातों के सिवाय इस घटना को हुए तीसरा दिन है। और हम में से कई स्त्रियों ने भी हमें आश्चर्य में डाल दिया है, जो भोर को कब्र पर गई थीं। और जब उसकी लोथ न पाई, तो यह कहती हुई आईं, कि हम ने स्वर्गदूतों का दर्शन पाया, जिन्होंने कहा कि वह जीवित है।

तब हमारे साथियों में से कई एक कब्र पर गए, और जैसा स्त्रियों ने कहा था, वैसा ही पाया; परन्तु उसको न देखा। तब उस ने उन से कहा; हे निर्बुद्धियों, और भविष्यद्वक्ताओं की

जब वे भोजन करने बैठे, यीशु ने रोटी लेकर परमेश्वर को धन्यवाद दिया, और उसे तोड़कर उन्हें दी...

...तब उनकी आँखें खुल गईं और उन्होंने उसे पहिचान लिया।

परन्तु यीशु उनकी आँखों से ओझल हो गया।

सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियों! क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे? तब उसने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया। इतने में वे उस गांव के पास पहुँचे, जहाँ वे जा रहे थे, और उसके ढंग से ऐसा जान पड़ा कि वह आगे बढ़ना चाहता है। परन्तु उन्हों ने यह कहकर उसे रोका, कि हमारे साथ रह; क्योंकि संध्या हो चली है और दिन अब बहुत ढल गया है। तब वह उनके साथ रहने के लिये भीतर गया। जब वह उनके साथ भोजन करने बैठा, तो उसने रोटी लेकर धन्यवाद किया और उसे तोड़कर उनको देने लगा। तब उनकी आँखें खुल गईं, और उन्हों ने उसे पहचान लिया, और वह उनकी आँखों से छिप गया। उन्होंने आपस में कहा; जब वह मार्ग में हम से बातें करता था और पवित्र शास्त्र का अर्थ हमें समझाता था, तो क्या हमारे मन में उतेजना न उत्पन्न हुई ? वे उसी घड़ी उठकर यरूशलेम को लौट गये, और उन ग्यारहों और उनके

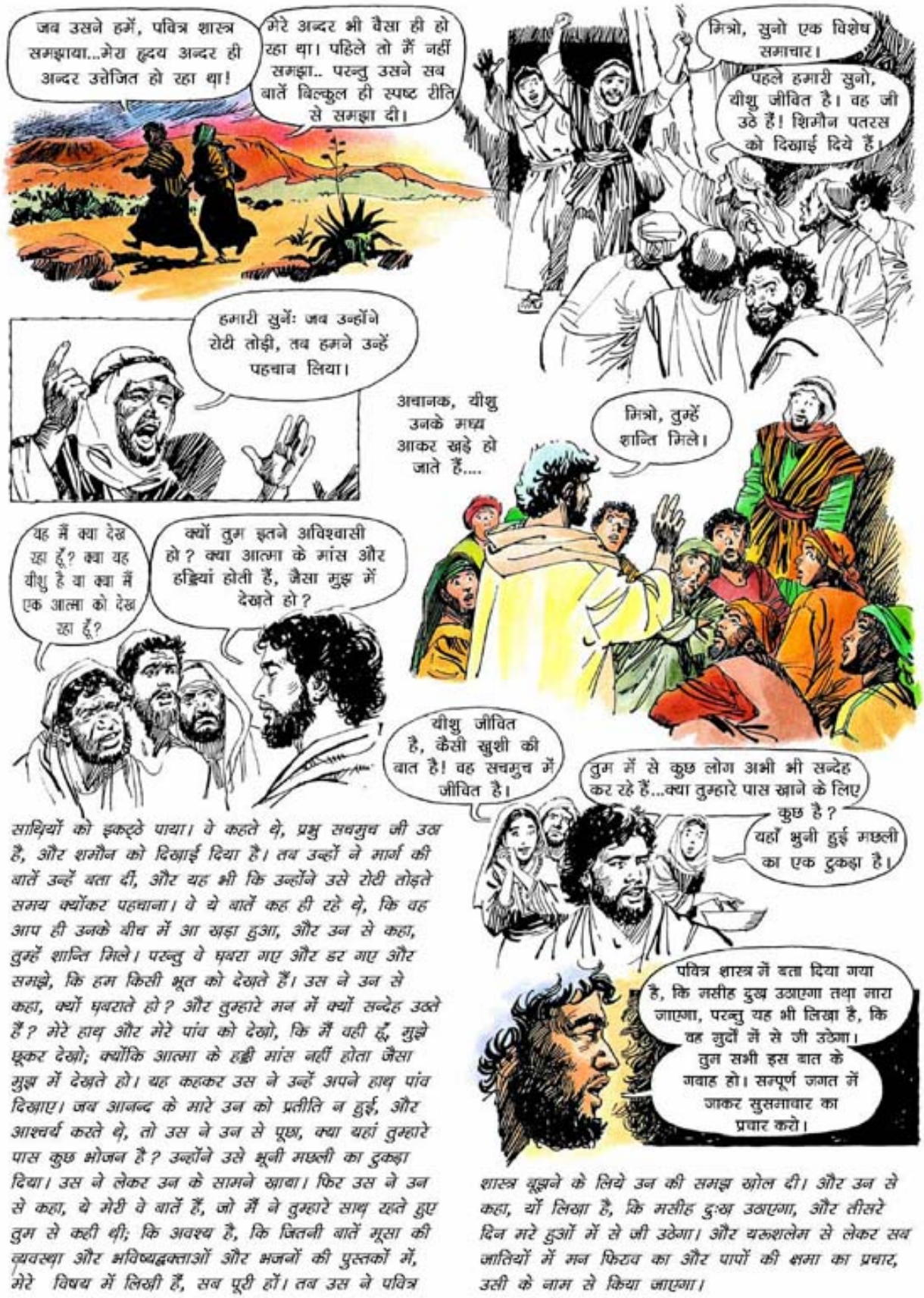

साथियों को इकट्ठे पाया। वे कहते थे, प्रभु सचमुच जी उठा है, और शमौन को दिखाई दिया है। तब उन्होंने मार्ग की बातें उन्हें बता दीं, और यह भी कि उन्होंने उसे रोटी तोड़ते समय क्योंकर पहचाना। वे ये बातें कह ही रहे थे, कि वह आप ही उनके बीच में आ खड़ा हुआ, और उन से कहा, तुम्हें शान्ति मिले। परन्तु वे घबरा गए और डर गए और समझे, कि हम किसी भूत को देखते हैं। उस ने उन से कहा, क्यों घबराते हो? और तुम्हारे मन में क्यों सन्देह उठते हैं? मेरे हाथ और मेरे पांव को देखो, कि मैं वही हूँ, मुझे छूकर देखो; क्योंकि आत्मा के हड्डी मांस नहीं होता जैसा मुझ में देखते हो। यह कहकर उस ने उन्हें अपने हाथ पांव दिखाए। जब आनन्द के मारे उन को प्रतीति न हुई, और आश्चर्य करते थे, तो उस ने उन से पूछा, क्या यहां तुम्हारे पास कुछ भोजन है? उन्होंने उसे भूनी मछली का टुकड़ा दिया। उस ने लेकर उन के सामने खाया। फिर उस ने उन से कहा, ये मेरी वे बातें हैं, जो मैं ने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम से कही थीं; कि अवश्य है, कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में, मेरे विषय में लिखी हैं, सब पूरी हों। तब उस ने पवित्र

शास्त्र बूझने के लिये उन की समझ खोल दी। और उन से कहा, यों लिखा है, कि मसीह दुःख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा। और यरूशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी के नाम से किया जाएगा।

फसह के पर्व के बाद वाले दिन सन्ध्या के समय जीवित यीशु अपने शिष्यों पर प्रगट हुए थे। एक सप्ताह के बाद वे फिर मिले...

यूहन्ना 20:19-29

उसी दिन जो सप्ताह का पहिला दिन था, सन्ध्या के समय जब वहां के द्वार जहां चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब यीशु आया, और बीच में खड़ा होकर उन से कहा, तुम्हें शान्ति मिले। और यह कहकर उसने अपना हाथ और अपना पंजर उन को दिखाएः तब चेले प्रभु को देखकर आनन्दित हुए। यीशु ने फिर उन से कहा, तुम्हें शान्ति मिले; जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ। यह कहकर उसने उन पर फूंका और उन से कहा, पवित्र आत्मा लो। जिन के पाप तुम क्षमा करो वे उनके लिये क्षमा किये गए हैं जिनके तुम रखो, वे रखे गये हैं। परन्तु बारहों में से एक व्यक्ति अर्थात् थोमा जो दिदुमुस कहलाता है, जब यीशु आया तो उनके साथ न था। जब और चेले उससे कहने लगे कि हम ने प्रभु को देखा हैः तब उस ने उन से कहा, जब तक मैं उसके हाथों में कीलों के छेद न देख लूँ, और कीलों के छेदों में अपनी उंगली न डाल लूँ और उसके पंजर में अपना हाथ न डाल लूँ, तब तक मैं प्रतीति नहीं करूंगा। आठ दिन के बाद उसके चेले फिर घर के भीतर थे, और थोमा उनके साथ था, और द्वार बन्द थे,

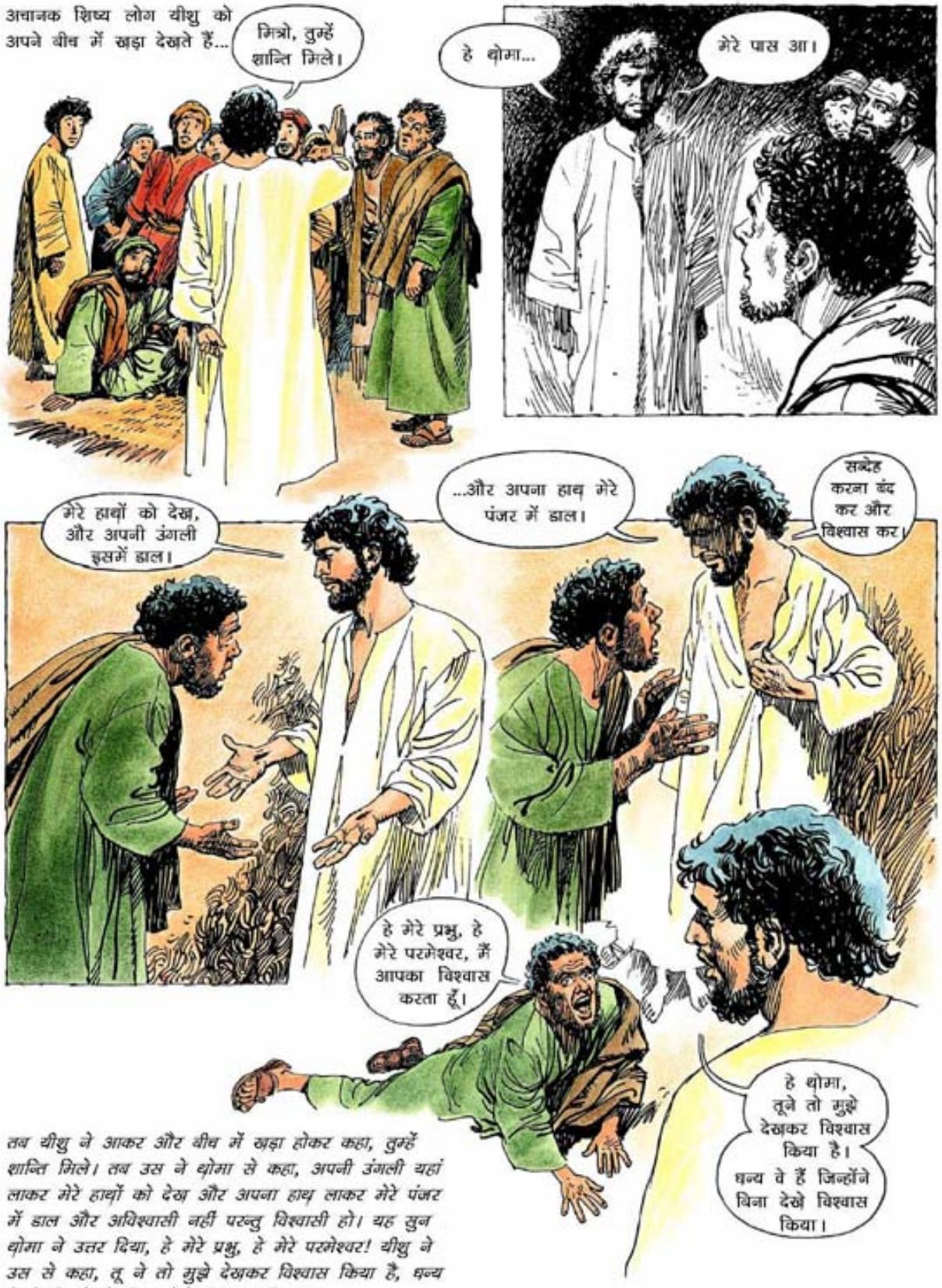

तब यीशु ने आकर और बीच में खड़ा होकर कहा, तुम्हें शान्ति मिले। तब उस ने थोमा से कहा, अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो। यह सुन थोमा ने उत्तर दिया, हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर! यीशु ने उस से कहा, तू ने तो मुझे देखकर विश्वास किया है, धन्य वे हैं जिन्हों ने बिना देखे विश्वास किया।

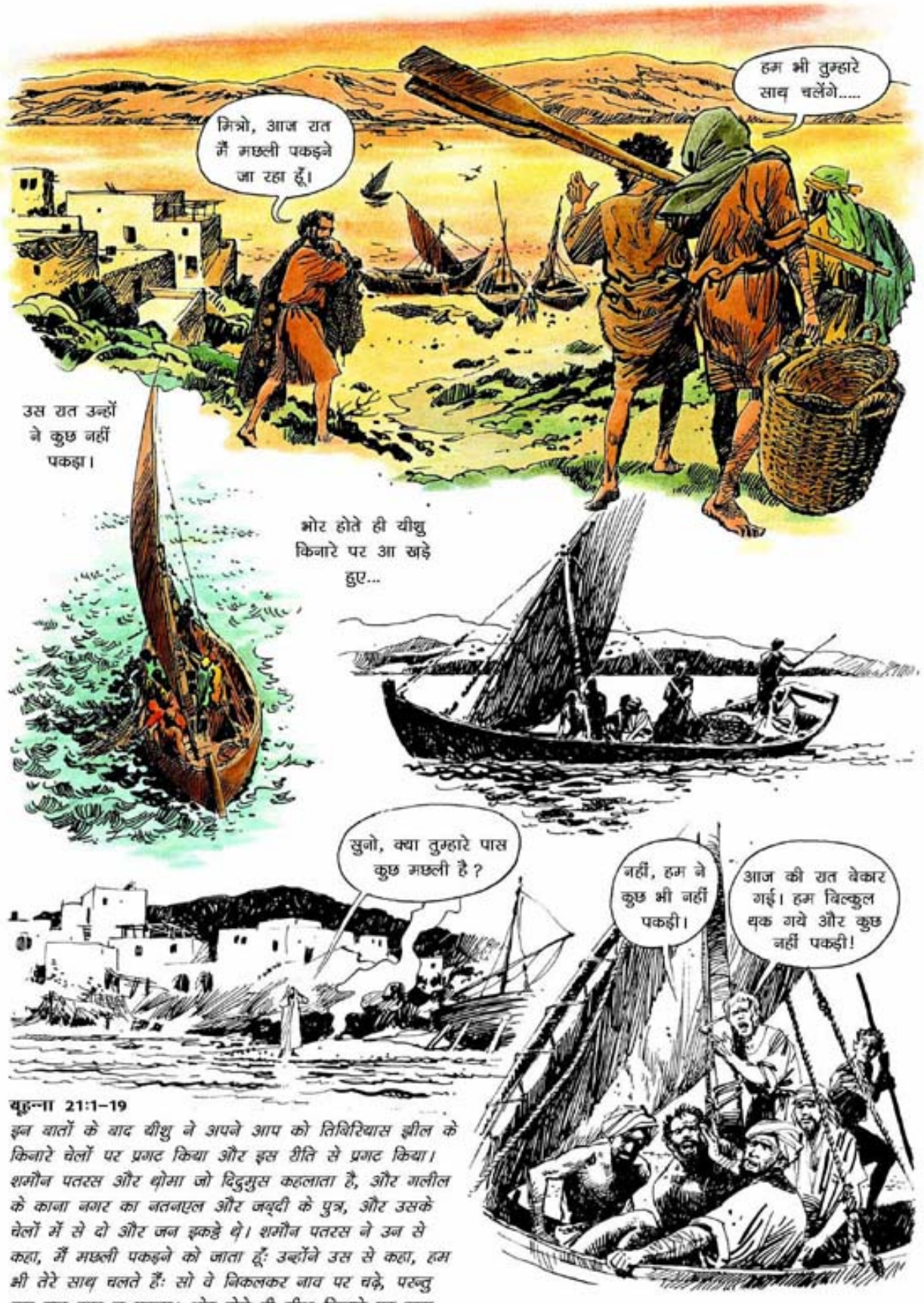

यूहन्ना 21:1–19

इन बातों के बाद यीशु ने अपने आप को तिबिरियास झील के किनारे चेलों पर प्रगट किया और इस रीति से प्रगट किया। शमौन पतरस और थोमा जो दिदुमुस कहलाता है, और गलील के काना नगर का नतनएल और जब्दी के पुत्र, और उसके चेलों में से दो और जन इकट्ठे थे। शमौन पतरस ने उन से कहा, मैं मछली पकड़ने को जाता हूँ: उन्होंने उस से कहा, हम भी तेरे साथ चलते हैं: सो वे निकलकर नाव पर चढ़े, परन्तु उस रात कुछ न पकड़ा। भोर होते ही यीशु किनारे पर खड़ा हुआ; तौभी चेलों ने न पहचाना कि यह यीशु है। तब यीशु ने

जाल डालने के कुछ ही क्षण के बाद जब वे जाल खींच रहे थे...

उनसे कहा, हे बालको, क्या तुम्हारे पास कुछ खाने को है? उन्हों ने उत्तर दिया कि नहीं। उस ने उन से कहा, नाव की दहिनी ओर जाल डालो, तो पाओगे, तब उन्होंने जाल डाला, और अब मछलियों कि बहुतायत के कारण उसे खींच न सके। इसलिये उस चेले ने जिस से यीशु प्रेम रखता था पतरस से कहा, यह तो प्रभु है, शमौन पतरस ने यह सुनकर कि प्रभु है, कमर में अंगरखा कस लिया क्योंकि वह नंगा था, और झील में कूद पड़ा। परन्तु और चेले डोंगी पर मछलियों से भरा हुआ जाल खींचते हुए आए, क्योंकि वे किनारे से अधिक दूर नहीं, कोई दो सौ हाथ पर थे। जब किनारे पर उतरे, तो उन्होंने

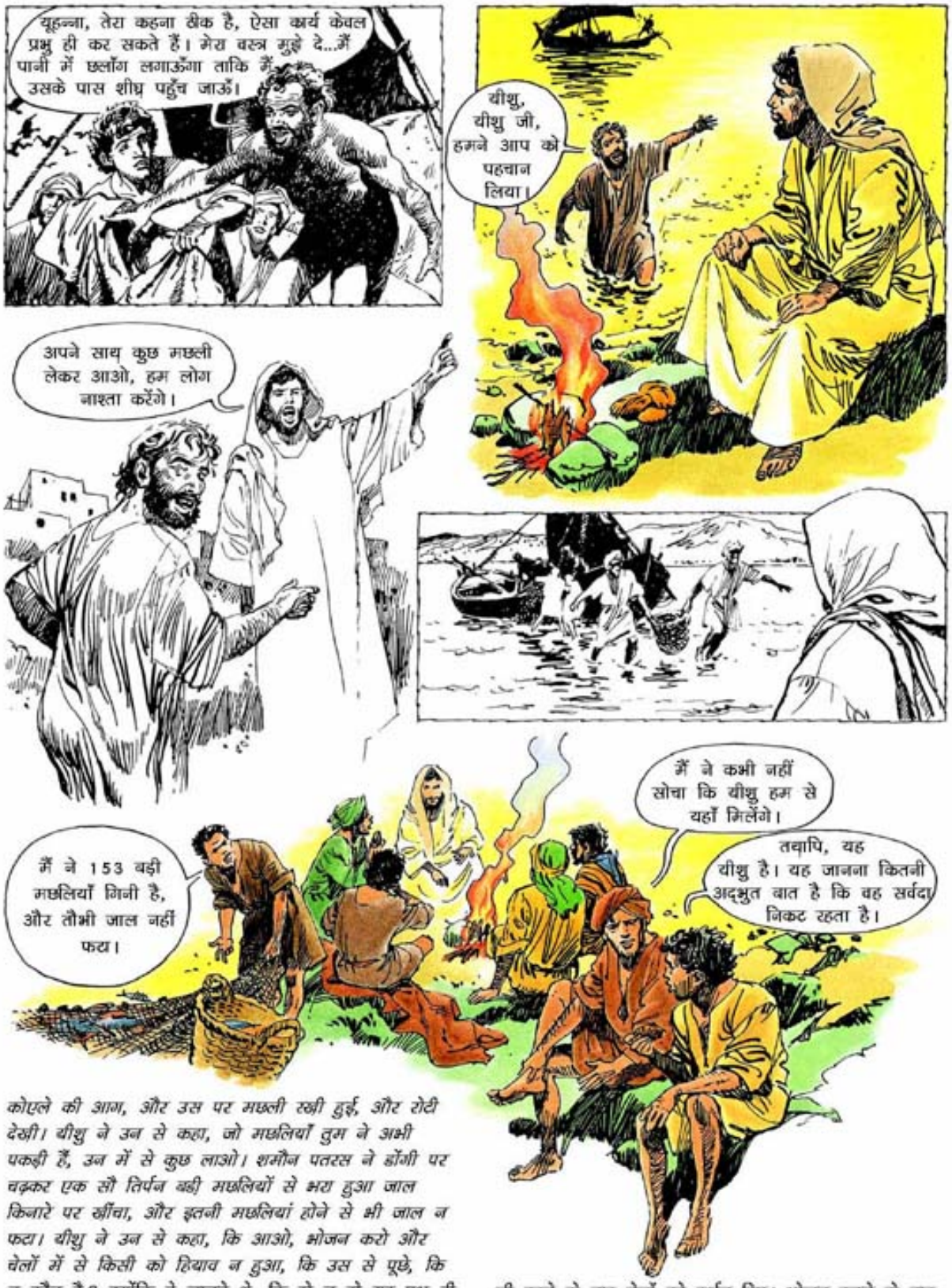

कोएले की आग, और उस पर मछली रखी हुई, और रोटी देखी। यीशु ने उन से कहा, जो मछलियाँ तुम ने अभी पकड़ी हैं, उन में से कुछ लाओ। शमौन पतरस ने डोंगी पर चढ़कर एक सौ तिर्पन बड़ी मछलियों से भरा हुआ जाल किनारे पर खींचा, और इतनी मछलियां होने से भी जाल न फटा। यीशु ने उन से कहा, कि आओ, भोजन करो और चेलों में से किसी को हियाव न हुआ, कि उस से पूछे, कि तू कौन है? क्योंकि वे जानते थे, कि हो न हो यह प्रभु ही है। यीशु आया, और रोटी लेकर उन्हें दी, और वैसे ही मछली भी। यह तीसरी बार है, कि यीशु ने मरे हुओं में से जी उठने के बाद चेलों को दर्शन दिए। भोजन करने के बाद यीशु ने शमौन पतरस से कहा, हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू इन से बढ़कर मुझ से प्रेम रखता है ? उस ने उस

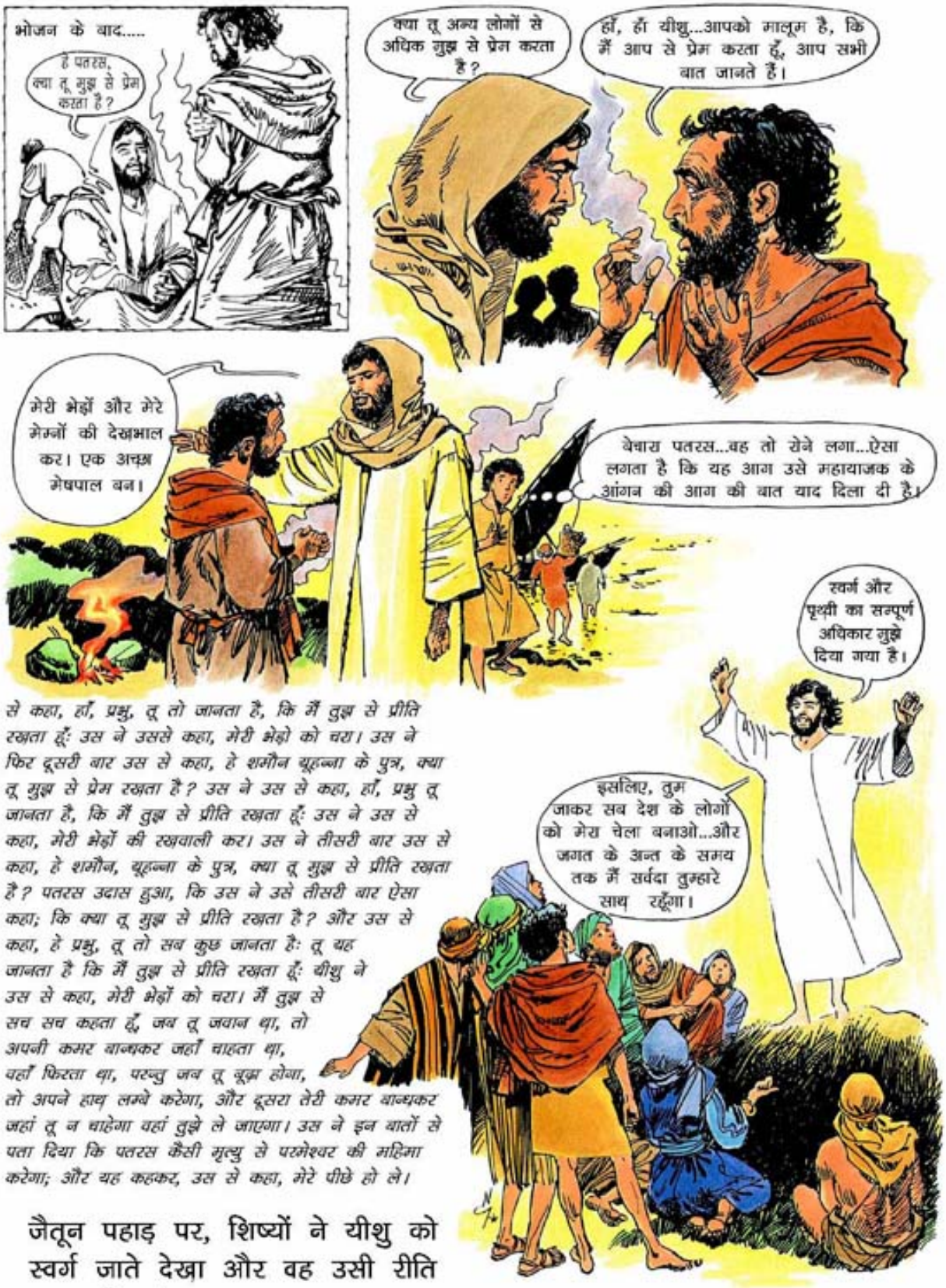

से कहा, हाँ, प्रभु, तू तो जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ: उस ने उससे कहा, मेरी भेड़ो को चरा। उस ने फिर दूसरी बार उस से कहा, हे शमौन यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझ से प्रेम रखता है? उस ने उस से कहा, हाँ, प्रभु तू जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ: उस ने उस से कहा, मेरी भेड़ों की रखवाली कर। उस ने तीसरी बार उस से कहा, हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझ से प्रीति रखता है? पतरस उदास हुआ, कि उस ने उसे तीसरी बार ऐसा कहा; कि क्या तू मुझ से प्रीति रखता है? और उस से कहा, हे प्रभु, तू तो सब कुछ जानता है: तू यह जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ: यीशु ने उस से कहा, मेरी भेड़ों को चरा। मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, जब तू जवान था, तो अपनी कमर बान्धकर जहाँ चाहता था, वहाँ फिरता था, परन्तु जब तू बूढ़ा होगा, तो अपने हाथ लम्बे करेगा, और दूसरा तेरी कमर बान्धकर जहां तू न चाहेगा वहां तुझे ले जाएगा। उस ने इन बातों से पता दिया कि पतरस कैसी मृत्यु से परमेश्वर की महिमा करेगा; और यह कहकर, उस से कहा, मेरे पीछे हो ले।

जैतून पहाड़ पर, शिष्यों ने यीशु को स्वर्ग जाते देखा और वह उसी रीति से शीघ्र वापस आएगा।

आपके लिए परमेश्वर का प्रेम

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। **(यूहन्ना 3:16)**

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मरा। **(रोमियों 5:8)**

यीशु ने कहा : मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूं; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता **(यूहन्ना 14:6)**

और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। यदि हम कहें, कि हम में कुछ भी पाप नहीं, तो अपने आप को धोखा देते हैं और हम में सत्य नहीं। यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है **(1 यूहन्ना 1:7–9)**

हे परमेश्वर, मुझ पापी पर दया कर। **(लूका 18:13)**

प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा। **(प्रेरितों के काम 16:31)**

सुसमाचार यह है:

यीशु मरे हुओं में से जी उठा है

वह जीवित है!

प्रार्थना : हे यीशु, मैं अपने सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करता हूं, कि आप मेरे भी पापों के लिए बलिदान हुए। मैं अपने सभी पापों को स्वीकार करता हूँ और आप से क्षमा की याचना करता हूं। आप आईये और मेरे हृदय में वास कीजिये, अब से मेरे जीवन में यह बात पूरी होगीः मेरी इच्छा नहीं, परन्तु आपकी इच्छा पूरी हो। मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आप मेरा मुक्तिदाता होना चाहते हैं।

आमीन!